03 जुलाई 2025
गुरुवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

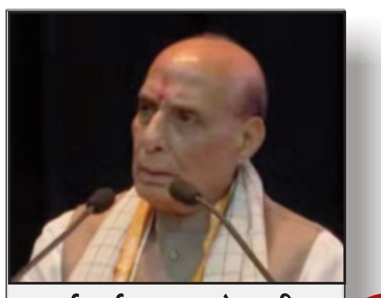

कार्यकर्ता प्यार व सेवा की राजनीति से जनता का विश्वास जीते : रक्षा मंत्री

4

नेशनल हेराल्ड केस... 2000 करोड़ की संपत्ति हथियाने की साजिश

- नेशनल हेराल्ड केस में सोनिया-राहुल गांधी की बढ़ सकती हैं मुश्किलें
- नेशनल हेराल्ड की संपत्तियों पर कंट्रोल करने के लिए यंग इंडियन लिमिटेड बनाने की साजिश रची गई थी

एजेंसी/नई दिल्ली

नेशनल हेराल्ड केस में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ा दावा किया है। बुधवार को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में सुनवाई के दौरान ईडी ने बताया कि कांग्रेस नेशनल हेराल्ड की करीब 2,000 करोड़ रुपये की संपत्ति हड़पना चाहती थी। ईडी की तरफ से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) एसवी राजू राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश हुए। उन्होंने कोर्ट में कहा कि नेशनल हेराल्ड की संपत्तियों पर कंट्रोल करने के लिए यंग इंडियन लिमिटेड बनाने की साजिश रची गई थी। जिसमें कांग्रेस संसदीय पार्टी की अध्यक्ष सोनिया गांधी और लोकसभा में विपक्षी नेता राहुल गांधी प्रमुख हिस्सेदार हैं। इसका लक्ष्य पार्टी नेतृत्व को व्यक्तिगत लाभ पहुंचाना था। एएसजी राजू ने दावा किया कि कांग्रेस के कई सीनियर नेता एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) को किए गए फर्जी लेनदेन में शामिल थे। ईडी के मुताबिक, कांग्रेस के बड़े नेताओं के निर्देश पर कुछ लोगों ने फर्जी तरीके से किराए का भुगतान किया था। इन लेन-देन के साथ फर्जी किराया रसीदें तैयार की गई थीं। ईडी ने दावा किया कि साजिश थी कि यंग इंडिया के माध्यम से 2,000 करोड़ की संपत्ति कब्जे में लेकर 90 करोड़ का कर्ज लिया जाए।ईडी ने ये भी बताया कि कांग्रेस कमेटी ने सार्वजनिक टेंडर निकाले बिना एजीएल की संपत्ति यंग इंडिया को 50 लाख रुपये में बेच दी, जबकि एजीएल की संपत्ति 2,000 करोड़ की थी। यंग इंडिया के पास इसे चुकाने के लिए पैसे नहीं थे, जिसके बाद यह मामला कोलकाता में शेल कंपनियों तक पहुंचा। एक करोड़ रुपए का लोन यंग इंडिया को दिया गया, जबकि इसकी बैलेंस शीट नेगेटिव थी। एएसजी राजू ने कोर्ट को बताया कि ईडी की जांच में यह भी सामने आया है कि यंग इंडिया पर राहुल गांधी और सोनिया गांधी का नियंत्रण था। दोनों ने मिलकर 76 प्रतिशत शेयर अपने पास रखे थे। वास्तव में ये कंपनियां उनके नियंत्रण में थीं और इनके संचालन के लिए वो जिम्मेदार थे। नेशनल हेराल्ड मामले में ईडी ने राउज एवेन्यू कोर्ट में बड़ा दावा किया है। ईडी के अनुसार, कांग्रेस पार्टी नेशनल हेराल्ड की लगभग 2,000 करोड़ रुपये की संपत्ति हड़पना चाहती थी।

विज्ञापन के दिए रुपये: इसके अतिरिक्त, ईडी ने अदालत को बताया कि कांग्रेस नेताओं के इसी तरह के निर्देशों के तहत एजेएल को विज्ञापन के रुपये दिए गए थे। ईडी ने दलील दी कि ये लेन-देन अपराध की आय के बराबर थे और वास्तविक लाभार्थी सोनिया गांधी और राहुल थे।वहीं इस पर अदालत ने पूछा कि क्या इन भुगतानों को करने वाले दानदाताओं और कांग्रेस नेताओं को भी प्रतिवादी माना जाना चाहिए, क्योंकि हो सकता है कि वे भी अपराध से धन कमाने में शामिल रहे हों। ईडी ने कहा कि वह इस बात की जांच कर रही है कि क्या ऐसे व्यक्तियों को उत्तरदायी ठहराया जा सकता है।

अमरनाथ यात्रा पर आतंकी खतरे का साया,दो रास्ते नो फ्लाइंग जोन घोषित

एजेंसी/नई दिल्ली

बाबा बर्फानी की अमरनाथ तीर्थ यात्रा एक बार फिर आतंक की चुनौती से टकरा रही है। 3 जुलाई यानी गुरुवार से शुरू हो रही यह यात्रा इस बार पहलगाम हमले के साए में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शुरू हो रही है। केंद्र और जम्मू-कश्मीर प्रशासन की ओर से 581 अर्धसैनिक बलों की कंपनियां तैनात की गई है। यात्रा के दोनों रूट पहलगाम और बालटाल को नो-फ्लाइंग जोन घोषित किया गया है। यहां ड्रोन, गुब्बारे और हेलिकॉप्टर तक उड़ाने पर रोक है। पहले से अधिक सतर्कता बरतते हुए इस बार कश्मीर घाटी में सुरक्षा बलों की 581 कंपनियां तैनात की गई है। पहलगाम और बालटाल दोनों मार्गों पर सुरक्षा को बढ़ा दिया गया है। जगह-जगह बंकर, चेकपोस्ट और फेस रिकग्निशन कैमरे लगाए गए हैं, पहलगाम के लंगालबाल बिंदु पर। इन कैमरों से संदिग्धों की पहचान की जाएगी।

ड्रोन हमलों से निपटने के लिए सुरक्षाबलों ने एंटी ड्रोन सिस्टम तैनात किए किए हैं। यात्रा मार्ग में पड़ने वाले हर संवेदनशील स्थान पर अतिरिक्त निगरानी और फोर्स की तैनाती की गई है। स्थानीय वेंडर के रूप में आतंकी घुसपैठ की आशंका है। पर सुरक्षा बल अतिरिक्त सावधानी बरतते हुए सघन जांच कर रहे हैं। सभी संभावित खतरों को देखते हुए 24 घंटे सुरक्षा बल अलर्ट मोड पर हैं।

खबरें फटाफट

भारत-बांग्लादेश सीमा पर बांग्लादेशी तस्कर ढेर

कोलकता। पश्चिम बंगाल के नादिया जिले में भारत-बांग्लादेश सीमा के पास हुई मुठभेड़ में एक बांग्लादेशी तस्कर मारा गया और एक बीएसएफ जवान घायल हो गया। तस्करों के एक समूह ने बीएसएफ जवानों पर हमला किया था। घटना बीएसएफ के दक्षिण बंगाल फ्रंटियर की 32वीं बटालियन के अधिकार क्षेत्र में हलदरपारा सीमा चौकी के पास हुई। अधिकारियों ने बुधवार को सोने की तस्करी के प्रयास की जानकारी के आधार पर बीएसएफकर्मियों की एक टीम को इलाके में तैनात किया गया था। बीएसएफ के अनुसार चार से पांच हथियारबंद बांग्लादेशी तस्करों को नदी पार कर भारतीय क्षेत्र में प्रवेश करते देखा गया। उन्होंने बीएसएफ की चेतावनियों को नजरअंदाज किया और आक्रामक तरीके से आगे बढ़ना जारी रखा। उन्हें रोकने के लिए शुरू में हवाई फायरिंग की गई, लेकिन तस्करों ने एक जवान को घेर लिया और उस पर हथियारों से हमला कर दिया। आत्मरक्षा और उसे बचाने के लिए दूसरे जवान ने गोली चलाई, जो हमलावरों में से एक के पेट के निचले हिस्से में लगी। घायल तस्कर मौके पर ही ढेर हो गया। शेष घुसपैठिए हाथापाई के बाद बांग्लादेश में भाग गए। घायल बीएसएफ जवान को भी प्राथमिक उपचार दिया गया। घटनास्थल से चार धारदार हथियार बरामद हुए।

ऋषिकेश-टिहरी मार्ग पर जाजल फकोट के पास हुआ दर्दनाक हादसा

यूपी के कांवड़ियों का ट्रक टिहरी में पलटा... तीन की मौत व 12 घायल

- बुलंदशहर से गंगोत्री जल भरने जा रहे थे यूपी के कांवड़ियां
- कांवड़िए बुलंदशहर के सिकंद्राबाद के है सभी निवासी

एजेंसी/ऋषिकेश

यूपी के कांवड़ियों का ट्रक उत्तराखंड में पलट गया। हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई, 14 घायल हैं। शिव शक्ति कांवड़ सेवा ट्रस्ट के लोग कांवड़ियों के लिए भंडारा लगाने जा रहे थे। बुधवार सुबह करीब 10 बजे नरेंद्र नगर के पास ऋषिकेश-टिहरी मार्ग पर जाजल फकोट के पास ट्रक पलट गया। सभी 21 लोग ट्रक के नीचे दब गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रक सड़क किनारे पलटा था, अगर खाई में गिर जाता तो बड़ा हादसा हो जाता। हादसे की सूचना पर स्थानीय पुलिस और एनडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची है। रेस्क्यू अभियान चलाकर बचाव कार्य में जुटी है। प्रभारी निरीक्षक नरेंद्र नगर संजय मिश्रा ने बताया- एक चार साल का बच्चा भी ट्रक में आगे फंसा था, जिसको पुलिस ने सुरक्षित बाहर निकाल लिया है। घटना के बाद टिहरी की डीएम नीतिका खंडेलवाल भी मौके पर पहुंचीं। 2 घायलों को एम्स ऋषिकेश रेफर किया गया है, जबकि अन्य का नरेंद्र नगर के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज चल रहा है। डॉक्टरों का कहना है कि दोनों मरीजों की हालत गंभीर है। उन्हें विशेष निगरानी में रखा गया है।

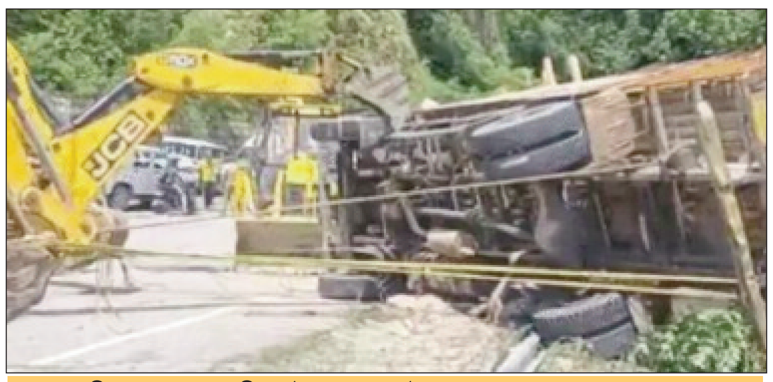

सीएम धामी ने हादसे पर जताया दुख

हादसे पर सीएम पुष्कर सिंह धामी ने दुख जताया। उन्होंने पर लिखा- ऋषिकेश-गंगोत्री हाईवे पर जाजल फकोट के पास ट्रक दुर्घटनाग्रस्त होने का दुखद समाचार प्राप्त हुआ। ईश्वर से हादसे में दिवंगत हुए लोगों की आत्मा की शांति और घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करता हूं। घायलों को हर संभव उपचार उपलब्ध कराने के लिए जिला प्रशासन को निर्देशित किया गया है।

डीएम बोलीं... ट्रक के नीचे दबे लोगों को निकाल लिया गया

टिहरी डीएम नितिका खंडेलवाल ने बताया कि यूपी के बुलंदशहर से कांवड़िए ट्रक से जा रहे थे। ये लोग हर साल उत्तरकाशी के धरारी में भंडारे के लिए जाते हैं। शायद ट्रक स्पीड में था और वह अचानक पलट गया। सूचना पर रेस्क्यू टीम पहुंच गई। क्रैश बैरियर से ट्रक को सीधा करा दिया गया है।गनीमत रही कि खाई में ट्रक नहीं गिरा। फिर भी एसडीआरएफ नीचे तलाश कर रहा है। ट्रक के नीचे दबे लोग निकाल लिए गए हैं। कुल 21 लोगों को वेरिफाई किया गया है। 3 लोगों के मौत हुई है। 2 को एम्स में रेफर किया गया है। अन्य घायलों को नरेंद्र नगर में इलाज चल रहा है।

सभी बुलंदशहर के रहने वाले : कांवड़िए बुलंदशहर के सिकंद्राबाद के हैं। ये सभी मोहल्ला कास्तवाडा के सैनियों की बड़ी चौपाल में रहते हैं। बताया कि मोहल्ले के ही करीब 21 लोग ट्रक से गंगोत्री के लिए जा रहे थे। ये लोग हर साल वहां जाते हैं। अचानक ट्रक ऋषिकेश-टिहरी मार्ग पर जाजल फकोट के पास पलट गई।

दुर्घटना में ये लोग हुए घायल

ईश्वर सैनी (49), अतर सिंह (60), रवि (30), कुलदीप गिरी (35), झम्मन सिंह (70), बनवारी (55), मुकेश (59), प्रेम सिंह (50), जुगनू (35), तुषार (17), भजन लाल (45), लेखराज (40), टिंकू (49), मूलचंद (40), राहुल (28), नकुल (04), बिशन (34), विनीत।

तीन लोगों गई जान

इस दर्दनाक घटना में तीन लोगों की जान गई है। तीनों की पहचान कर ली गई है। स्थानीय लोगों ने बताया कि पहचान विक्की (30), सुनील और संजय के रूप में हुई है। इस घटना के बाद इनके पजिरनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

8 साल से करवा रहे थे भण्डारा

समिति से जुड़े धन सिंह प्रजापति ने बताया कि बुलंदशहर के सिकन्दराबाद का शिव शक्ति कावंड़ सेवा ट्रस्ट 8 साल से भंडारे का आयोजन कर रहा है। कांवड़ यात्रा ट्रस्ट के 50 से 60 लोग उत्तरकाशी के आंचल धराली गंगोत्री रोड पर इसका आयोजन करते हैं। यह भण्डारा महाशिवरात्रि के दिन खत्म होता है।

पटना में पुलिस ने छात्रों पर लाठीचार्ज किया, लात-घूंसे बरसाए

सीएम हाउस घेरने जा रहे थे छात्र

पटना। सरकारी नौकरियों में डोमिसाइल और पारदर्शिता लागू करने की मांग कर रहे छात्रों पर बुधवार को पुलिस ने लाठीचार्ज किया है। कुछ पुलिस वालों के पास लाठियां नहीं थीं। उन्होंने छात्रों को लात-घूंसों से पीटा। पटना कॉलेज से छात्रों का प्रदर्शन सुबह शुरू हुआ था। सभी सीएम हाउस का घेराव करने निकले थे। पुलिस ने उन्हें डाकबंगला चौराहे पर बैरिकेडिंग कर रोका था। डाकबंगला चौराहे पर छात्र बैरिकेडिंग तोड़कर आगे जाने की कोशिश रहे थे। पुलिस ने समझाया, लेकिन वो नहीं माने। इस दौरान सरकार के खिलाफ नारेबाजी भी होती रही। बारिश के बीच भी छात्र डटे रहे। शाम करीब 5 बजे के आसपास पुलिस ने छात्रों पर लाठीचार्ज कर दिया। मौके पर वाटर कैनन की गाड़ियां भी मंगवाई गई हैं। इस दौरान छात्रों ने बीजेपी के सांसद की गाड़ी के सामने नारेबाजी भी की। कोतवाली थानेदार राजन कुमार ने बताया कि इस मामले में छात्र नेता दिलीप समेत 10 नामजद और सैकड़ों अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। राज्य के अलग-अलग जिलों से स्टूडेंट्स अपनी मांगों को लेकर पटना पहुंचे हैं। 5 जून को भी छात्र-छात्राओं ने प्रदर्शन किया गया था।

शिक्षक भर्ती में 100 प्रतिशत डोमिसाइल लागू करने की मांग : प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने साफ कहा कि बिहार में बीपीएससी टीआरई (शिक्षक भर्ती) में प्राथमिक शिक्षक पदों के लिए 100 प्रतिशत डोमिसाइल लागू किया जाए, क्योंकि प्राथमिक शिक्षा मातृभाषा में होने से बच्चों का विकास बेहतर होता है। उन्होंने माध्यमिक, उच्चतर माध्यमिक शिक्षकों की भर्ती, दरोगा, सिपाही, लाइब्रेरियन, बीपीएससी की अन्य सभी सरकारी नौकरियों में भी 90 प्रतिशत डोमिसाइल लागू करने की मांग की। उनका तर्क है कि इससे बिहार के युवाओं को रोजगार मिलेगा और राज्य की सामाजिक-आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। छात्रों का कहना था कि दूसरे राज्य में जब हमलोगों परीक्षा देने के लिए जाते है। तब वहां पर डोमेशाइल मांगा जाता है। परंतु यह सभी के लिए छुट है।

बिहार में परिवहन विभाग के दो एमवीआई पर केस

केटी न्यूज/बेतिया

परिवहन विभाग में रिश्वतखोरी चरम पर है। फील्ड में तैनात सरकारी सेवकों में कुछ ऐसे हैं जो दिन-रात वसूली में लिप्त रहते हैं। रिश्वतखोरी में लिप्त रहने का ऑडियो सामने आने के बाद डीएम ने परिवहन विभाग के दो मोटरयान निरीक्षकों के अलावे डीटीओ कार्यालय के लिपिक व दलालों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। साथ ही परिवहन विभाग से निलंबन की सिफारिश की गई है। मामला पश्चिम चंपारण का है जहां लेन-देन के आरोप में मोटरयान निरीक्षकों के खिलाफ बेतिया के नगर थाने में केस दर्ज किया गया है। बेतिया जिला प्रशासन की तरफ से रिलीज जारी कर बताया गया है कि जिला प्रशासन को विगत दिनों मीडिया एवं अन्य माध्यमों से एक वायरल ऑडियो संज्ञान में आया था। जिसमें परिवहन कार्यालय, पश्चिम चम्पारण में पदस्थापित मोटरयान निरीक्षक एवं अन्य कर्मी द्वारा अनैतिक कृत्य किए जाने संबंधी बातचीत थी। बेतिया डीएम धर्मेन्द्र कुमार ने मामले को गंभीरता से लेते हुए वायरल ऑडियो की सत्यता की जांच के लिए तीन सदस्यीय कमेटी गठित कर दी। त्रि-सदस्यीय कमिटि के द्वारा जांच के बाद वायरल ऑडियो में दर्ज अवैध लेन-देन की बात को प्रथम दृष्टया सत्य प्रतिवेदित किया गया. जांच में पूजा कुमारी, मोटरयान निरीक्षक, जिला परिवहन कार्यालय, पश्चिम चम्पारण, बेतिया एवं डीटीओ कार्यालय के अन्य कर्मियों की संलिप्तता प्रतिवेदित की गई। इसके बाद डीएम ने रिपोर्ट पर तत्काल संज्ञान लेते हुए जिला परिवहन पदाधिकारी, पश्चिम चम्पारण, को वायरल ऑडियो एवं जांच दल के प्रतिवेदन में अंकित सभी लोगों के विरूद्ध नाम सहित भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के सुसंगत धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कराने का आदेश दिया। साथ ही सरकारी पदाधिकारी-कर्मियों के विरूद्ध निलंबन की अनुशंसा के साथ प्रपत्र-क गठित करने का भी आदेश दिया गया है। डीएम के आदेश के बाद जिला परिवहन पदाधिकारी, पश्चिम चम्पारण ने पुजा कुमारी, मोटरयान निरीक्षक, जिला परिवहन कार्यालय के संतोष दास, मोटरयान निरीक्षक, जिला परिवहन कार्यालय, पश्चिम चम्पारण, बेतिया संजय राव, तत्कालीन लिपिक, जिला परिवहन कार्यालय सम्प्रति भूमि सुधार उप समाहर्ता कार्यालय, बगहा एवं इस प्रकरण में संलिप्त बिचौलियों के विरूद्ध प्राथमिकी दर्ज करा दिया गया है।

हिमाचल प्रदेश में बादल फटने से 34 लापता

शिमला। हिमाचल प्रदेश में बादल फटने की घटनाओं से भारी तबाही हुई है, जिसमें 34 लोग लापता हो गए हैं। मंडी जिला सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है और सीएम सुक्खू ने मौके का जायजा लिया। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की ओर से लापता लोगों की तलाश के लिए सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। मंडी जिले में 15, जबकि कुल्लू और किन्नौर जिले में एक-एक जगह बादल फटा। मकान मिट्टी हो गए। मंडी में 16 लोगों समेत पूरे प्रदेश में 18 की जान चली गई है।

इससे पहले गोवा और मिजोरम को यह दर्जा प्राप्त हुआ था

मिली कामयाबी : त्रिपुरा बना देश का तीसरा पूर्ण साक्षर राज्य

एजेंसी/नई दिल्ली

त्रिपुरा बना देश का तीसरा पूर्ण साक्षर राज्य बन गया है. 95.6 प्रतिशत साक्षरता दर के साथ अब केवल गांवों में ही नहीं, कॉलेज और यूनिवर्सिटी से भी शिक्षा का प्रसार हो रहा है। पूर्वोत्तर भारत का छोटा-सा राज्य त्रिपुरा इन दिनों शिक्षा के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धि के कारण सुर्खियों में है। त्रिपुरा अब देश का तीसरा ऐसा राज्य बन गया है, जिसे पूर्ण साक्षर राज्य का दर्जा मिला है। इससे पहले गोवा और मिजोरम को यह दर्जा प्राप्त हुआ था। त्रिपुरा की कुल साक्षरता दर

95.6 प्रतिशत तक पहुंच गई है, जो इस मानक को पूरा करती है कि किसी राज्य को पूर्ण साक्षर तभी माना जाता है जब वहां 95 प्रतिशत या उससे अधिक नागरिक पढ़ना, लिखना और सामान्य गणना करने में सक्षम हों, और यह योग्यता 18 वर्ष से ऊपर की आयु के सभी लोगों में हो। मुख्यमंत्री माणिक साहा ने इस उपलब्धि पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि शिक्षा ही इंसान को काबिल बनाती है और हमारी सरकार ने शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। हम शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। सीएम ने बताया कि अब त्रिपुरा में न केवल गांवों में स्कूल बेहतर हो गए हैं, बल्कि उच्च शिक्षा के लिए कॉलेज और यूनिवर्सिटी भी खोले गए हैं। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय ने पूर्ण साक्षरता के लिए मानकों को यूनेस्को की सहमति के साथ थोड़ा लचीला बनाया है। पहले जहां 100 प्रतिशत साक्षरता को लक्ष्य माना जाता था, अब 95 प्रतिशत या उससे अधिक साक्षरता दर और व्यावहारिक ज्ञान (पढ़ना-लिखना, गिनती करना) को पर्याप्त माना गया है। 2011 की जनगणना के अनुसार उत्तर प्रदेश में कुल साक्षरता दर 67.68 प्रतिशत थी। जिसमें पुरुष साक्षरता दर 77.28 प्रतिशत और महिला साक्षरता दर 57 फीसदी थी जो हाल के आंकड़ों में यह बढ़कर 72.6 फीसदी बताई गई है। वहीं 2011 के अनुसार बिहार में कुल साक्षरता दर 61.8 फीसदी थी, जो अभी भी लगभग उतनी ही बनी हुई है।

केशव टाइम्स डिजिटल संस्करण

बक्सर

बक्सर, 03 जुलाई 2025
website:keshavtimes.com
e-mail:keshavtimes1@gmail.com

प्रखंडों में कालाजार के रोगियों की पहचान कर रेफर करेंगे ग्रामीण चिकित्सकः डॉ. शैलेंद्र

♦ चौसा व चक्की के ग्रामीण चिकित्सकों को दी जा रही कालाजार के लक्षणों की पहचान, इलाज व बचाव की जानकारी

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सरद्य कालाजार उन्मूलन कार्यक्रम को गति देने के लिए स्वास्थ्य विभाग लगातार प्रयासरत है। इस क्रम में जिला स्वास्थ्य समिति और पिरामल फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में विशेष प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इसके तहत जिले के दो प्रखंडों यथा चौसा और चक्की का चयन किया गया है, जहां के ग्रामीण चिकित्सकों को कालाजार और पीकेडीएल के लक्षणों की जानकारी के साथ साथ उसके इलाज और बचाव की जानकारी दी जा रही है। ताकि, इन चयनित प्रखंडों में पूर्व के प्रभावित क्षेत्रों में कालाजार के मरीजों का फॉलोअप करते हुए उनका परीक्षण किया जाए, जिससे यह पता चल सके कि संक्रमित मरीज पीकेडीएल की चपेट में नहीं आया है। साथ ही, कालाजार से ठीक हो चुके मरीजों के आसपास के क्षेत्र में किसी में इस बीमारी के लक्षण तो नहीं आ हैं।

जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ. शैलेंद्र कुमार ने बताया कि राज्य सरकार के निर्देश पर ग्रामीण स्तर के चिकित्सकों का उन्मुखीकरण किया जा रहा है। इसके तहत ग्रामीण चिकित्सकों को कालाजार से संबंधित जानकारी दी जा रही है, जिससे वो संभावित मरीज को चिह्नित करते हुए सरकारी अस्पताल पहुंचाने का काम करें। उन्होंने बताया कि जिले में फिलवक्त सदर प्रखंड में ही कालाजार उन्मूलन कार्यक्रम के तहत दवाओं का छिड़काव किया जा रहा है। लेकिन, राज्य स्वास्थ्य समिति के निदेशों कगे अनुसार पूर्व में जिन प्रखंडों में कालाजार के मरीज मिले है, वहां के ग्रामीण चिकित्सकों (की-इंफॉर्मेंट) को प्रशिक्षित किया जाना है।

लक्षण दिखने पर संदिग्ध मरीजों को जांच कराना अनिवार्य

डॉ. शैलेंद्र कुमार ने बताया कि यदि किसी भी सामान्य व्यक्ति में 15 दिन से अधिक बुखार आना, भूख नहीं लगना, रोगी में खून की कमी, रोगी का वजन घटना, रोगी की त्वचा का रंग काला होना आदि लक्षण दिखाई देते हैं, तब वो कालाजार के संभावित मरीज हो सकते हैं। वहीं इसका सबसे मुख्य लक्षण त्वचा पर धब्बा बनना है। यदि किसी व्यक्ति में उपयुक्त लक्षण पाएं, तो उन्हें तत्काल प्राथमिक या सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर जांच के लिए भेजें। जहां पर संभावित मरीजों के लिए कालाजार की जांच की सुविधा निरूशुल्क उपलब्ध है। संक्रमित मरीज मिलने पर उन्हें जिला मुख्यालय स्थित सदर अस्पताल रेफर किया जाता है। सदर अस्पताल में समुचित इलाज की सुविधा उपलब्ध है, जहां मरीजों का उनके लक्षणों का प्रभाव देखते हुए निर्धारित अवधि में इलाज कर उन्हें निगरानी में रखा जाता है।

मरीजों, आशा कार्यकताओं और ग्रामीण चिकित्सकों को दी जाती है राशिः वीडीसीओ पंकज कुमार ने बताया कि कालाजार से संक्रमित मरीज को केंद्र व राज्य सरकार की ओर से 7100 रुपये की श्रम क्षतिपूर्ति राशि दी जाती है। इस क्रम में जांच के बाद पुष्टि हो जाने के बाद मरीजों के लिए 6600 रुपये क्षतिपूर्ति और आशा के लिए 100 रुपये प्रोत्साहन राशि मुख्यमंत्री कालाजार राहत अभियान के अंतर्गत दी जाती है। वहीं प्रति मरीज एवं आशा को 500-500 रुपये भारत सरकार की तरफ मरीज और आशा को उनके खाते में भुगतान किया जाता है। साथ ही, ग्रामीण चिकित्सकों के माध्यम से कालाजार के मरीजों को सीएचसी/पीएचसी रेफर करने के बाद जांच में कालाजार बुखार की रिपोर्ट पॉजिटिव आने पर उन्हें भी 500 रुपए प्रोत्साहन राशि दी जाती है। इन सब कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य है कि जिले के कालाजार व पीकेडीएल के मरीजों को सरकारी सुविधा निरूशुल्क उपलब्ध कराई जा सके।

ट्रेन से उतरते वक्त मां-बेटी की मौत से मचा कोहराम

बक्सर। बुधवार को रघुनाथपुर रेलवे स्टेशन पर एक दर्दनाक हादसे ने सभी को झकझोर कर रख दिया। दोपहर करीब एक बजे स्टेशन पर ट्रेन से उतरते वक्त 25 वर्षीय महिला प्रियंका कुमारी और उसकी दो वर्षीय मासूम बेटी की जान चली गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, प्रियंका अपनी बेटी को गोद में लिए जैसे ही चलती ट्रेन से उतरने का प्रयास कर रही थी, तभी उसका पैर फिसल गया। संतुलन बिगड़ते ही वह मां-बेटी दोनों ट्रेन के नीचे आ गए और घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई।

मिली जानकारी के मुताबिक मृतका प्रियंका कुमारी रोहतास जिले के दावथ थाना क्षेत्र की निवासी थी। वह अपने परिजनों के साथ बक्सर से दवा लेकर घर लौट रही थी। हादसा उस समय हुआ जब बक्सर से रघुनाथपुर तक की यात्रा पूरी कर प्रियंका और उसके परिजन स्टेशन पर उतरने लगे। ट्रेन पूरी तरह रुकने से पहले ही उतरने के प्रयास में यह अनहोनी हो गई। हादसे की खबर फैलते ही स्टेशन पर अफरा-तफरी मच गई। मौके पर पहुंची रेलवे पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई पूरी की और पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। इस घटना ने पूरे इलाके को गमगीन कर दिया है। लोगों का कहना है कि यदि थोड़ी सावधानी बरती जाती, तो यह हादसा टल सकता था। रेलवे पुलिस ने यात्रियों से अपील की है कि चलती ट्रेन से उतरने या चढ़ने का प्रयास न करें।

घर में सो रहे लोगों को बाहर से बंद कर चोरों में मचाया तांडव, जांच में जुटी पुलिस

शिवपुर डेरा गांव में भीषण चोरीः 10 लाख रुपए मूल्य के आभूषण ले उड़े चोर

♦ पिछले दरवाजे से घर में प्रवेश कर चोरों ने दिया घटना को अंजाम

केटी न्यूज/डुमरांव

मुरार थाना क्षेत्र के शिवपुर डेरा गांव में चोरों ने एक घर में चोरी की भीषण घटना को अंजाम दिया है। चोरों ने इस दौरान 15 तोला सोने के आभूषण जिसकी कीमत करीब 10 लाख रूपए है, चुरा लिया है। सुबह में घर से थोड़ी दूर पर खेत में चोरों द्वारा तोड़कर फेका गया अटैची व ब्रिफकेस मिला है। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

पीड़ित गृह स्वामी इंद्रदेव यादव ने बताया कि रात में बारिश हो रही थी, उनका परिवार खाना खाकर सो गया था। मध्य रात्रि घर के पीछे से दीवाल फांद चोर घर के अंदर प्रवेश किए है तथा जिन कमरों में लोग सो रहे थे, उनके दरवाजे का बाहर से कुंडी चढ़ा बंद कर दिया तथा आभूषण वाले कमरे का ताला तथा उसमें रखे बड़े बक्से का तोड़ उसमें रखे अटैची व ब्रिफकेश को अपने साथ उठा ले गए। इंद्रदेव ने बताया कि अटैची व ब्रिफकेश में 15 तोला सोना के आभूषण थे, जिसमें हार, चेन, पांच अंगुठी, झुमका, कानबाली आदि आभूषण शामिल है। चोरी की घटना को अंजाम देने के बाद चोर मुख्य दरवाजे को खोल फरार हो गए है।

सुबह में जब गृहस्वामी की पत्नी रिंकू देवी की नींद खुली तथा मुख्य दवाजे व एक कमरे का दरवाजा को खुला देखी तो चोरी की बात समझ में आई। इसके बाद रिंकू ने अपने पति इंद्रदेव को जगा उन्हें इस घटना की से अवगत कराया। गृह स्वामी द्वारा घटना की सूचना मुरार पुलिस को दी गई। इसी दौरान सुबह में शौच के लिए निकले ग्रामीणों की नजर इंद्रदेव के घर से कुछ दूर पर खेत में चोरों द्वारा तोड़कर फेंका गया बक्सा व ब्रिफकेस मिला। उन्होंने आशंका जताई है कि चोरों ने देर रात घटना को अंजाम दिया है। उन्होंने इस मामले में मुरार थाने में लिखित शिकायत दी है। घटना के बाद ग्रामीणों ने पुलिस गश्ती की व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि यदि रात में नियमित गश्ती होती, तो चोरी की घटना नहीं होती। ग्रामीणों का कहना है कि आए दिन थाना क्षेत्र के कई गांवों में चोरी की घटनाएं हो चुकी है। पुलिस अब तक किसी मामले का उद्भेदन नहीं कर पाई।

मामले का जल्द उद्भेदन कर लिया जाएगा

शिवपुर डेरा गांव में चोरी की घटना सामने आई है। जानकारी मिलते ही मामले की जांच शुरू कर दी गई है। जल्दी ही इस मामले का उद्भेदन कर लिया जाएगा। **– अमन कुमार, थानाध्यक्ष, मुरार**

नशे की लत पूरा करने के लिए साइकिल चुरा कर बेची, सीसीटीवी के आधार पर धराया

केटी न्यूज/चौगाईं

नशे की लत जो न करा दें। एक नशेड़ी को मादक पदार्थ की तलब लगी तो उसने एक कोचिंग के बाहर से साइकिल चुरा उसे बेच नशे की आपूर्ति कर ली, लेकिन लौटने के दौरान कोचिंग संचालक ने उसे पकड़ लिया तथा पुलिस को सुपुर्द कर दिया। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने साइकिल बरामद कर पुलिस चोर को जेल भेजने की तैयारी में जुट गई। घटना मुरार थाना क्षेत्र के चौगाईं गांव का है। मिली जानकारी के अनुसार चौगाईं के गेट नंबर एक से गांव में जाने वाले रास्ते में गांव के ही गुड्डु सिंह कोचिंग का संचालन करते है।

बुधवार को उनके कोचिंग के मुख्य गेट से एक चोर ने एक छात्र की साइकिल चुरा ली। हालांकि, कोचिंग तथा आस पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में उसकी हरकत कैद हो गई, जिसके बाद पुलिस को जानकारी देने के साथ कोचिंग संचालक व ग्रामीण उक्त चोर को अपने स्तर से भी खोजने लगे।

दोपहर तक उसकी खोज जारी रही। इस दौरान कोचिंग संचालक तथा कुछ अन्य लोग उसे खोजते चौगाईं से ठोरी पांडेयपुर गांव जाने वाले रास्ते में आ गए थे तथा काली मंदिर परिसर में बैठ आराम कर रहे थे। इसी दौरान उक्त चोर पैदल आता दिखाई पड़ा। साइकिल की चोरी के दौरान सीसीटीवी में वह जिस कपड़े में था, उसी कपड़े में लौट रहा था, जिस कारण कोचिंग संचालक ने उसे पहचान लिया और उसे पकड़ स्थानीय पुलिस को सौंप दिया। चोर की पहचान स्थानीय थाना क्षेत्र के कोन्ही गांव निवासी अलगू यादव के पुत्र अरविंद उर्फ बघवा के रूप में हुई है।

पुलिस की पूछताछ में उसने बताया कि वह साइकिल को कृष्णाब्रह्म में एक व्यक्ति को एक हजार रूपए में बेच दिया है तथा उस पैसे से हेरोइन पी गया है। जिसके बाद पुलिस ने उसके निशानदेही पर साइकिल बरामद कर लिया है तथा चोर को जेल भेजने की तैयारी में जुट गई है। थानाध्यक्ष अमन कुमार ने इसकी पुष्टि की है।

एक नजर

पंचायत प्रतिनिधियों और बीएलओ पर्यवेक्षकों की उपस्थिति में हुई अहम चर्चा

नावानगर। आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों के मद्देनजर बुधवार को नावानगर प्रखंड कार्यालय सभागार में विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान 2025 को लेकर एक अहम बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता बीडीओ मनोज कुमार ने की। इस दौरान बीडीओ ने अभियान की सफलता के लिए जनप्रतिनिधियों से सक्रिय सहयोग की अपील की। बैठक में प्रखंड स्तरीय कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष एवं सदस्य, सभी पंचायत समिति सदस्य, बीएलओ पर्यवेक्षक, पंचायत सचिव, सरपंच एवं अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। बीडीओ ने बताया कि यह अभियान निर्वाचन आयोग के निदेशानुसार 25 जून से 26 जुलाई तक चलाया जा रहा है, जिसके तहत हाउस-टू-हाउस सर्वे के माध्यम से मतदाताओं की जानकारी अपडेट की जा रही है। उन्होंने कहा कि नए मतदाताओं का नाम जोड़ना, मृत मतदाताओं का नाम हटाना, और अन्य आवश्यक सुधार कार्य समय पर और पारदर्शी ढंग से पूरा करना प्राथमिकता है। बीडीओ ने सभी बीएलओ को निर्देश दिया कि वे अपने-अपने क्षेत्र में घर-घर जाकर लोगों से संपर्क करें और प्रपत्रों को भरवाकर जमा कराएं। जनप्रतिनिधियों से आग्रह करते हुए उन्होंने कहा कि वे अपने क्षेत्र के लोगों को जागरूक करें और बीएलओ के कार्य में सहयोग करें, ताकि किसी भी योग्य मतदाता का नाम छूटने न पाए। बैठक में मौजूद सरपंचों और पंचायत प्रतिनिधियों ने भी अभियान में सहयोग का आश्वासन दिया। बैठक का उद्देश्य मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाना और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत करना रहा।

सुरक्षा पर उठे सवालः केसठ भट्ठा पुल पर अनियंत्रित हावड़ा ट्रक पलटी, बड़ा हादसा टला

केसठ। बुधवार की सुबह केसठ भट्ठा पुल पर एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया, जब एक हावड़ा ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गई। ट्रक केसठ के एक ईंट भट्ठे से ईंट लादकर दानवार बिहटा की ओर जा रही थी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार जैसे ही ट्रक भट्ठा पुल के पास मोड़ने लगी, वह संतुलन खो बैठी और पुल के किनारे पलट गई।इस हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। चालक पूरी तरह सुरक्षित बताया जा रहा है। घटना के बाद मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ इकट्ठा हो गई, जिससे कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया।स्थानीय लोगों का कहना है कि केसठ भट्ठा पुल की चौड़ाई बेहद कम है और दोनों ओर रेलिंग न होने के कारण अक्सर ऐसी घटनाएं घटती रहती हैं। इससे पूर्व भी कई बार बाइक और ट्रैक्टर पलटने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं।सूत्रों के अनुसार, ट्रक चालक को मोड़ और पुल की स्थिति का सही अनुमान नहीं था, जिस कारण यह हादसा हुआ। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि पुल की चौड़ाई बढ़ाई जाए और दोनों तरफ मजबूत रेलिंग लगाई जाए ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाएं रोकी जा सकें।

रानी घाट के पास यूपी से लाई जा रही भारी मात्रा में शराब बरामद, दो गिरफ्तार

केटी न्यूज/बक्सर

मुफस्सिल थाना क्षेत्र के चौसा रानी घाट के समीप पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर बड़ी कार्रवाई करते हुए शराब की तस्करी की एक बड़ी खेप बरामद की गई। इस दौरान दो तस्करों को भी गिरफ्तार किया गया। जिसे थाने ला शराब की गिनती की गई। वही, पकड़े गए तस्करों से पूछताछ के बाद न्यायालय में भेज दिया गया

पुलिस सूत्रों के अनुसार ये तस्कर शराब की इस अवैध खेप को उत्तर प्रदेश से तस्करी कर बिहार के विभिन्न हिस्सों में सप्लाई करने की तैयारी में थे। पुलिस ने इनके पास से 180 एमएल की 8 पीएम अंग्रेजी शराब के 48 टेट्रा पैक बरामद किए, जिसकी कुल मात्रा 25.920 लीटर बताई जा रही है। साथ ही 200 एमएल की देशी शराब के 192 टेट्रा पैक भी जब्त किए गए, जिनकी कुल मात्रा 38.400 लीटर पाई गई। इस प्रकार कुल 64.320 लीटर अवैध शराब बरामद की गई है। वही, पकड़े गए तस्करों के पहचान में राजपुर थाना क्षेत्र के रौनी उतरी गांव निवासी अमरेश कुमार एवं जमौली गांव निवासी धीरज कुमार के रूप में की गई।

मामले के संबंध में जानकारी देते हुए थानाध्यक्ष शम्भू कुमार भगत ने बताया कि बिहार में लागू शराबबंदी कानून के तहत दोनों आरोपितों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है तथा आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस पकड़े गए तस्करों के इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में भी जुट गई है।

बच्चों के विवाद में दो गांवों में हिंसक झड़प, एक जख्मी, पुलिस के हस्तक्षेप से शांत हुआ मामला

♦ बच्चों के झगड़े के बाद उपद्रवियों ने एक घर में घुस स्कार्पियो वाहन को किया क्षतिग्रस्त

केटी न्यूज/डुमरांव

बच्चों के विवाद में बुधवार को नया भोजपुर थाना क्षेत्र के प्रताप सागर और चिलहरी गांवों के बीच हिंसक संघर्ष हो गया। इस दौरान दर्जनों की संख्या में चिलहरी के युवाओं ने एकजुट हो प्रतापसागर मेथोडिस्ट अस्पताल के समीप जमकर मारपीट की। मारपीट की इस घटना में प्रताप सागर का एक युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गया है, वहीं एक घर में घुस एक स्कार्पियो वाहन को भी क्षतिग्रस्त किया गया है।

पीड़ितों का कहना है कि मारपीट की घटना के दौरान मौके पर मौजूद स्थानीय पुलिस मूकदर्शक बनी रही। इस दौरान एक पक्ष से पत्थरबाजी किए जाने का वीडियो भी वायरल हुआ है। मारपीट की इस घटना में प्रतापसागर निवासी राजदेव यादव के 28 वर्षीय पुत्र मनीष कुमार यादव को सर फट गया है। गंभीर अवस्था में उसे इलाज के लिए डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया गया। घटना के बाद से दोनों पक्षों में जबरर्दस्त तनाव है, लेकिन पुलिस स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास कर रही है।

जानकारी के अनुसार चार-पांच दिन पहले किसी बात को ले दोनों गांवों के बच्चों के बीच विवाद हुआ था। हालांकि, बाद में इस विवाद को सलटा दिया गया था, लेकिन अंदर ही अंदर दोनों पक्षों में आक्रोश व्याप्त था। यही आक्रोश बुधवार को हिंसक झड़प में तब्दील हो गया। इस दौरान प्रताप सागर रणक्षेत्र में तब्दील हो गया था। घटना की जानकारी मिलते ही एसडीपीओ अफाक अख्तर अंसारी, नया भोजपुर व डुमरांव थाने के अलावे कई अन्य थानों की पुलिस भी मौके पर पहुंची थी।

इस मामले में शाम तक किसी पक्ष द्वारा थाने में शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। नया भोजपुर के प्रभारी थानाध्यक्ष सुमन कुमार ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि शाम तक किसी पक्ष ने आवेदन नहीं दिया है।

शांति समिति की बैठक आयोजित

नावानगर। मुहर्रम पर्व को ले आयोजित शांति समिति की बैठक की अध्यक्षता थानाध्यक्ष नीतीश कुमार ने की। इस दौरान जुलूस मार्ग, बिजली, पानी, साफ-सफाई एवं सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चर्चा की गई। थानाध्यक्ष ने लोगों से आपसी सौहार्द बनाए रखने और प्रशासन को सहयोग करने की अपील की।

मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण की अद्यतन रिपोर्ट को लेकर समीक्षा बैठक सम्पन्न

पात्र नागरिकों का नाम सूची करना है दर्जः एसडीएम

केटी न्यूज/बक्सर

जिला में चल रहे मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण 2025 कार्यक्रम की अद्यतन प्रगति को लेकर शनिवार को चौसा प्रखंड मुख्यालय स्थित सभागार भवन में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता सदर बीडीओ अशोक कुमार ने की, जबकि बैठक में मुख्य रूप से सदर एसडीएम अविनाश कुमार उपस्थित रहे।

बैठक में बीएलओ, सुपरवाइजर और प्रखंड स्तरीय निर्वाचन कर्मियों ने भाग लिया। इस दौरान एसडीओ अविनाश कुमार ने बीएलओ से घर-घर सर्वेक्षण और गणना प्रपत्र के वितरण की स्थिति की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग के निदेशानुसार 25 जून से 26 जुलाई तक चल रहे इस अभियान में प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में दर्ज कराना सुनिश्चित करें। साथ ही मृत, अयोग्य अथवा स्थानांतरित मतदाताओं के नाम सूची से हटाने की प्रक्रिया भी पूरी सावधानी से की जाए।

बीडीओ अशोक कुमार ने बीएलओ को निर्देश दिया कि कोई भी गणना प्रपत्र अधूरा न छोड़ा जाए और समय पर सभी प्रपत्र जमा कर अद्यतन रिपोर्ट तैयार करें। उन्होंने कहा कि इस कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथ ही अगर किसी प्रकार की जानकारी समझ न आ रही तो इस बैठक में अपनी समस्या रखे। उसका तत्काल जानकारी से अवगत कराया जाएगा। ताकि पड़ रहे व्यवधान का निष्पादन हो और कार्य तेजी से किया जा सके। वही, एसडीओ ने कहा विपत्र देने के साथ मतदाता से एक-एक विपत्र वापस लेना है। एक भी विपत्र छुटे न इसकी सावधानी आप सबको बरतनी है।

बैठक में यह जानकारी दी गई कि 1 अगस्त को ड्राफ्ट मतदाताओं की सुविधा के लिए हेल्पलाइन नंबर 1950 जारी किया गया है, जहां से कोई भी जानकारी प्राप्त की जा सकती है। बैठक में शिक्षा पदाधिकारी हृषिकेश कुमार, एसओ, एमओ, सीडीपीओ के अलावा सभी बीएलओ, सुपरवाइजर और कर्मी मौजूद रहे।

भारत रत्न उस्ताद बिस्मिल्लाह खां के नाम पर डुमरांव में खुलेगा संगीत महाविद्यालय, कवायद हुई शुरू

- बिस्मिल्लाह खां संगीत कॉलेज के लिए चिन्हित की गई है हरियाणा फार्म में तीन एकड़ जमीन
- एनओसी के लिए पशुपालन विभाग को भेजा गया पत्र

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव में भारत रत्न उस्ताद बिस्मिल्लाह खां के नाम पर संगीत महाविद्यालय खोलने का सपना अब साकार होने वाला है। इस संगीत महाविद्यालय खोले जाने की प्रशासनिक कवायदे तेज हो गई है।

शिक्षा विभाग द्वारा डुमरांव में संगीत महाविद्यालय खोले जाने के लिए जमीन मुहैया कराने की मांग करने के बाद अंचल प्रशासन ने इसके लिए हरियाणा फार्म की तीन एकड़ के भू-भाग का चयन संगीत महाविद्यालय के लिए किया है, यह भू-भाग निमार्णाधीन मेडिकल कॉलेज के पास ही है। भूमि चयन के बाद अंचल प्रशासन द्वारा एनओसी के लिए पशु पालन विभाग को प्रस्ताव भेजा गया है। वहां, से स्वीकृति मिलते ही संगीत महाविद्यालय का निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया जाएगा।

इस संबंधस में डुमरांव के प्रभारी सीओ सह राजस्व अधिकारी कुमार दिनेश ने बताया कि एनओसी के लिए पशु पालन विभाग को प्रस्ताव भेजा गया है। जल्द ही प्रस्ताव पर स्वीकृति मिलने की उम्मीद है।

डुमरांव की तंग गलियों में हुआ था उस्ताद : बता दें कि भारत रत्न से नवाजे गए शहनाई के उस्ताद बिस्मिल्लाह खां का जन्म डुमरांव की तंग गलियों में हुआ था। उन्होंने शहनाई जैसे एक मामूली सुषीर वाद्य को अपनी फनकारी से अंतर्राष्ट्रीय पहचान दिलाई थी। वे शहनाई के जादूगर माने जाते थे। संगीत क्षेत्र में उनकी उपलब्धियों को देखते हुए ही भारत सरकार द्वारा उन्हें देश का सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न से नवाजा गया था, लेकिन उनके पैतृक शहर डुमरांव में उनके नाम पर कोई स्मृति मौजूद नहीं है। लंबे समय से उनके नाम पर संग्रहालय व संगीत महाविद्यालय खोले जाने की मांग स्थानीय निवासियों द्वारा की जाती रही है, जो अब निकट भविष्य में पूरा होता दिखाई पड़ रहा है। संगीत कॉलेज के लिए जमीन चयन होते ही उन्हें चाहने वालों में खुशी की लहर दौड़ गई है।

प्रगति यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री नितिश कुमार ने की थी घोषणा

बताते चलें कि डुमरांव अनुमंडल क्षेत्र में संगीत महाविद्यालय खोलने के लिए प्रगति यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने घोषणा की थी। इसके पूर्व भी लंबे समय से डुमरांव में उस्ताद के नाम पर संगीत महाविद्यालय खोले जाने की मांग हो रही थी, लेकिन जमीन के अभाव में इसे मूर्त रूप नहीं दिया जा सका था। वहीं, मुख्यमंत्री की घोषणा के बाद अंचल प्रशासन पर भी जमीन मुहैया कराने का दबाव बढ़ा। जिसके बाद अंचल प्रशासन ने हरियाणा फार्म में तीन एकड़ जमीन का चयन किया है। बता दें कि पूर्व में इसी परिसर में बिस्मिल्लाह खान संगीत महाविद्यालय के लिए 10 एकड़ भू-भाग पर एनओसी देने का प्रस्ताव भेजा गया था, जिसे पशुपालन व मत्स्य विभाग ने अस्वीकृत कर दिया है। जिसके बाद शिक्षा विभाग ने फिर से अंचल प्रशासन को तीन एकड़ जमीन मुहैया कराने की मांग की है।

मोहर्रम पर्व को ले शांति समिति की बैठक संपन्न

बिक्रमगंज। शहर के अजीत ऑडिटोरियम में बुधवार को कुछ ऐसा नजारा देखने को मिला, जहां प्रशासन, समाज और प्रतिनिधित्व तीनों ने एक स्वर में अमन की बात की। मोहर्रम पर्व को लेकर आयोजित अनुमंडल स्तरीय शांति समिति की यह बैठक केवल एक प्रशासनिक कवायद नहीं रही बल्कि आपसी भाईचारे, सह- अस्तित्व और सामाजिक सौहार्द का ऐसा मिसाल बनी, जिसे आने वाली पीढ़ियां मिसाल के तौर पर याद रखेंगी। बैठक की अध्यक्षता कर रहीं जिलाधिकारी उदिता सिंह व एसपी रौशन कुमार ने संवेदनशीलता और सजगता के साथ सभी पक्षों से संवाद किया, उसने माहौल को आश्वस्ति से भर दिया। बैठक में बिक्रमगंज एसडीएम प्रभात कुमार एसडीपीओ कुमार संजय, भूमि सुधार उपसमाहर्ता संतोष कुमार, तमाम विभागीय अधिकारी, शांति समिति सदस्य, जनप्रतिनिधि, खलीफा और स्थानीय बुद्धिजीवी बड़ी संख्या में मौजूद थे। बैठक में डीएम उदिता सिंह ने स्पष्ट कहा कि पर्व सिर्फ उत्सव नहीं होता,यह हमारी सामाजिक परिपक्वता और एकता की परीक्षा भी होता है। हमें सिर्फ व्यवस्था नहीं संभालनी, बल्कि विश्वास को बनाए रखना है। उन्होंने सभी विभागों को समय पर तैयारी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। जनप्रतिनिधियों से आग्रह किया कि वे हर वार्ड और गांव तक शांति का संदेश पहुंचाएं। एसपी ने कहा कि जो भी सोशल मीडिया के माध्यम से अफवाह फैलाने या माहौल बिगाड़ने की कोशिश करेगा, उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी।

जीविका में 25 लाख के गबन मामले में सिर्फ बैंक मित्र खुशबू ही कैसे है दोषी

आयुक्त के आदेश के बाद भी नहीं हुई प्राथमिकी, आनाकानी से उठ रहे सवाल

- पैसा जमा करने की हर तारिख का डिटेल्स जीविका के ग्रुप व अधिकारियों के पास भेजा जाता था
- बैंक मित्र पर जीविका प्रबंधन ने नहीं की कार्रवाई, अधिकारियों की संलिप्तता से नहीं किया जा सकता है इन्कार

केटी न्यूज/बक्सर

डुमरांव प्रखंड के अटांव पंचायत में जीविका समूह की महिलाओं को लोन दिलाने व उनके लोन की किश्त जमा करने के नाम पर हुए 25 लाख रूपए के घोटाले मामले में जीविका प्रबंधन की कार्यशैली सवालों के घेरे में आ गई है।

बता दें कि पूर्व की जांच में जीविका के अधिकारियों ने गबन का सारा दोष बैंक मित्र खुशबू कुमारी पर मढ़ दिया है, जबकि जानकारों का कहना है कि अकेले बैंक मित्र जैसे अदना से कर्मी से इतना बड़ा घोटाला संभव नहीं है। बल्कि इसमें जीविका का कार्यभार देखने वाले तत्कालीन अधिकारियों की भूमिका से इंकार नहीं किया जा सकता है। वहीं, उनके पूर्व के जांच को आयुक्त ने नकार दिया है। जाहिर है, आयुक्त ने भी इस मामले में बैंक मित्र के साथ ही जीविका के तत्कालीन अधिकारियों को दोषी माना है।

जीविका के जांच कर्ताओं पर उठ रहा है संदेह: बता दें कि इस मामले में जीविका के जांच कताओं ने अपने विभाग को बचाते हुए सारा दोष बैंक मित्र पर लाद दिए है। यहां बता दें कि बैंक मित्र जो भी पैसा जमा निकासी करती है उसका रोज-रोज का सारा डिटेल्स जीविका के ग्रुप में या व्यक्तिगत बीपीएम एवं सीसी के पास भेजा जाता है। एक दिन में 25 लाख रुपया गबन तो हो ही नहीं सकता है, जबकि इस दौरान कभी भी जिम्मेवार अधिकारियों ने इस ओर ध्यान नहीं दिया। जानकारों का कहना है कि अधिकारियों के मिलीभगत से ही गरीब महिलाओं के पैसे को हड़पा गया है।

तत्कालीन समय के अधिकारियों की भूमिका मानी जा रही है संदिग्धः जीविका प्रबंधन परियोजना में समूह से जुड़ी महिलाओं को योजनाओं की जानकारी देने, उन्हें समय-समय पर प्रशिक्षण देने, बैंक से लोन दिलवा स्वरोजगार की ओर उन्मुख कराने तथा अन्य कार्यों के संधारण के लिए ही जीविका समूह द्वारा जिला स्तर से लेकर पंचायत स्तर तक अधिकारियों की बहाली की गई है।

जानकारों का कहना है कि जिस दौरान अटांव पंचायत में यह घोटाला हुआ था उस समय के सामुदायिक समन्वयक उपेंद्र कुमार, क्षेत्रीय समन्वयक सुनील कुमार और बीपीएम इंद्रराज आनंद थे। तीनों अधिकारी की देखरेख मॉनिटरिंग के लिए सरकार लाखों रुपया वेतन भत्ता अन्य सुविधा देती है। बिना आपसी मिली भगत के यह गबन संभव नहीं है।

खुशबू पर क्यों नहीं की गई कार्रवाई: इस मामले में कई सवाल उठ रहे है। पूर्व सीसी उपेंद्र कुमार आखिर अपने कार्यकाल में क्या देख रहे थे। पूर्व के तीन साल में क्या उनके द्वारा कोई शो-कॉज या वरीय पदाधिकारी के द्वारा कोई कार्रवाई खुशबू कुमारी पर क्यों नहीं की गई। वहीं, वर्तमान में जो अधिकारी कार्यरत है, वे भी बैंक मित्र खुशबू कुमारी पर कार्रवाई करने से क्यों बच रहे है। यह भी दिलचस्प है कि खुशबू कुमारी अटांव पंचायत के अलावे कई अन्य पंचायतों का काम देख रही थी, लेकिन अन्य पंचायतों में गड़बड़ी क्यों नहीं हुई।

प्रदीप कुमार ने क्यों नहीं देखी गड़बड़ी : वहीं, सबसे बड़ा सवाल यह है कि इस मामले को प्रमंडलीय आयुक्त के पास ले जाने वाले प्रदीप कुमार सिंह यहां से 100 किलोमीटर दूर राजधानी पटना में बैठ इस गड़बड़ी को उजागर करता है, लेकिन इसकी देखरेख के जिम्मेवार जीविका के अधिकारी गरीब महिलाओं के पैसे की मची लूट को क्यों नहीं देख पाए, वे किस कारण से चुप रहे।

तत्कालीन सीसी उपेंद्र कुमार व्हाट्सएप चैट तो करते हैं पर कोई कार्रवाई वाला पत्र खुशबू पर निर्गत नहीं किए। जबकि आयुक्त के समक्ष बैंक मित्र खुशबू लिखित में यह दे चुकी है कि उनके साथ इस खेल में जीविका के तत्कालीन सामुदायिक समन्वयक भी संलिप्त थे।

जांच होने पर फंसेंगे बड़े अधिकारी

बताया जा रहा है कि अटांव पंचायत में मात्र 25 लाख रुपये का ही घोटाला नहीं हुआ है। यदि प्रखंड क्षेत्र में जीविका समूह के माध्यम से महिलाओं को जो लोन दिलाया गया है तथा उसकी रिकवरी कराई गई है, इसकी गहराई से जांच कराई जाए तो करोड़ों रुपऐ के घोटाला उजागर हो सकता है। साथ ही, जीविका के बड़े अधिकारियों पर गाज गिर सकती है। यही कारण है कि जीविका के बड़े अधिकारी इस पर कार्रवाई करने से गुरेज कर रहे है। वहीं, आयुक्त के निर्देश के बावजूद इस मामले में एफआईआर दर्ज नहीं कराया जाना, कई सवाल खड़े कर रहा है।

एक नजर

संध्या चौपाल आयोजित कर प्रशासन ने लोगों मतदाता पुनरीक्षण की दी जानकारी

डुमरांव। विधानसभा चुनाव की तैयारी में प्रशासन जुट गया है। इसी कड़ी में निर्वाचन आयोग के निर्देश पर चलाए जा रहे मतदाता पुनरीक्षण की जानकारी देने के लिए नगर परिषद के विस्तारित क्षेत्र में शामिल पुराना भोजपुर स्थित वार्ड एक में संध्या चौपाल का आयोजन किया गया। यह चौपाल एसडीएम राकेश कुमार के नेतृत्व में लगाया गया था। जिसमें बीडीओ संदीप कुमार पांडेय भी मौजूद रहे। दोनों अधिकारियों ने बताया कि मतदाता पुनरीक्षण का काम चल रहा है। जिन मतदाताओं का नाम मतदाता सूची में वर्ष 2003 के बाद जुड़ा है, उन्हें अपने को सत्यापित करने के लिए एक फार्म के साथ कुछ दस्तावेज अपने बीएलओ को देना है। बीडीओ ने इस दौरान सभी मतदाताओं को बताया कि 2003 के बाद मतदाता सूची में जुड़े मतदाताओं को पासपोर्ट, नौकरी का प्रमाण पत्र, जमीन के कागजात सहित कुल 11 तरह के कागजात देने है। संध्या चौपाल के दौरान उपस्थित मतदाताओं से एसडीएम व बीडीओ ने मतदाता पुनरीक्षण के संबंध में फैलाई जा रही भ्रांतियों की परवाह नहीं करने तथा इस कार्य में बीएलओ का सहयोग करने की अपील की। इस दौरान स्थानीय वार्ड पार्षद धर्मेन्द्र कुमार, पार्षद अमित, विकास मित्र दीपक, बीएलओ ज्ञानेन्द्र कुमार सिंह, ओम प्रकाश के साथ ही दर्जनों मतदाता मौजूद रहे।

एसबीआई लाईफ की तरफ से डुमरांव के डॉक्टरों को किया गया सम्मानित

डुमरांव। एसबीआई लाईफ की तरफ से उत्कृष्ट सेवा देने वाले डाक्टरों को सम्मानित किया गया। एसबीआइ के अधिकारी राहुल कुमार जायसवाल व विवेक कुमार ने कहा कि डाक्टर धरती के भगवान होते हैं, इनकी जितनी तारीफ की जाए कम है। एसबीआई हमेशा इनके कार्यों देखते हुए उन्हें सम्मानित करने का काम करती आई है। पिछले दिनों शहर के पांच डाक्टरों को सम्मानित किया गया।

सम्मानित होने वाले डाक्टरों में महिला चिकित्सक डॉ. आरबी प्रसाद, डॉ. निलू कुमारी, डॉ. राजेश कुमार, डॉ. शैलेश श्रीवास्तव, डॉ. बिनोद कुमार को प्रशस्ती पत्र और अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर डॉक्टरों ने कहा कि हम सभी अपनी जिम्मेदारियां को भलिभॉति जानते हैं और उसे पूरा करने की कोशिश भी की जाती है। मौके पर एडवाईजर अनिल वर्मा, उत्तम कुमार केशरी, मनी सिंह, अनिल केशरी, नदीम अख्तर मौजूद रहे।

अज्ञात वाहन ने कार में मारी जोरदार टक्कर, कार चालक समेत पांच जख्मी

दिनारा। रोहतास जिला अंतर्गत नेशनल हाईवे 319 मुख्य मार्ग पर दिनारा थाना क्षेत्र के खलासपुर गांव समीप बुधवार की अहले सुबह करीब 4 बजकर 30 मिनट के आसपास अज्ञात वाहन ने कार में जोरदार टक्कर मार दी। सूत्रों के अनुसार घटना के दौरान कार में सवार चालक समेत 5 लोग जख्मी हो गए। घटना को अंजाम देकर चालक वाहन को लेकर फरार हो गया। घटना की सूचना पर स्थानीय पुलिस तत्काल घटना स्थल पहुंच जानकारी लेते हुए आसपास के लोगों के सहयोग से कार में सवार सभी जख्मियों का प्राथमिक इलाज के लिए पीएचसी दिनारा में भर्ती कराया। अस्पताल के चिकित्सकों ने सभी जख्मियों का प्राथमिक इलाज करते हुए बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर सदर अस्पताल सासाराम भेज दिया है। जहां पर सभी जख्मियों का इलाज फिलहाल जारी है। मिली जानकारी के अनुसार दिनारा थानाध्यक्ष विनय कुमार ने सभी जख्मियों को बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर सदर अस्पताल सासाराम भेजा है। दिनारा थानाध्यक्ष ने पुष्टि करते हुए बताया कि कार सवार 5 लोग विंध्याचल जा रहे थे, तभी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। घटना को अंजाम देकर चालक वाहन को लेकर फरार हो गया है। फिलहाल क्षतिग्रस्त कार को पुलिस की अभिरक्षा में रखा गया है। उन्होंने कहा कि उक्त मामले में अभी तक कोई लिखित आवेदन स्थानीय थाना को प्राप्त नही हुआ है। जैसे ही आवेदन स्थानीय थाना को प्राप्त होता है, मामले में त्वरित कार्रवाई की जाएगी।

शहर के तेंदुनी चौक पर चलती कार में अचानक लगी आग, मची अफरा-तफरी

केटी न्यूज/बिक्रमगंज

शहर के तेंदुनी चौक पर बुधवार की शाम एक चलती कार में अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। घटना करीब 4 बजकर 15 मिनट की है,जब एक एक्स-यूवी 700 कार में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लग गई । गनीमत रही कि कार में सवार दोनों युवक समय रहते बाहर निकल गए और बड़ी अनहोनी टल गई। घटना के संबंध में चालक नूर आलम पिता हसमद अली, निवासी थाना महराजगंज, जिला रायबरेली (यूपी) ने बताया कि वह अपने मित्र अजीत श्रीवास्तव, पिता ओम शंकर श्रीवास्तव, निवासी थाना कांट, जिला शाहजहांपुर (यूपी) के साथ आजमगढ़ से रोहतास घूमने आए थे।

बिक्रमगंज तेंदुनी चौक पर वे कार से गुजर रहे थे तभी अचानक इंजन से धुआं निकलने लगा। कुछ ही क्षणों में उनकी कार आग की चपेट में आ गई। उन्होंने कहा कि पुनः लौट कर बिक्रमगंज से

आजमगढ़ लखनऊ जा रहे थे।

घटना की सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की एक बड़ी और एक छोटी दमकल मौके पर पहुंची। दमकलकर्मियों की तत्परता से आग पर काबू पा लिया गया, लेकिन तब तक कार पूरी तरह जलकर खाक हो चुकी थी। अनुमंडलीय अग्निशमन पदाधिकारी प्रेमचंद राम ने बताया कि आग की सूचना मिलते ही टीम को मौके पर भेजा गया। दमकलकर्मियों ने मुस्तैदी से आग पर काबू पाया। कार में सवार दोनों युवक पूरी तरह सुरक्षित हैं। घटना की सूचना पर बिक्रमगंज थाना के पुलिस पदाधिकारी सरयू प्रसाद सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया।

अमरथा के घायल व लापता प्रवासी मजदूरों के परिजनों से मिले एसडीएम

काराकाट। तेलंगाना के संगारेड्डी जिला के सीगची केमिकल्स फैक्ट्री में ब्लास्ट की घटना में काराकाट थाना क्षेत्र अंतर्गत अमरथा गांव के एक घायल एवं तीन लापता प्रवासी मजदूरों के परिजनों से मंगलवार को देर संध्या एसडीएम बिक्रमगंज प्रभात कुमार ने मुलाकत की। उनके साथ बिक्रमगंज बीडीओ अमित प्रताप सिंह, काराकाट बीडीओ राहुल कुमार सिंह भी थे। एसडीएम ने परिजनों को ढाढस बंधाया तथा केंद्र और राज्य सरकार से मिलने वाली सहायता राशि दिलाने का भरोसा दिलाया। गौरतलब हो कि अमरथा निवासी डब्लू पासवान, दिलीप गोसाईं, दीपक पासवान और नागा पासवान तेलंगाना के सीगची केमिकल फैक्ट्री में काम करते थे। फैक्ट्री में हुए बिस्फोट के बाद से इनका कोई पता नहीं चल रहा है। लोग आशंका व्यक्त कर रहे है कि बिस्फोट के बाद हुई अगलगी की घटना में इन लोगों की मौत हो गई हो। जबकि उसी गांव के डब्लू पासवान घायल हुए है।

कृषि कनेक्शन के लिए वितरण कंपनी के पोर्टल या स्थानीय विद्युत कार्यालयों में दे सकते हैं आवेदन

केटी न्यूज/काराकाट

बिहार सरकार की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री कृषि विद्युत संबंध योजना किसानों के लिए वरदान साबित हो रही है। विद्युत कार्यपालक अभियंता ब्रवीम ने बताया की यह योजना न केवल किसानों को डीजल पंपों के महंगे और प्रदूषणकारी विकल्प से छुटकारा दिला रही है, बल्कि कृषि उत्पादन और उनकी आर्थिक समृद्धि को भी बढ़ावा दे रही है।

उन्होंने बताया कि पहले किसानों को सिंचाई के लिए डीजल आधारित पंपों पर निर्भर रहना पड़ता था। डीजल की बढ़ती कीमतें और पंपों के रखरखाव का खर्च किसानों के लिए एक बड़ी चुनौती थी। लेकिन मुख्यमंत्री कृषि विद्युत संबंध योजना और बिजली की उपलब्धता की फसल सिंचाई की लागत करीब 98 फीसदी तक कमी आयी है। किसानों को बिजली से चलने वाले मोटर पंप से सिंचाई करने की लागत घटकर मात्र दो रुपए प्रति घंटे रह गई है,

जिससे वे खुशहाल हो रहे हैं। किसानों को आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें सस्ती दरों पर बिजली उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार इस योजना के लाभुकों को प्रति यूनिट 6 रुपए 19 पैसे का अनुदान दे रही है। किसानों का कहना है कि बिजली से चलने वाले दो हॉर्स पावर के मोटर पंप के संचालन के प्रति घंटे मात्र 3-4 यूनिट बिजली की खपत होती है, जो काफी किफायती है।

इस योजना के लागू होने से पहले जीवाश्म ईंधन (पेट्रोल, डीजल व केरोसिन) आधारित मोटर पंप से फसलों की सिंचाई करने में प्रति घंटे करीब 100 रुपये तक की लागत आती थी लेकिन अब मुख्यमंत्री कृषि विद्युत संबंध योजना के तहत कनेक्शन लेने के बाद किसानों को सस्ती दरों पर बिजली उपलब्ध हो रही है। मुख्यमंत्री विद्युत सहायता योजना के तहत बिहार विद्युत विनियामक आयोग द्वारा पटवन कार्य की दर 6.74 प्रति यूनिट निर्धारित की गई है। राज्य सरकार द्वारा इस हेतु 6.19 प्रति यूनिट की दर से अनुदान दिया जा रहा है। कृषि कनेक्शन पर राज्य सरकार द्वारा मिलने वाले अनुदान के कारण किसानों को पटवन कार्य के लिए बिजली केवल 55 पैसे प्रति यूनिट पर उपलब्ध कराई जा रही है। किसानों को सिंचाई के लिए निःशुल्क कृषि विद्युत कनेक्शन प्रदान किए जा रहे हैं। कृषक कृषि कार्य हेतु नया विद्युत कनेक्शन लेने के लिए सुविधा ऐप, वितरण कम्पनी के पोर्टल तथा स्थानीय विद्युत कार्यालयों में आवेदन दे सकते हैं एवं आवेदन करते समय पहचान पत्र एवं आवासीय पहचान पत्र के लिए आधार कार्ड या वोटर आईडी कार्ड तथा जमीन से जुड़े कागज (खेसरा) समर्पित करें।

डुमरांव एसडीएम व बीडीओ ने बीएलओ एप पर प्रपत्र अपलोड करने का दिया प्रशिक्षण, बोले एसडीएम...

भरे गए प्रपत्रों को एप पर अपलोड करेंगे बीएलओ

- एसडीएम व बीडीओ ने बीएलओ को फार्म अपलोड करने की बारीकियों से कराया अवगत

केटी न्यूज/डुमरांव

मतदाता पुनरीक्षण कार्य में लगे बीएलओ को अब मतदाता पुनरीक्षण के दौरान भरे गए प्रपत्रो को बीएलओ एप पर अपलोड करना होगा। इसके लिए एप क्रियाशील हो गया है तथा गुरूवार से सभी बीएलओ को ऑफ लाइन फार्म भरने के बाद उसे ऑनालइन भी अपलोड करना होगा।

इसको लेकर बुधवार को डुमरांव

एसडीएम राकेश कुमार तथा बीडीओ संदीप कुमार पांडेय ने सभी बीएलओ को पर मतदाता पुनरीक्षण के दौरान भरे गए ऑफ लाइन फार्म को बीएलओ एप पर अपलोड करने का प्रशिक्षण दिए। इस दौरान बीएलओ को उनके मोबाइल फोन पर बीएलओ एप डाउनलोड कराने के साथ ही उन्हें एसडीएम व बीडीओ द्वारा उन्हें फार्म अपलोड कराने की बारीकियों से अवगत कराया गया।

बीडीओ ने बताया कि मतदाता पुनरीक्षण का काम पहले से चल रहा है, लेकिन अभी तक बीएलओ को सिर्फ ऑफ लाइन फार्म ही भरा जा रहा था, लेकिन अब बीएलओ एप पूरी तरह से काम करने लगा है। अब बीएलओ को ऑफलाइन भरे गए फार्मों को एप पर अपलोड करना है, उसी आधार पर मतदाता सूची का प्रकाशन होगा और उसके बाद दावा-आपत्ति की तिथि भी निर्धारित की जाएगी।

वहीं, एसडीएम ने सभी बीएलओ को मतदाता पुनरीक्षण के ऑफ लाइन व ऑन लाइन काम को पूरी निष्ठा से करने की नसीहत दी। एसडीएम ने कहा कि चुनाव कार्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि सभी बीएलओ निर्धारित समय के अंदर मतदाता सूची पुनरीक्षण का काम पूरा कर ले। उन्होंने कहा कि इस काम में लापरवाही बरतने वाले बीएलओ पर कार्रवाई की जाएगी।

वहीं, प्रशिक्षण के दौरान मौजूद बीएलओ ने अपनी-अपनी समस्याएं भी दोनों अधिकारियों के समक्ष रखी। जिसे अधिकारियों ने बड़ी ही सहजता से समाधान किया। कई बीएलओ ऐसे थे जिन्हें एप पर प्रविष्टि में परेशानी आ रही थी, जिन्हें बीडीओ संदीप ने एप पर भरे गए फार्म को अपलोड करने की बारीकियों से अवगत कराया। मौके पर ज्ञानेश्वर, आलोक, राजेश सिंह समेत दर्जनों बीएलओ मौजूद थे।

CAMBRIDGE SCHOOL DUMRAON
Affiliated to C.B.S.E., Delhi, Up to (10+2)- Aff. No. 330723, SCHOOL No. 65720
Harnahi Road, Dumraon, Buxar - 802119
8210918840, 7319972175, 6393686958 www.cambridgeschooldumraon.com facebook.com/CAMBRIDGEDUMRAON
A CO-EDUCATIONAL SCHOOL FROM NURSERY TO STD. XII
ADMISSION NOTICE FOR STD. XI (SCIENCE & COMMERCE STREAMS)
OUTSTANDING PERFORMANCE OF OUR STUDENTS IN AISSE (Std. X) & AISSCE (Std. XII) CBSE BOARD EXAMS 2025

SCHOOL TOPPER- STD. XII
SARTHAK RAJ MISHRA 92%
SUBJECT WISE HIGHEST MARKS IN STD. XII
Chemistry : 98, Biology : 91, English Core : 97, Physics : 91, Physical Education : 96, Business Studies : 86, Mathematics : 92, Economics : 83

TOPPERS- STD. X
1st KHUSHI KUMARI 95.2%; 2nd ANSH RAJ SINGH 94.8%; 2nd PRAGATI KUMARI 94.8%; 2nd SHREYA RAJ 94.8%; 3rd ANMOL RAJ VATS 94%; 3rd MOHIT KUMAR SINGH 94%
SUBJECTWISE HIGHEST MARKS
• Mathematics : 100 • Sanskrit : 100 • Social Science : 97
• Science : 100 • English : 95 • Hindi : 94

INFORMATION
The Information & Admission Cell at the JUNIOR WING, Dr. Jagnarayan Singh Hospital Campus, will remain open on all working days (Mon. - Sat.) from 9:00 am - 01:00 pm also during Summer Vacation.
LIMITED SEATS. HURRY UP!!!

REGISTRATION IS GOING ON FOR ADMISSION TO CLASS XI (SCIENCE & COMMERCE STREAMS) FOR THE ACADEMIC SESSION 2025-26. CLASSES WILL START FROM 23 JUNE, 2025.

SCHOLARSHIP SCHEME
• CANDIDATES WITH 90% & ABOVE WILL BE GIVEN HALF FREESHIP (50% REBATE IN ADMISSION FEE AND MONTHLY TUITION FEE) FOR BOTH CLASSES XI & XII. OTHER CHARGES ARE PAYABLE FOR BOTH CLASSES.
• INTEGRTION OF FOUNDATION CLASSES FOR NEET AND JEE MAINS IN CURRICULUM.

CHAIRMAN- MR. T.N. CHOUBEY

48 करोड़ की लागत से बनेगा विधानसभा में डिजिटल म्यूजियम

मिलेगी सुविधा

केटी न्यूज/पटना

बिहार विधानसभा परिसर में जल्द ही एक अत्याधुनिक डिजिटल म्यूजियम का निर्माण शुरू होने वाला है। यह म्यूजियम 1.74 एकड़ जमीन पर बनाया जाएगा और इसकी अनुमानित लागत 48.76 करोड़ रुपये से अधिक होगी। भवन निर्माण विभाग को इस परियोजना की जिम्मेदारी सौंपी गई है और ठेकेदार चयन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद निर्माण कार्य शीघ्र शुरू होगा।

यह म्यूजियम बिहार की समृद्ध राजनीतिक और विधायी विरासत को डिजिटल रूप में संरक्षित कर भावी पीढ़ियों तक पहुँचाने का एक अनूठा प्रयास होगा। म्यूजियम में बिहार विधानसभा के गठन से लेकर अब तक के सभी मुख्यमंत्रियों, विधानसभा अध्यक्षों और विधायकों की जानकारी डिजिटल रूप में प्रदर्शित की जाएगी। इसके अलावा पिछले 100 वर्षों के विधानमंडल के इतिहास और बिहार विधानसभा द्वारा लिए गए महत्वपूर्ण निर्णयों को भी आधुनिक तकनीक के माध्यम से जीवंत किया जाएगा।

भवन निर्माण सचिव कुमार रवि ने बताया है कि यह एक मंजिला भवन होगा, जिसमें पाँच आकर्षक गैलरियां होंगी। इनमें बिहार की विधायी यात्रा को दशार्ने वाले डिजिटल दस्तावेज और प्रदर्शन होंगे, जो आगंतुकों के लिए काफी प्रेरणादायक होंगे।इस म्यूजियम में 356 लोगों की क्षमता वाला एक आधुनिक ऑडिटोरियम और 50 लोगों की क्षमता वाला एक मीडिया गैलरी भी होगा।

इसके अतिरिक्त 50 लोगों के लिए एक कॉन्फ्रेंस हॉल भी बनाया जाएगा। यह परियोजना न केवल ऐतिहासिक दस्तावेजों का डिजिटल संग्रह होगी, बल्कि बिहार की राजनीतिक परंपरा को सहेजने और इसे शिक्षात्मक और प्रेरणादायक बनाने का केंद्र भी बनेगी। विधानसभा अध्यक्ष के मार्गदर्शन में इस परियोजना को तेजी से पूरा करने के लिए भवन निर्माण विभाग सक्रिय रूप से काम कर रहा है।

बिहार में 1 लाख युवाओं को मिलेगा 4 से 6 हजार रुपए मासिक इंटर्नशिप

केटी न्यूज/पटना

मुख्यमंत्री प्रतिज्ञा योजना के तहत 18-28 साल के 1 लाख युवाओं को 4 से 6 हजार रुपए मासिक इंटर्नशिप दिया जाएगा। राज्य के कौशल विकास कार्यक्रम में प्रशिक्षित या 12वीं, आईटीआई, डिप्लोमा, स्नातक या स्नातकोत्तर पास युवाओं को इंटर्नशिप राशि मिलेगी। योग्यता के अनुसार 3 से 12 महीने तक दी जाएगी। बिहार सरकार ने एक लाख से अधिक युवाओं को आर्थिक सहायता के साथ व्यावसायिक प्रशिक्षण देने के लिए मुख्मंत्री प्रतिज्ञा योजना को कैबिनेट की बैठक में मंजूरी दी है। युवाओं के लिए शुरू की गई इस योजना को लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने खुशी जतायी है।

कैबिनेट की बैठक में मुख्यमंत्री प्रतिज्ञा योजना को हरी झंडी दी गयी। जिसे लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि 7 निश्चय-2 के तहत बिहार के युवाओं को उन्नत कौशल, बेहतर रोजगार क्षमता, नेतृत्व विकास, सशक्त नेटवर्किंग और कैरियर संवर्द्धन के नए अवसर प्रदान करने हेतु मुख्यमंत्री-प्रतिज्ञा योजना के क्रियान्वयन की कैबिनेट द्वारा मंजूरी देते हुए राशि स्वीकृत कर दी गई है। सीएम नीतीश ने आगे कहा कि यह योजना युवाओं को अपना भविष्य संवारने के लिए उपयोगी साबित होगी। इस योजना में कौशल विकास प्रशिक्षण हेतु 12वीं पास प्रशिक्षित युवाओं को 4000,आईटीआई या डिप्लोमा पास युवाओं को 5000 एवं स्नातक या स्नातकोत्तर पास इंटर्नशिप करने वाले युवाओं को मासिक 6000 रुपये की राशि प्रदान की जाएगी।

विस चुनाव से पहले भाजपा कार्यसमिति की बैठक में रक्षा मंत्री ने दिए टिप्स

कार्यकर्ता प्यार व सेवा की राजनीति से जनता का विश्वास जीते : रक्षा मंत्री

- हमारे कार्यकताओं को मोदी मिशन का वाहक बना होगा।
- हमारी सरकार की उपलब्धियां और पीएम मोदी की लोकप्रियता अभूतपूर्व है

केटी न्यूज/पटना

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा कार्यकताओं में जोश और उत्साह भरने की कोशिश शुरू हो गई है। प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बिहार के कार्यकताओं का उत्साह बढ़ाया। पार्टी के वरिष्ठ नेता ने कहा कि हमारा कार्यकर्ता ऐसा है, अगर उनसे प्यार और मोहब्बत से बात कर लो तो अपनी पार्टी और देश के लिए कलेजा निकाल कर रख देता है।

दहशत पैदा करके कार्यकर्ता से काम नहीं करा सकते हैं, प्यार और मोहब्बत देकर जो चाहिए सो कर लें। यह कहकर उन्होंने भाजपा के नेताओं को साफ मैसेज दे दिया। राजनाथ सिंह ने पार्टी कार्यकताओं से पांच बातों को करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भाजपा का कार्यकर्ता हर दिन राष्ट्र निर्माण की साधना में लगा रहता है। यही साधना बिहार में परिवर्तन की शक्ति बनकर उभर चुका है। यह एक संगठन की बैठक मात्रा नहीं है, बल्कि एक संकल्प सभा है। इस संकल्प की सिद्धी के लिए भाजपा के कार्यकताओं को 40 सालों से देख रहा हूं। हमारा कार्यकर्ता ऐसा है अगर उनसे प्यार और मोहब्बत से बात कर लो तो अपनी पार्टी और देश के लिए अपना कलेजा निकाल कर रख देता है। दहशत पैदा करके कार्यकर्ता से काम नहीं कर सकते हैं. प्यार और मोहब्बत देकर जो चाहिए सो कर लें । प्रधानमंत्री मोदी ने अपने 11 वर्षों के कार्यकाल में सिद्ध किया है कि भारत बदल सकता है, भारत आगे बढ़ सकता है। बशर्ते नेतृत्व सशक्त हो, नियत साफ हो और नीति स्पष्ट हो,साथ ही राष्ट्र हित सर्वोपरि हो। उन्होंने कहा कि अगर बिहार का खोया हुआ गौरव लौट सकती है तो केवल और केवल भाजपा और एनडीए ही लौट सकती है। रक्षा मंत्री ने कार्यकताओं से आह्वान करते हुए कहा कि आप सभी पांच काम करें। जनता से निरंतर संवाद करें। भाषण में विश्वास का संवाद हो, खोखले आश्वासन नहीं दे। वही बात बोलें जिसे जनता विश्वास करे। हर बूथ पर जाकर भाजपा की बात करें, सिर्फ भाषण ना दें, सरकार की योजनाओं के बारे में लोगों से पूछें। बिहार का आत्मविश्वास फिर से जगे, अतीत के गौरव को भविष्य की प्रेरणा बनाएं। लोगों को याद दिलाइए की यह वही धरती है जिसने भारत का सबसे बड़ा गणराज्य हदिया. जहां भगवान बुद्ध और महावीर ने ज्ञान दिया। लोगों को यह भी समझाएं कि भाजपा केवल सरकार नहीं चलाती है, बल्कि राष्ट्र निर्माण करती है। हम लोग राजनीति सरकार बनाने के लिए नहीं करते हैं, बल्कि समाज बनाने के लिए करते हैं।कांग्रेस और राजद जैसी राजनीतिक पार्टियों सिर्फ कुर्सी पाने की लालसा से प्रेरित हैं। अब हमें इन उपलब्धियां की कहानी हर-हर तक पहुंचाएं। हर कार्यकर्ता को इस सरकार के 11 साल के कार्यों को घर-घर तक ले जाना होगा । विपक्ष के द्वारा अनर्गल प्रचार किए जाएंगे, अफवाहें फैलाई जाएंगी। विपक्ष की झूठी बातें और भ्रम फैलाने को आप तथ्यों के साथ जवाब दीजिए। आप आत्मविश्वास के साथ जवाब दीजिए।

जनसुराज जॉइन करेंगे मनीष कश्यप

पटना। चर्चित यूट्यूबर मनीष कश्यप 7 जुलाई को जनसुराज जॉइन करेंगे। इसकी जानकारी मनीष ने दी है। मनीष ने पीके के साथ तस्वीरें शेयर करते हुए फेसबुक लिखा कि प्रशांत किशोर के साथ चलकर नए बिहार के निर्माण में सहभागी बनने का मैंने निर्णय लिया है। 7 जुलाई को मैं जनसुराज से जुड़ रहा हूं।' बिहार में संविधान की रक्षा और उसके मूल्यों की स्थापना तभी संभव है, जब बिहारी न केवल बिहार में, बल्कि देश-विदेश में भी सुरक्षित और सम्मानित होंगे। इधर, विधानसभा चुनाव से पहले बयानबाजी शुरू हो गई है।

ऑर्थोपेडिक्स क्लिनिक
एम.बी.बी.एस. डी आर्थो (पी.एम.सी.एच)
एफ.आई.एम.एस (यू.के.)
भूतपूर्व आर्थोपेडिक्स सर्जन, गुजरात सरकार
हड्डी जोड एवं नस रोग विशेषज्ञ
डा. वीरेन्द्र कुमार
आवासीय क्लिनिक : बीडीओ ब्लॉक रोड (पार्वती चन्द्रा होटल के गली में) आरा

Registration No: 23214402022121893947
Con..9122728080, 7903428962
New WOODSTOCK SCHOOL
DUMRAON
EXCELLENT EDUCATION SERVICE
Create The Best Future for Your Children...
PLAY GROUP · PRE-SCHOOL · AFTER-SCHOOL
Class Play to 8th
विशेष सुविधाः- तीन बच्चों पर एक बच्चे का मुफ्त ट्यूशन फी
LEARNING BENIFITS:-
- Creative Education Plan.
- Special Sports Class.
- Loving And Caring Atmosphere.
- Wide And Varied Curriculum.
- Fully Ac Class Room.
- Surprise activities.
- Quality Teachers.
- Big Class Rooms.
- Quality Education at affordable fee Structure.
- Gymnastic, Tennis, yoga

ADMISSION is GOING ON
Best Offer:- Free Admission

DIRECTOR:- राजीव कुमार (बब्लु पाठक)
पता- चाणक्यापुरी कॉलोनी, डुमराँव

बिहार में खेलों की असीम संभावनाएं : खेल मंत्री

- खेल संसाधनों की उपलब्धता बेहतर होगी, खिलाड़ियों को मिलेगी सुविधा

केटी न्यूज/पटना

बिहार सरकार के खेल मंत्री सुरेन्द्र मेहता ने कहा कि बिहार की मिट्टी में अपार खेल प्रतिभा है, जिसे सिर्फ सही दिशा और संसाधनों की जरूरत है। वे राजधानी पटना में देश की अग्रणी स्वदेशी खेल परिधान निमार्ता कंपनी शिव नरेश स्पोर्ट्स प्रा. लि. के रीजनल वेयरहाउस के उद्घाटन अवसर पर संबोधित कर रहे थे। यह दिल्ली के बाहर कंपनी का पहला वेयरहाउस है, जो पूर्वी भारत के खिलाड़ियों और डीलरों के लिए एक नई सुविधा लेकर आया है। मंत्री मेहता ने कहा कि बिहार के युवाओं ने खेल के हर क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाई है।

आज हमारे खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शन कर रहे हैं। ऐसे में राज्य सरकार की यह प्राथमिकता है कि उन्हें विश्वस्तरीय संसाधन, प्रशिक्षण और अवसर मिले।

उन्होंने शिव नरेश वेयरहाउस की स्थापना को बिहार के खेल उद्यमियों और खिलाड़ियों के लिए उत्कृष्ट अवसर बताया और कहा कि इससे न सिर्फ खेलों को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि राज्य में खेल से जुड़ी आर्थिक गतिविधियों को भी बल मिलेगा। मंत्री ने भरोसा जताया कि इससे स्थानीय खेल संसाधनों की उपलब्धता बेहतर होगी और ग्रामीण क्षेत्रों तक खेल संस्कृति को प्रोत्साहन मिलेगा। कार्यक्रम में कंपनी के प्रबंध निदेशक शिव प्रकाश सिंह ने भी कहा कि पटना में वेयरहाउस खोलना हमारी राष्ट्रीय प्रतिबद्धता का हिस्सा है। उन्होंने बताया कि यह केंद्र पूर्वी भारत में स्टॉक की तेज डिलीवरी, स्थानीय कोचिंग संस्थानों को बेहतर सप्लाई और खिलाड़ियों को समय पर किट उपलब्ध कराने में सहायक होगाउद्घाटन कार्यक्रम में बिहार, झारखंड, बंगाल और पूर्वी उत्तर प्रदेश से आए डीलरों को सम्मानित किया गया। मंत्री मेहता ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि राज्य सरकार ऐसे प्रयासों को हरसंभव सहयोग देगी, ताकि बिहार खेल के क्षेत्र में देश का अगुवा बन सके।

चुनाव आयोग बन गया है बीजेपी आयोग : तेजस्वी

पटना। बीजेपी हार रहा है, इसलिए चुनाव आयोग पीछे से मदद कर रहा हैवोटर लिस्ट को लेकर तेजस्वी यादव लगातार सरकार और चुनाव आयोग को घेर रहे हैं। बुधवार को उन्होंने कहा कि हम लगातार चुनाव आयोग से समय मांग रहे हैं कि हमारा प्रतिनिधिमंडल आपसे मिलना चाहता है। दुख की बात है कि जिस राज्य में चुनाव होने वाले हैं, वहां विपक्ष अगर चुनाव आयोग से मिलना चाहता है तो चुनाव आयोग मिलने का समय नहीं दे रहा है। ये लोग लोकतंत्र को खत्म करने पर तुले हुए हैं, चुनाव आयोग संविधान की धज्जियां उड़ाने पर तुला हुआ है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू यादव ने खुद चुनाव आयोग को पत्र लिखा है लेकिन कोई जवाब नहीं आया। ऐसा लगता है कि चुनाव आयोग भाजपा का आयोग बन गया है। भाजपा, नीतीश कुमार चुप हैं, ये लोग हार रहे हैं, इसलिए चुनाव आयोग पीछे से उनकी मदद कर रहा है।

तीन प्रमुख योजनाएं अल्पसंख्यकों के भविष्य निर्माण में निर्णायक भूमिका निभा रही हैं...

स्कूल से लेकर हॉस्टल तक... सीएम नीतीश कुमार ने अल्पसंख्यक बच्चों के लिए कर दिया है सबकुछ आसान

केटी न्यूज/पटना

सीएम नीतीश कुमार ने अल्पसंख्यक समुदाय के शैक्षणिक और सामाजिक उत्थान को प्राथमिकता दी है। ताकि अल्पसंख्यक समाज के लोग मुख्य धारा से जुड़ सकें। इसके लिए सरकार की ओर कई ऐतिहासिक कदम उठाए और योजनाओं की शुरुआत की गई। सरकार इस सोच पर चल रही है कि जब तक समाज के हर तबके को समान अवसर उपलब्ध कराया जाए। तभी विकास संभव है। इसी सोच को धरातल पर उतारने के लिए सीएम नीतीश ने कई योजनाएं चलाई गईं। बीते 20 साल के कार्यकाल के दौरान ये योजनाएं अल्पसंख्यक समाज के युवाओं को मुख्यधारा से जोड़ने में मील का पत्थर साबित हो रही हैं। नीतीश कुमार के नेतृत्व में तीन प्रमुख योजनाएं अल्पसंख्यकों के भविष्य निर्माण में निर्णायक भूमिका निभा रही हैं।

सीएम अल्पसंख्यक छात्रावास अनुदान योजना : नीतीश कुमार की ओर से शुरू की गई इस योजना का उद्देश्य छात्रावास में रह रहे अल्पसंख्यक छात्रों को आर्थिक रूप से संबल प्रदान करना है। उन्हें 1,000 प्रति माह की मासिक सहायता दी जाती है, जिससे उनकी दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति हो सके और वे बिना किसी आर्थिक चिंता के पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित कर सकें। अब तक इस योजना पर 8.86 करोड़ रुपए की राशि वितरित की जा चुकी है।

मुख्यमंत्री विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना : इस योजना की शुरूआत 2007-08 से की गई। योजना के तहत मैट्रिक और इंटरमीडिएट की परीक्षा में प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण विद्यार्थियों को आर्थिक प्रोत्साहन दिया जा रहा है। ताकि वे आगे की पढ़ाई के लिए प्रेरित हों। योजना के तहत 10वीं पास छात्र/छात्रा को ?10,000 की राशि दी जाती है। वहीं, 12वीं में प्रथम श्रेणी से पास करने वाली छात्राओं को 15,000 की प्रोत्साहन राशि दी जाती है। अब तक इस योजना से 10,80,354 छात्र-छात्राएं लाभान्वित हो चुकी हैं। जिस पर सरकार की ओर से कुल 1,189.14 करोड़ की राशि खर्च की गई है।

मुख्यमंत्री श्रमशक्ति योजना: इन योजनाओं की शुरूआत 2013-14 से की गई। योजना के माध्यम से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने यह सुनिश्चित किया है कि अल्पसंख्यक समुदाय के छात्र सिर्फ स्कूलों से जुड़ें ही नहीं, बल्कि उच्च शिक्षा की ओर भी बढ़ें। ये योजनाएं सिर्फ आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि एक विश्वास हैं, कि हर बच्चा पढ़ सकता है और बिहार के विकास में भागीदार बन सकता है। नीतीश कुमार की यह दूरदृष्टि आज रंग ला रही है। जब हजारों अल्पसंख्यक छात्र-छात्राएं बेहतर शिक्षा लेकर अपने जीवन में आगे बढ़ रहे हैं और समाज को नई दिशा दे रहे हैं। जिससे सबका विकास होगा।

SCHOOL CODE: 65885 · ESTD: 2011 · SCHOOL No. 330890
GYAN JYOTI PUBLIC SCHOOL
A Leading Institution with Difference In SAHABAD Since 2011
(Affiliated to CBSE New Delhi - 10 + 2)
STREAMS: SCIENCE (Maths/Biology), Commerce and Humanities/Art
REGISTRATION/ADMISSION OPEN FROM 2nd FEBRUARY 2025
NURSERY to Class 9th & 11th
ज्ञान ज्योति पब्लिक स्कूल
विगत 14 वर्षो से शाहाबाद क्षेत्र में शिक्षा की अलख जगाते हुए।
(सी.बी.एस.ई. नई दिल्ली द्वारा 12वीं तक मान्यता प्राप्त) स्ट्रीमसः विज्ञान (गणित/जीव विज्ञान), कामर्स एवं ह्यूमेनिटीज/कला

कक्षा नर्सरी से 9 वीं तथा 11 वीं तक
दिनांकः- 2 फरवरी 2025 से नामांकन प्रारंभ
SAILENT FEATURES:
- Digital Classrooms (Smart Classes) with advance Technology For All Classes
- Audio-Visual Classrooms for Kindergarten.
- Well Equipped Labs (Physics, Chemistry, biology and Computer)
- Well Equipped Library with Thousands of Books.
- Unmatched Security & Safety with CCTV Survellance.
- Trained Teachers from West Bengal (Darjeeling) and Jharkhand.
- Large Field with Variety of Game Equipments and Experienced Game Teacher.
- Regular Yoga & Scout Classes by Certified Trainer.

मुख्य विशेषताएंः
- सभी कक्षाओं के लिए उन्नत प्रौद्योगिकी के साथ डिजिटल क्लासरूम (स्मार्ट क्लास)।
- किंडरगार्टन के लिए ऑडियो- विजुअल कक्षाएँ।
- अच्छी तरह से सुसज्जित प्रयोगशालाएँ (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान और कम्प्यूटर)
- हजारों पुस्तकों से सुसज्जित पुस्तकालय।
- सीसीटीवी निगरानी के साथ बेजोड़ सुरक्षा और संरक्षण।
- पश्चिम बंगाल (दार्जिलिंग) और झारखंड से प्रशिक्षित शिक्षक एवं शिक्षिकायें।
- अनुभवी खेल शिक्षक के साथ विभिन्न प्रकार के खेल उपकरणों से सुसज्जित बड़ा मैदान।
- प्रमाणित प्रशिक्षक द्वारा नियमित योग और स्काउट कक्षाएँ।

2025 ADMISSION OPEN
Rupsagar, Main Road Nawanagar, Buxar (Bihar) - 802129
Contact No.- 7654245005, 9905686087, 6200727438
Email ID: gyanjyoti.nawanagar@gmail.com | website: www.gyanjyotipublicschool.in

03-07-2025 Final_03-07-2025 Final.qxd 7/2/2025 11:35 PM Page 5

संक्षिप्त समाचार

केलियासोल में डायरिया से युवक की मौत, तीन अस्पताल में

धनबाद, एजेंसी। केलियासोल प्रखंड की सालूकचपड़ा पंचायत के जोल्हाडीह काशी टोला में डायरिया पीड़ित मंटू किस्कू (35) की इलाज के दौरान एसएनएमएमसीएच में मंगलवार को मौत हो गयी। वहीं सोनाराम टुडू (60), दर्शनी किस्कू (35) तथा परमेश्वर किस्कू (55) का इलाज एसएनएमएमसीएच में चल रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि काशी टोला में पिछले दो दिनों से डायरिया फैला है। टोला की आबादी करीब तीन सौ है। ग्रामीणों के पानी का एक मात्र स्रोत सरकारी कुआं है, जिसकी वर्षों से सफाई नहीं होने से पानी बारिश में दूषित हो गया है। उसी कुएं का पानी पीते हैं। दूषित पानी पीने के कारण गांव में डायरिया फैला है। इधर, सूचना मिलने पर मंगलवार को केलियासोल बीडीओ जयप्रकाश नारायण, निरसा सीएचसी के चिकित्सा प्रभारी डॉ संजय कुमार काशी टोला पहुंचे और गांव में मेडिकल कैंप लगाया। गांव में एक चिकित्सक, नर्स, सहिया, सेविका को तैनात किया गया, जो घर-घर जाकर स्थिति का जायजा ले रहे हैं। मंगलवार को मेडिकल कैंप में दर्जनों ग्रामीणों की जांच की गयी। संभावित डायरिया संक्रमितों को दवा, ओआरएस का वितरण किया गया है। अधिकारियों ने दूषित कुएं का पानी पीने पर रोक लगा दी है। बीडीओ व चिकित्सा प्रभारी ने बताया कि बरसात में कुएं का पानी मटमैला हो गया है। पानी की लैब टेस्टिंग करायी जायेगी। ग्रामीणों को पानी उबाल कर पीने की सलाह दी है।

गिरिडीह-देवघर मार्ग पर भीषण सड़क हादसा, पिता-पुत्र की मौके पर ही मौत; दो महिलाएं घायल

गिरिडीह, एजेंसी। गिरिडीह-देवघर मुख्य मार्ग पर बेंगाबाद थाना क्षेत्र के मधवा टोल टैक्स परसुरामडीह के समीप बीती देर रात भीषण सड़क हादसा हुआ। वहां तेज रफ्तार ट्रक ने स्विफ्ट डिजायर कार को टक्कर मार दी, जिसके बाद स्विफ्ट डिजायर कार में सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गईं।घायल महिलाओं को इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया है, वहीं तीनों मृतकों के शव को भी पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल लाया गया है। मृतकों में लीलो तुरी, छोटू तुरी और राजन तुरी शामिल हैं। छोटू तुरी और राजन तुरी पिता-पुत्र हैं।इस घटना के बाद सदर अस्पताल में लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। घटना के बारे में बताया गया कि वे लोग अखाड़ी पूजा का प्रसाद खाने के लिए नावडीह ओपी क्षेत्र के जंगरीडीह से स्विफ्ट डिजायर कार से बेंगाबाद थाना क्षेत्र के महुआर स्थित लीलो तुरी की भतीजी के घर गए थे।रात में प्रसाद खाने के बाद वे सभी स्विफ्ट डिजायर कार से लौट रहे थे, तभी मधवा टोल टैक्स से आगे तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी स्विफ्ट कार को टक्कर मार दी, जिसके बाद गाड़ी चकनाचूर हो गई और तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो महिलाएं सोनी देवी और संगीता देवी गंभीर रूप से घायल हो गईं। संगीता देवी के पति लीलो तुरी की मौत हो गई है।

180 दिन बाद भी चार्जशीट नहीं, कुख्यात हथियार तस्कर चंदन साव को जमानत

रांची, एजेंसी। आपराधिक घटनाओं को अंजाम देने के लिए अवैध हथियार मुहैया करने से जुड़े एक मामले में जेल में बंद अमन साहू गिरोह के सक्रिय सदस्य चंदन साव के खिलाफ एटीएस समय सीमा के अंदर चार्जशीट दाखिल नहीं कर सकी। मामले के जांच अधिकारी आरोपी को रिमांड लेने के 180 दिनों बाद भी जांच पूरी करते हुए चार्जशीट दाखिल करने में विफल रहे। जिसका लाभ चंदन साव को मिल गया है। उसकी ओर से अधिवक्ता जितेंद्र कुमार ने सीआरपीसी की धारा 167(2) का हवाला देते हुए डिफॉल्ट जमानत याचिका दाखिल की। विशेष न्यायाधीश एसएन तिवारी की अदालत में सुनवाई हुई। सुनवाई पश्चात रिमांड अवधि 180 दिन बाद भी चार्जशीट दाखिल नहीं किए जाने पर आरोपी चंदन की जमानत याचिका स्वीकार कर लिया। यह प्राथमिकी एटीएस के एसआई संजय दास ने गुप्त सूचना के आधार पर 29 अप्रैल 2024 को एटीएस कांड संख्या 1/2024 के तहत दर्ज कराई है। इसी मामले में आरोपी मनिंद्र कुमार उर्फ मिलावट के खिलाफ पूर्व में चार्जशीट दाखिल कर दी गई थी। चंदन साव पर आरोप है कि होटवार जेल में बंद होने के बावजूद टेलीफोन और जंगी ऐप के माध्यम से उसके दिशा-निर्देश पर आपराधिक घटनाओं के लिए हथियार मुहैया कराया जाता रहा ।

ईसाई बनो तब बनाने देंगे घर, मतांतरण का दवाब बना बिरहोर

परिवार का आवास निर्माण रोका, बीडीओ ने दिया जांच का आदेश

पहले ईसाई बनो तब यहां घर बनाकर रहने देंगे। नहीं तो यहां जमीन नहीं मिलेगी

सरवन बिरोहर मांडू प्रखंड मुख्यालय पहुंच कर बीडीओ को आवेदन दे न्याय की गुहार लगाई है

रामगढ़, एजेंसी। मांडू प्रखंड की करमा दक्षिणी पंचायत के सुगिया निवासी आदिम जनजाति सरवन बिरहोर को उनके पड़ोसी बिरहोर समाज के लोगों ने सरकार से मिले जन मन आवास योजना के तहत आवास निर्माण करने से रोक दिया है। उसे हिंदू से ईसाई में मतातंरण करने का दवाब बनाया जा रहा है। मतांतरण करने के बाद ही उसे आवास बनाने की शर्त रखी गई है।

मंगलवार को सरवन बिरोहर मांडू प्रखंड मुख्यालय पहुंच कर बीडीओ को आवेदन दे न्याय की गुहार लगाई है। मामले को गंभीरता से लेते हुए बीडीओ ने जांच कर कार्रवाई करने की बात कही है।

सरवन बिरोहर ने बीडीओ को बताया कि वर्ष 2016 में वन अधिकार अधिनियम के तहत करमा के ग्राम सुगिया के खाता नंबर एक, प्लाट नंबर 319 में उन्हें पांच डिसमिल जमीन का पट्टा मिला है।

कुछ माह पूर्व प्रखंड से जन मन आवास योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 24-25 में उनकी पत्नी कजरी बिरहोर के नाम आवास आवंटित हुआ। आवास निर्माण के लिए 30 हजार रुपये अग्रिम राशि भी मिले हैं। आवास निर्माण कार्य जब भी शुरू करते हैं, तो गांव के ही फागू बिरहोर, सुकर बिरहोर, राजेंद्र बिरहोर, राजकुमार बिरहोर आदि काम को रोक देते हैं।

उस पर मतांतरण का दबाव बनाया जा रहा है। वे कह रहे हैं कि पहले ईसाई बनो तब यहां घर बनाकर रहने देंगे। नहीं तो यहां जमीन नहीं मिलेगी। यहां से भागना होगा। यह कह कर आवास निर्माण नहीं करने दे रहें हैं। उन्होंने कहा कि बिरहोर समाज इन लोगों ने सात-आठ माह पहले की मतांतरण कर लिया है। अब उनके परिवार पर मतांतरण करने का दवाब बनाया जा रहा है।

सरवन बिरहोर ने कहा कि मैं बीते एक माह से प्रखंड कार्यालय का चक्कर लगा रहा हूं। आवास निर्माण के लिए गांव में बैठक हुई। लेकिन गांव के लोग घर बनाने नहीं दे रहे हैं। वे लोग गांव में अधिक प्रभावशाली हैं। सरवन बिरहोर ने कहा विरहोर समुदाय के उत्थान के लिए प्रयागराज, हरियाणा, कुरुक्षेत्र, अयोध्या समेत कई जनजातीय सांस्कृतिक समागम में भाग लिया हूं। किसी भी हालत में मतांतरण नहीं करुंगा।

एसएनएमएमसी में 12 बजे काउंटर और दवाखाना बंद, मरीजों ने किया हंगामा

धनबाद, एजेंसी। शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के ओपीडी में सोमवार को ओपीडी में जमकर हंगामा हुआ। प्रथम पाली के तहत दोपहर 12ः00 बजे रजिस्ट्रेशन काउंटर और दवा खाना बंद हो गया। सोमवार होने के कारण ओपीडी में मरीजों की काफी भीड़ थी, लगभग डेढ़ सौ से ज्यादा लोग रजिस्ट्रेशन नहीं कर पाए। ऐसे लोगों ने ओपीडी के समय को लेकर नाराजगी जताई और इसका समय दोपहर एक तक करने की मांग की।

अस्पताल में सुबह 8 से 12 और शाम 3 से 6 बजे तक ओपीडी का समय निर्धारित किया गया है। ऐसे में 12 बजते ही रजिस्ट्रेशन काउंटर बंद हो जा रहा है। सोमवार को 150 से ज्यादा लोग घर के लिए लौट गए।

ओपीडी में हर दिन 1300 से लेकर 1400 मरीज आ रहे हैं। सोमवार और मंगलवार को काफी भीड़ होती है। फिलहाल यहां आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के तहत ऑनलाइन पर्ची काटी जा रही है। लेकिन पर्ची काटने में कई मरीज सक्षम नहीं है। इसके लिए अस्पताल प्रबंधन की ओर से कर्मचारी नियुक्त किए गए हैं। लेकिन इसमें काफी समय लग जा रहा है। इस वजह से लोगों को परेशानी हो रही है। ओपीडी में हर दिन 1300 से लेकर 1400 मरीज आ रहे हैं।

इलाज के दौरान महिला की मौत, परिजनों में ससुराल वालों पर लगाया हत्या का आरोप

देवघर, एजेंसी। जिले के जसीडीह थाना क्षेत्र के धोबिया टोला गांव निवासी एक महिला की मौत हो गई। मृतका 25 वर्षीय सीता देवी के मायके वालों का आरोप है कि उसकी बेटी की हत्या कर दी गई है। घटना की जानकारी पुलिस को दे दी गई है।

सीता देवी को गंभीर हालत में इलाज के लिए देवघर सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

जिले के रिखिया थाना क्षेत्र के लकड़ीगंज गांव निवासी उनके पिता का कहना है कि उसकी बेटी की शादी करीब पांच वर्ष पूर्व विक्रम चौधरी से हुई थी।

इस शादी से उसे दो छोटे-छोटे बच्चे एक बेटी और एक बेटा भी है। शादी के बाद उसके ससुराल वाले मारपीट करते थे। उसके पति को शराब पीने की बुरी आदत थी। नशा करने के बाद वह अक्सर गाली-गलौज व मारपीट किया करता था।

इसको लेकर पहले गांव में और फिर जसीडीह थाना में पंचायत कर दोनों पक्ष के बीच सुलह कराया गया था। इसी वर्ष 20 जनवरी को जसीडीह थाना में सुलह में कहा कि सीता के साथ मारपीट नहीं करेगा। वह शराब नहीं पिएगा।

उसके बाद दोनों को घर भेज दिया गया था। मृतका के पिता का आरोप है कि कुछ दिनों तक सब ठीक रहा। लेकिन बाद में फिर से उसकी बेटी को प्रताड़ित किया जाने लगा। आरोप है कि मारपीट करने के बाद जहर देकर उसकी हत्या कर दी गई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

पुलिस को मामले में किसी नतीजे पर पहुंचने से पहले पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आने का इंतजार है। पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है।

भाजपा को क्यों सता रही आदिवासियों की चिंता ? कांग्रेस ने सब कुछ कर दिया साफ

रांची, एजेंसी। झारखंड प्रदेश कांग्रेस ने आदिवासियों की चिंता करने वाली भाजपा पर निशाना साधा है। प्रदेश कांग्रेस के मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने आरोप लगाया है कि जिस पार्टी ने अपने शासनकाल में सीएनटी व एसपीटी एक्ट को बदलने की कोशिश की, उसे अब आदिवासियों की चिंता हो रही है।

इस समुदाय द्वारा नकारे जाने के बाद यह निर्णय लिया गया है। प्रदेश कांग्रेस के महासचिव सह मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने कहा कि सरकार भूमि अधिग्रहण कर आदिवासियों की जमीन अपने मित्रों को दे रही है और इसका आरोप कांग्रेस पर लगा रही है।

मणिपुर में आदिवासी समुदायों के बीच लड़ाई अभी भी जारी है, लेकिन देश के प्रधानमंत्री विदेश दौरे पर हैं। सिन्हा ने कहा कि भाजपा का चाल और चरित्र उजागर हो गया है कि किस तरह हुल दिवस पर एक साजिश के तहत संथाल परगना को जलाने की कोशिश की गयी। भाजपा की इस साजिश को आम लोगों ने नाकाम कर दिया है।

सिन्हा ने कहा कि जिस भाजपा के शब्दकोष में झारखंड नहीं है, वही भाजपा झारखंड आंदोलन की बात करती है। कांग्रेस के प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने लाल किले से पहली बार झारखंड शब्द का प्रयोग किया था और उसके तुरंत बाद झारखंड पर एक कमेटी बनायी गयी थी, जिसके बाद झारखंड का भौगोलिक सीमांकन हुआ था। सोनिया गांधी के प्रयास से झारखंड अलग राज्य बना।सिन्हा ने कहा कि झूठ बोलना और साजिशें रचना भाजपा का स्वभाव रहा है, क्योंकि भाजपा के प्रवक्ता सच्चाई से कोसों दूर रहते हैं।

रांची के बुढ़मू में जमीन की मापी करने गए पुलिसकर्मियों को ग्रामीणों ने दौड़ाकर पीटा

बुढ़मू (रांची), एजेंसी। बुढ़मू थाना क्षेत्र के खखरा गांव में रैयती जमीन की मापी को लेकर मंगलवार को ग्रामीणों और पुलिस के बीच झड़प हो गई। ग्रामीणों ने पुलिस को दौड़ाकर पीटा। इस घटना में ठाकुरगांव थाना के जमादार सुरेश दास सहित कुछ ग्रामीण भी घायल हुए हैं, जिनका इलाज निजी अस्पताल में चल रहा है।

अंचल अमीन आनंद उरांव के साथ भी नोंकझोंक हुई। उग्र ग्रामीणों ने पिठोरिया-ठाकुरगांव मुख्य पथ को जाम कर दिया। इससे लगभग तीन घंटे तक माहौल तनावपूर्ण बना रहा। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए कई थानों की पुलिस को बुलाया गया। अंततः ठाकुरगांव के थाना प्रभारी विनीत कुमार के प्रयास से जाम हटाया गया।

खखरा गांव के खाता संख्या तीन और प्लाट नंबर 56 व 144 की जमीन पर ग्रामीणों का कब्जा 1965 से है। इस जमीन की रांची के कांटाटोली निवासी नियाजुल अंसारी के आवेदन पर अंचल कार्यालय द्वारा मापी कराने का नोटिस जारी किया गया था।

अंचल अमीन ने मापी शुरू की, इस क्रम में गांव के सैकड़ों महिला-पुरुष मापी का विरोध करने पहुंच गए। मापी जारी रहने पर ग्रामीणों और विधि व्यवस्था बनाए रखने पहुंची पुलिस के बीच झड़प हो गई, जिसके बाद दोनों पक्षों में मारपीट हो गई।

घटना के बाद ग्रामीणों ने प्रखंड सह अंचल कार्यालय बुढ़मू का घेराव किया। प्रशासन के खिलाफ प्रखंड के मुख्य गेट पर जमकर नारेबाजी की। इसके बाद ग्रामीणों ने प्रखंड प्रमुख सत्यनारायण मुंडा, अंचल निरीक्षक सुनील सिंह को ज्ञापन सौंपा, जिसमें मामले की जांच करने और अवैध जमाबंदी हटाने की मांग की गई।

सीओ सचिदानंद वर्मा ने बताया कि जमीन मापी का आनलाइन आवेदन मिला था। इसके आधार पर मापी का आदेश जारी किया गया था। ग्रामीणों द्वारा प्राप्त आवेदन पर जांच की जाएगी। वहीं, ठाकुरगांव थाना प्रभारी विनीत कुमार ने कहा कि मापी में विधि व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस टीम को भेजा गया था। विधि व्यवस्था को खराब करने वालों और मारपीट करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

जामताड़ा में विवाहिता की संदिग्ध हालात में मौत

जामताड़ा, एजेंसी। जामताड़ा जिले के मिहिजाम थाना क्षेत्र के शहरडाल कोलपाड़ा में एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतका की पहचान 23 वर्षीय मोनिका राय के रूप में हुई है। मोनिका की शादी वर्ष 2021 में कोलपाड़ा निवासी दीपक राय से हुई थी। दोनों की एक तीन साल की बेटी भी है। घटना के बाद से इलाके में सनसनी फैल गई है।

पुलिस ने शव भेजा पोस्टमॉर्टम के लिए, यूडी केस दर्ज

घटना की जानकारी मिलते ही मिहिजाम थाना प्रभारी गुलशन कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए जामताड़ा भेज दिया। शुरुआती जांच के आधार पर पुलिस ने यूडी केस दर्ज किया है। फिलहाल पुलिस का कहना है कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का खुलासा हो सकेगा।

मायकेवालों ने लगाया हत्या का आरोप, जांच में जुटी पुलिस

मोनिका के मायकेवालों ने उसके ससुराल वालों पर हत्या का आरोप लगाया है। परिजनों का कहना है कि मोनिका की हत्या कर उसे आत्महत्या का रूप देने की कोशिश की जा रही है। मोनिका मिहिजाम के हांसीपहाड़ी की रहने वाली थी। वहीं, उसका पति दीपक राय निजी वाहन चालक का काम करता है।

पुलिस ने कहा- जल्द होगा खुलासा

पुलिस पूरे मामले की गहनता से जांच कर रही है। थाना प्रभारी विवेकानंद दूबे ने बताया कि मामले में सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। जरूरत पड़ने पर संबंधित लोगों से पूछताछ भी की जाएगी। परिजनों के आरोपों और पुलिस की जांच के बाद आने वाली रिपोर्ट से ही स्थिति साफ हो सकेगी।

भाजपा ने मुख्यमंत्री का पुतला जलाया

धनबाद, एजेंसी। भाजपा धनबाद महानगर की ओर से मंगलवार को रणधीर वर्मा चौक पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का पुतला दहन किया गया. अमर शहीद सिदो कान्हू की जन्मस्थली भोगनाडीह में हूल दिवस पर उनके वंशजों एवं जनजातीय समाज के लोगों पर लाठीचार्ज के विरोध में पुतला दहन किया गया. कार्यक्रम की अध्यक्षता महानगर अध्यक्ष श्रवण राय ने की. इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने हेमंत सोरेन मुर्दाबाद, सिदो-कान्हू, चांद-भैरव, फूलो-झानो के वंशजों का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान, सिदो कान्हू अमर रहे, भारत माता की जय आदि नारे लगाये. श्रवण राय ने कहा कि भाजपा हमेशा से ही जनजातीय समाज के साथ है.

भोगनाडीह में लाठी चार्ज आदिवासियों की अस्मिता पर हमला है. भोगनाडीह की पवित्र धरती पर हेमंत सरकार ने अंग्रेजी राज चलाया. हूल दिवस पर आदिवासियों के साथ बर्बरता अमानवीय व लोकतंत्र पर धब्बा है. मौके पर प्रदेश कार्यसमिति सदस्य संजीव अग्रवाल, सत्येंद्र कुमार, रमेश राही, जिला उपाध्यक्ष वीरेंद्र हांसदा, जिला महामंत्री मानस प्रसून, धनेश्वर महतो, जिला मंत्री सह मीडिया संयोजक पंकज सिन्हा, जिला उपाध्यक्ष शेखर सिंह, राज किशोर जैना, राजाराम दत्त, संजय कुशवाहा, सूरज पासवान सन्नी रवानी, रवि सिन्हा, रंजय सिंह, अरुण राय, मुकेश पांडे, सुमन सिंह, बबलू सिंह, कन्हैया पांडे, रजनीश तिवारी, दीपक सिंह, सुप्रभात कुमार, शिल्पी घोष, रुमकी गुप्ता, मनोज रिंकू, इंद्रकांत झा, विजेंद्र कुमार, बृजनंदन शर्मा, भोला पांडे सहित काफी संख्या में कार्यकर्ता शामिल थे.

रांची में नई कार सिट्रोन बेसाल्ट चलाते दिखे माही, आईपीएल-2025 के बाद से होमटाउन में समय बिता रहे

रांची, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और 'कैप्टेन कूल' के नाम से मशहूर महेंद्र सिंह धोनी एक बार फिर रांची की सड़कों पर अपने खास अंदाज में नजर आए हैं। आईपीएल 2025 के बाद से धोनी अपने होमटाउन रांची में समय बिता रहे हैं और आए दिन उन्हें शहर की सड़कों पर कभी बाइक तो कभी कार चलाते देखा जा रहा है।

वीडियो सामने आने के बाद धोनी के फैंस के बीच खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। यह कार फ्रांसीसी ऑटोमोबाइल निर्माता सिट्रोन की नई पेशकश है, जिसकी एक्स-शोरूम कीमत करीब 12.80 लाख रुपए बताई जा रही है।

कंपनी के ब्रांड एंबेसेडर हैं एमएस धोनी : सबसे खास बात यह है कि महेंद्र सिंह धोनी सिट्रोन बेसाल्ट डार्क एडिशन की डिलीवरी लेने वाले देश के पहले व्यक्ति हैं। कंपनी ने अप्रैल में ही अपने डार्क एडिशन लाइनअप को लॉन्च किया था और इसकी पहली यूनिट सीधे धोनी को दी गई। गौरतलब है कि एमएस धोनी इस कार कंपनी के ब्रांड एंबेसडर भी हैं, जिसके चलते उन्हें यह विशेष तोहफा मिला है।

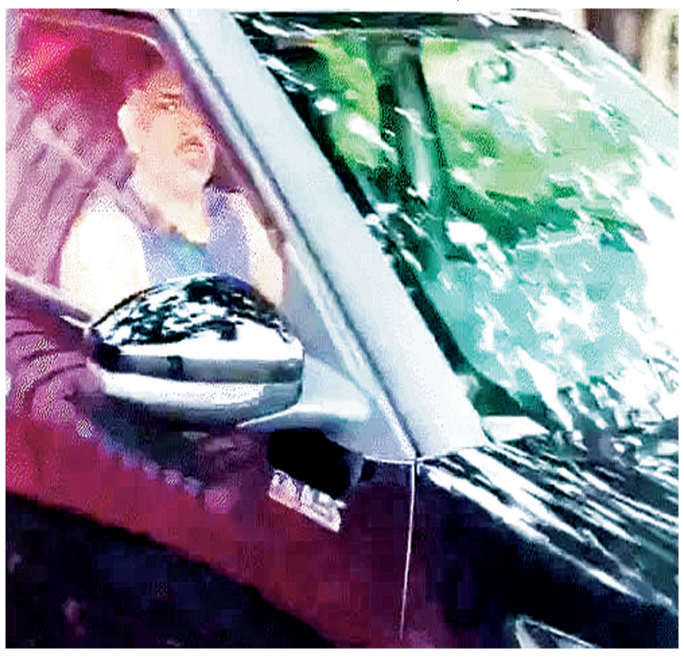

गाड़ियों के प्रति खास लगाव रखते हैं कैप्टन कूल : धोनी की कार और बाइक के प्रति दीवानगी किसी से छिपी नहीं है। उनके पास पुरानी और नई गाड़ियों का विशाल कलेक्शन है। माही खुद भी कई बार इस बात का जिक्र कर चुके हैं कि उन्हें कार और बाइक्स का बेहद शौक है। रांची की सड़कों पर अक्सर उन्हें रेयर और क्लासिक बाइक्स चलाते हुए देखा जाता है, जो उनके फैंस के लिए किसी ट्रीट से कम नहीं होता। धोनी के चाहने वाले एक झलक पाने के लिए उन्हें अक्सर रांची की सड़कों पर तलाशते रहते हैं। माही का सादगी भरा अंदाज और रफ्तार से जुड़ा उनका जुनून, आज भी लोगों को उतना ही आकर्षित करता है जितना क्रिकेट के मैदान पर करता था।

धोनी के पास लग्जरी कारों का भी कलेक्शन : धोनी के पास दुनियाभर की शानदार कारें भी हैं। उनके कार कलेक्शन में मर्सिडीज बेंज जीएलई 250डी, विंटेज रोल्स रॉयस सिल्वर रेथ एल एल, 1970 मॉडल फोर्ड मस्टंग 429 फास्टबैक, जीप ग्रैंड चेरोकी एसआरटी, हमर एच2, ऑडी क्यू7, लैंड रोवर फ्रीलैंडर 2, फेरारी 599 जीटीओ 139, महिंद्रा स्कॉर्पियो और हिंदुस्तान मोटर्स की एंबेसडर जैसी गाड़ियां शामिल हैं।

वाहन सवार को नहीं मिल रही जाम से निजात : 30 मिनट के लिए थम गए वाहन

रांची, एजेंसी। राजधानी की सभी प्रमुख सड़कों पर मंगलवार की दोपहर जाम की स्थिति बनी रही। ट्रैफिक जवानों के लगातार प्रयास करने के बाद भी वाहन सवार को जाम से निजात नहीं मिल रहा था। कचहरी चौक से जेल मोड़ होते हुए लालपुर और कचहरी चौक से रेडियम रोड की ओर जाने वाले मार्ग में दोपहर 30 मिनट के लिए वाहनों का चक्का पूरी तरह से थम गया। नागाबाबा खटाल से कचहरी चौक तक वाहनों की लंबी कतारें लगी रही।

लालपुर से प्लाजा चौक की ओर आने-जाने वाले मार्ग में भी गाड़ियां रेंगती रही। इस दौरान स्कूली बसें भी जाम में फंसी रही। बस में सवार बच्चे काफी परेशान हो गए। थकान की वजह से कई बच्चे, तो स्कूली बस में ही गहरी नींद में सो गए। बस चालक लगातार निर्धारित समय पर स्टॉपेज तक पहुंचने का प्रयास करता रहा, लेकिन उसे सफलता नहीं मिली। बच्चों के स्टॉपेज पर देर तक नहीं पहुंचने की वजह से उनके अभिभावक भी परेशान रहे।

विभिन्न माध्यम से लगातार बच्चों के बारे में जानकारी जुटाते हुए स्टॉपेज तक जल्द पहुंचने का इंतजार करते रहे। जाम में फंसे वाहन सवार लगातार वैकल्पिक मार्ग का तलाश करते रहे लेकिन सभी जगह जाम की स्थिति थी। चौक-चौराहों के अलावा कहीं भी बीच में ट्रैफिक जवान जाम से निजात दिलाने के लिए मुस्तैद नहीं दिखे।

03-07-2025 Final_03-07-2025 Final.qxd 7/2/2025 11:35 PM Page 6

सुभाषितम्

मनुष्य का दिमाग ही सब कुछ है, जो वह सोचता है वही वह बनता है।

- गौतम बुद्ध

बिग ब्यूटीफुल बिल बना ट्रंप के लिए जी का जंजाल

डोनाल्ड ट्रंप का प्रस्तावित बिग ब्यूटीफुल बिल से अमेरिकी संसद में तूफान खड़ा हो रहा है। इसे ट्रंप प्रशासन की दूसरी पारी का ब्लूप्रिंट माना जा रहा है। जो उनके चुनावी वादों को पूरा करने के रूप में देखा जा रहा है। इस बिल के पीछे की सच्चाई और इसके संभावित परिणामों को लेकर अमेरिका तथा भारत जैसे देशों के लिए इस बिल के परिणाम बड़े घातक हो सकते हैं। इस बिल का मुख्य उद्देश्य टैक्स कटौती, सीमा सुरक्षा, और सामाजिक योजनाओं में बदलाव के ज्यादा अधिकार राष्ट्रपति को देता है। इसमें सरकार द्वारा 2017 के टैक्स कट्स को स्थायी करने, व्यक्तिगत और कॉपोरेट टैक्स दरों में कमी करने ओवरटाइम व टिप्स पर टैक्स छूट जैसे प्रावधान शामिल हैं। इस बिल में बॉर्डर, अवैध प्रवासियों के डिपोर्टेशन के लिए 4.5 ट्रिलियन डॉलर का भारी-भरकम खर्च प्रस्तावित है। दूसरी ओर सरकार मेडिकेड और खाद्य सुरक्षा जैसी योजनाओं में कटौती कर सकती है। जिसके कारण गरीब और मध्यम वर्ग को भारी नुकसान होना तय है। भारत एवं भारतीयों के लिए सबसे चिंताजनक विदेशी धन-प्रेषण पर 3.5 से 5% टेक्स भारतीय-अमेरिकी समुदाय को सीधे प्रभावित करेगा। भारत को भेजे जाने वाले धन पर यह टैक्स भारतीय रुपये को और भी कमजोर कर सकता है। जिसका असर भारत की अर्थव्यवस्था पर पड़ना तय है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का यह बिल उनके धनाढ्य समर्थकों और पूंजीपतियों के लिए को फायदा पहुंचाने का बिल माना जा रहा है। भारत में जिस तरह से इलेक्ट्रोल बांड के माध्यम से राजनैतिक दलों के लिये बिल लाया गया था, इस बिल के माध्यम से मोदी सरकार को सबसे ज्यादा चंदा मिला। चंदे के आधार पर ठेके दिये गए। बिग ब्यूटी बिल के माध्यम से ट्रम्प को जो अधिकार मिलेंगे, उससे वह चंदा और परिवार के निजी कारोबार को बढ़ाने के लिये उपयोग करेंगे। यह आशंका अमेरिका में व्यक्त की जा रही है। डेमोक्रेट्स इसे अमीरों का बिल बता रहे हैं। वहीं रिपब्लिकन भी अमेरिका के ऊपर बढ़ते कर्ज जो 2.4 से 4 ट्रिलियन डॉलर पर पहुंच गया है, उसको लेकर चिंतित हैं। अमेरिकी सांसद बर्नी सैंडर्स ने इस बिल को भ्रष्ट वित्त प्रणाली का प्रतीक बताया है। उनका कहना है राष्ट्रपति ट्रंप अपने अरबपति मित्रों को लाभ पहुंचाने के लिए इस बिल को पास कराने जा रहे है। राष्ट्रपति और ट्रंप के पूर्व सहयोगी एलन मस्क ने भी इसका विरोध किया है। इस विरोध के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और एलन मस्क के बीच तकरार बढ़ी है। एलन मस्क ने धमकी दी है, वह अमेरिका मैं तीसरी पार्टी बनाएंगे। वहीं राष्ट्रपति ट्रंप ने एलन मस्क को अमेरिका से बाहर निकालने तक की बात कह दी है। भारत के लिए यह बिल बिग एंड बैड साबित हो सकता है। भारत सरकार की खामोशी हैरान करने वाली है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने इस बिल के बारे में अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। उनकी चुप्पी से यह धारणा बनने लगी है, भारत अमेरिकी दबाव के सामने नतमस्तक है गौतम अडानी जैसे कारोबारियों के हितों की रक्षा में क्या भारत सरकार राष्ट्रीय हितों को नजरअंदाज कर रही है यह बिल अमेरिकी संसद में पारित होने के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था पर इसका दूरगामी दुष्प्रभाव होगा। भारत सरकार का मौन न केवल निराशाजनक है, बल्कि भारत सरकार की अर्थव्यवस्था एवं भारतीयों के लिए यह बिल खतरनाक भी है। ट्रंप के लिए यह बिल उनकी सत्ता और उनके परिवार के कारोबार को बढ़ाने के लिए हो सकता है। भारत सहित दुनिया के कई देशों के लिए यह बिल आर्थिक फंदा बन सकता है। अमेरिका के माध्यम और गरीब वर्ग के लिए भी इस बिल से भारी नुकसान होने की संभावना है।

चिंतन-मनन

कोई भी परिस्थिति हो, ये काम कभी बंद ना करें

अपने विचारों का मूल्यांकन करना कभी भी बंद न करें, क्योंकि विचारों का प्रवाह अनवरत और कभी-कभी अत्यधिक भी हो जाता है। हर नया विचार पुराने को चुनौती देता है। यहीं से भ्रम भी पैदा होता है और कभी-कभी अधिक विचार आने से निर्णय भी गलत हो जाते हैं। रावण के साथ यही हुआ। वह बहुत विद्वान था। लिहाजा उसके भीतर विचारों की भरमार थी। सुंदरकांड का दृश्य है। रावण के दरबार में हनुमानजी निर्भीक खड़े थे। दोनों का वातालाप शुरू होता है। कह लंकेस कवन तैं कीसा। केहि कें बल घालेहि बन खीसा।। की धौं श्रवन सुनेहि नहिं मोही। देखउं अति असंक सठ तोही।। लंकापति रावण ने कहा - रे वानर! तू कौन है किसके बल पर तूने वन को उजाड़कर नष्ट कर डाला क्या तूने कभी मेरा नाम और यश नहीं सुना रे शठ! मैं तुझे अत्यंत निरूशंक देख रहा हूं। मारे निसिचर केहिं अपराधा। कहु सठ तोहि न प्रान कइ बाधा।। तूने किस अपराध से राक्षसों को मारा बता, क्या तुझे प्राण जाने का भय नहीं है यहां रावण ने हनुमानजी से पांच प्रश्न पूछे। इन शब्दों में अहंकार भरा हुआ था। रावण ने अपने ही विचारों को शब्दों से जोड़ने के लिए अहंकार का सेतु बनाया, जबकि विश्लेषण के साथ शब्द प्रस्तुत करने थे, क्योंकि सामने हनुमानजी खड़े थे। हनुमानजी की विशेषता यही थी कि वे अपने विचारों का मूल्यांकन करते रहते थे। दरअसल रावण यह मानता ही नहीं था कि वह अहंकारी है। उसके हिसाब से तो जो वह कर रहा होता था, वही सही माना जाए। उसके पास सबकुछ होने के बाद भी वह अव्वल दर्जे का भिखारी था। यहीं से हनुमानजी उसे बुद्धि का दान देना शुरू करते हैं।

बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण से बेचैन हुआ विपक्ष

-डॉ. आशीष वशिष्ठ

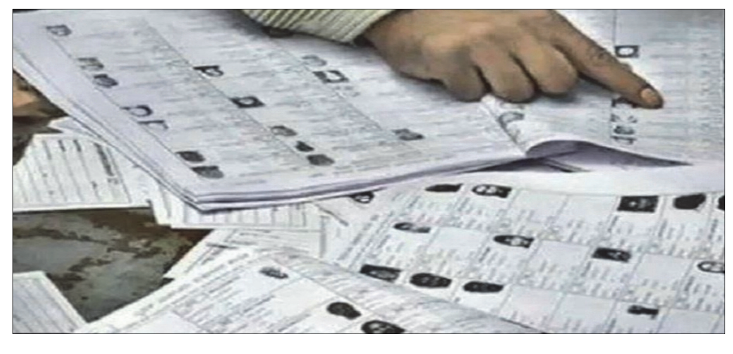

बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (स्पेशल इन्टेन्सिव रिवीजन – एस.आई.आर.) का काम शुरू हो गया है। चुनाव आयोग के मुताबिक उसकी इस पहल का मकसद मतदाता सूची को शुद्ध और वास्तविक बनाना है। हालांकि, विपक्षी दलों ने मतदाता सूची में छेड़छाड़ के व्यापक आरोप लगाए हैं। लगभग सभी ने एसआईआर का विरोध किया है और कहा है कि इससे मताधिकार से वंचित होने का गंभीर खतरा है। बिहार की 243 विधानसभा सीटों पर 7.89 करोड़ से अधिक मतदाता हैं। राज्य में इसी साल अक्टूबर-नवंबर में विधानसभा चुनाव होने हैं।

बिहार में इस तरह का आखिरी गहन संशोधन 2003 में किया गया था। चुनाव आयोग ने कहा कि बिहार में 2003 की मतदाता सूची को फिर से वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा, जिसमें 4.96 करोड़ लोगों के नाम हैं। इनमें शामिल लोगों को जन्मतिथि या जन्मस्थान साबित करने के लिए दस्तावेज नहीं देने होंगे। बाकी 3 करोड़ मतदाताओं को प्रमाण के लिए दस्तावेज देने होंगे। वोटिंग लिस्ट में ये संशोधन ऐसे वक्त किए जाने हैं जब बिहार में इसी साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं. ऐसे में विपक्षी पार्टियां इस पर नाराजगी जता रही हैं। इस मसले पर विपक्ष की ओर से एक साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस की गई थी, जिसमें बिहार विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कई मुद्दे उठाए थे और व्यावहारिक समस्याएं बताई थीं।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस कदम को एनआरसी (राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर) से भी ज्यादा खतरनाक बताया और आरोप लगाया कि उनका राज्य, जहां अगले साल चुनाव होने हैं, असली लक्ष्य है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने 7 जून को महाराष्ट्र की मैच फिक्सिंग के बारे में कई बातें लिखी थीं। उन्होंने लिखा था, ह्लक्योंकि महाराष्ट्र की यह मैच फिक्सिंग अब बिहार में भी दोहराई जाएगी और फिर वहां भी, जहां-जहां बीजेपी हार रही होगी ह्व तृणमूल कांग्रेस के नेता डेरेक ओ ब्रायन ने 28 जून को कहा कि चुनाव आयोग द्वारा घोषित मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण ह्लपिछले दरवाजे से एनआरसी (राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर) लाने का एक भयावह कदमह्व है। इससे पहले ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख और हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने इसको लेकर सवाल उठाए। उन्होंने 27 जून को एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, निर्वाचन आयोग बिहार में गुप्त तरीके से एनआरसी लागू कर रहा है। जबकि सत्तारूढ़ दलों ने इसे पूर्व की चुनावी धांधली पर चुनाव आयोग की सख्ती के साथ पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने की दिशा में एक बड़ा कदम बताया है। महागठबंधन के प्रमुख घटक दल राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि 2003 में जब मतदाता सूची का पुनरीक्षण हुआ था तो उसमें दो साल लगे थे और तब साढ़े चार करोड़ से कुछ ज्यादा मतदाता थे। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) का मानना है कि विधानसभा चुनाव से एक महीने पहले सघन पुनरीक्षण अभियान संभव नहीं है। राजद नेताओं ने सवाल उठाया कि अगर मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण की इतनी आवश्यकता है, तो यह केवल बिहार में ही क्यों किया जा रहा है क्या देश के अन्य राज्यों को इसकी जरूरत नहीं है नेताओं ने आरोप लगाया कि यह पूरी प्रक्रिया बिहार को निशाना बनाने की एक सोची-समझी रणनीति है।

संविधान का अनुच्छेद 324 (1) भारत के निर्वाचन आयोग को संसद और राज्य विधानसभाओं के - चुनावों के लिए मतदाता सूची तैयार करने और उनके संचालन के अधीक्षण, निर्देशन और नियंत्रण की शक्ति देता है। गहन पुनरीक्षण में मतदाता सूची को नए सिरे से तैयार किया जाता है। भारत निर्वाचन आयोग बिहार के बाद, चुनाव आयोग इस वर्ष के अंत तक 2026 में चुनाव होने वाले पांच राज्यों में मतदाता सूचियों की इसी प्रकार की समीक्षा करेगा। असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल की विधानसभाओं का कार्यकाल अगले वर्ष मई-जून में समाप्त हो रहा है। ध्यान रहे पश्चिम बंगाल और असम दोनों ही राज्यों में एनआरसी बड़ा मुद्दा है क्योंकि इन राज्यों में बांग्लादेशी घुसपैठियों और शरणार्थियों की बड़ी संख्या है।

राजनीतिक हलकों में इस बात की जोरों से चर्चा है कि बिहार के बाद मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण की बारी पश्चिम बंगाल की होगी। तभी पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस बहुत बेचैन है। तृणमूल कांग्रेस को यह चिंता सता रही है कि अगर चुनाव आयोग ने चुनिंदा विधानसभा क्षेत्रों में टारगेट करके मतदाताओं के नाम काटे तो उसका फादा भाजपा को होगा। पश्चिम बंगाल में 30 फीसदी मुस्लिम आबादी है, जिसके बारे में भाजपा आरोप लगाती है कि इनमें बड़ी संख्या बांग्लादेशी और रोहिंग्या की है। इनका वोट एकमुश्त तृणमूल को जाता है। हर क्षेत्र में 10 से 20 हजार नाम अगर कट जाते हैं तो तृणमूल को उसका बड़ा नुकसान होगा। हालांकि बिहार से उलट पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के नेता ज्यादा जागरूक और सक्रिय हैं। वे आसानी से नाम नहीं कटने देंगे। पिछले कई महीनों से वे खुद घर घर जाकर सब चेक कर रहे हैं।

बिहार की राजनीति को करीब से जानने वालों के अनुसार, निर्वाचन आयोग देश में अवैध रूप से बांग्लादेश, नेपाल और म्यांमार से आकर जो लोग रह रहे हैं, जिन्होंने मतदाता सूची में नाम दर्ज करवा लिया है। वैसे लोगों को मतदाता सूची से हटाने की प्रक्रिया शुरू की है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि जो भी अवैध रूप से बिहार आकर बस गए हैं, उनका वोट विपक्ष को जाता है। यही कारण है कि इंडिया गठबंधन के घटक दल हो या ओवैसी, इनको इस बात का डर सता रहा है कि मतदाता सूची से यदि इनका नाम कट गया तो उनका राजनीतिक रूप से नुकसान होगा।

बिहार के सीमांचल के इलाके में बांग्लादेशी घुसपैठियों का मामला वर्षों से सामने आ रहा है। पिछले 30 वर्षों में पूरे सीमांचल का समीकरण बदल गया है। किशनगंज, अररिया, कटिहार और पूर्णिया में अल्पसंख्यकों की आबादी 40 फीसदी से 70 फीसदी तक हो चुकी है। यही कारण है कि वर्षों से इस इलाके में बांग्लादेशी घुसपैठियों की रोक की मांग उठती रही है।

हिन्दी को संघर्ष का नहीं, सेतु का माध्यम बनायें

- ललित गर्ग

दक्षिण भारत के विभिन्न राज्यों में हिन्दी विरोध की राजनीति अब महाराष्ट्र में भी उग्र से उग्रत्तर हो गयी, इसी के कारण त्रिभाषा नीति को महाराष्ट्र में लगा झटका दुखद और अफसोसजनक है। आखिरकार राजनीतिक दबाव, लंबी रस्साकशी और कशमकश के बाद महाराष्ट्र की देवेंद्र फडणवीस सरकार ने स्कूलों में हिंदी की पढ़ाई से जुड़े मुद्दे पर यू-टर्न लेते हुए अपने कदम पीछे खींच लिए। विदित हो कि केंद्र सरकार की नीति के तहत महाराष्ट्र के स्कूलों में पहली कक्षा से हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में पढ़ाया जाना था। राजनीतिक आग्रहों एवं दुराग्रहों के चलते अब ऐसा नहीं हो पाएगा। मतलब, महाराष्ट्र को तीसरी भाषा के रूप में भी हिंदी मंजूर नहीं है। महाराष्ट्र में हिंदी का संकट वास्तव में एक गहरे सामाजिक-राजनीतिक विमर्श का हिस्सा है। यह केवल भाषाई नहीं, बल्कि अस्मिता, पहचान और सह-अस्तित्व से जुड़ा हुआ है। जबकि भाषा को संघर्ष का नहीं, सेतु का माध्यम बनाना चाहिए। क्योंकि जब मराठी और हिंदी एक-दूसरे की सहयोगी बनेंगी, तभी महाराष्ट्र और भारत दोनों का भविष्य उज्ज्वल होगा और तभी महाराष्ट्र राष्ट्रीयता से जुड़ते हुए समग्र विकास की ओर अग्रसर हो सकेगा।

हिन्दी को हथियार बनाकर उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे ने मराठी समर्थक राजनीति को इस तरह से गरमा दिया था कि सरकारी प्रयासों के हाथ-पांव फूलने लगे और अपने फैसलों पर पुनर्विचार करना पड़ा। ठाकरे बंधुओं का हिन्दी विरोधी आंदोलन दिनोंदिन उग्र होता जा रहा था। यह सच है, हर राज्य के लिए भाषा की राजनीति मायने रखती है और कोई भी पार्टी स्थानीय स्तर पर अपनी क्षेत्रीय भाषा से मुंह नहीं मोड़ सकती। यह सर्वविदित है कि महाराष्ट्र में पूर्व में एक समिति ने जब हिंदी पढ़ाने की सिफारिश की थी, तब उद्धव ठाकरे ही राज्य के मुख्यमंत्री थे। तब हिंदी का मामला बड़ा नहीं था, पर आज जब ठाकरे विपक्ष में हैं, तब यही मुद्दा सबसे अहम हो गया है। शायद यह शर्म की बात है कि जिस राज्य की राजधानी मंज पूरा हिंदी फिल्म उद्योग बसता है, समूचे देश की आर्थिक राजधानी होने का गौरव जिसे मिला हुआ है, जहां समूचे देश के लोगों बसे है, जिसे सांझा-संस्कृति का गौरव प्राप्त है, उस राज्य की राजनीति अब हिंदी से परहेज करती दिख रही है। आज उद्धव ठाकरे बोल रहे हैं कि देवेंद्र फडणवीस सरकार मराठी मानुष की शक्ति से हार गई, पर वे इस बात को छिपा रहे हैं कि हारी सरकार नहीं, बल्कि राष्ट्र-भाषा हिंदी हारी है, जिसने मुंबई को सपनों का शहर बनाए रखा है। भारत विविधताओं का देश है, यहां भाषाएं न केवल संवाद का माध्यम हैं, बल्कि सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक भी हैं। परंतु जब भाषाएं टकराव का विषय बन जाएं, तो वह केवल भाषाई संकट नहीं रह जाता, बल्कि एक सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक मुद्दा बन जाता है। ऐसा ही कुछ महाराष्ट्र में देखने को मिल रहा है, जहां हिंदी भाषा को लेकर एक अनकहा-अनचाहा-सा संघर्ष चल रहा है। महाराष्ट्र में मराठी भाषा केवल एक भाषा नहीं, बल्कि मराठी अस्मिता का प्रतीक है। कई मराठी संगठनों और राजनीतिक दलों का यह मानना है कि हिंदी भाषा का बढ़ता वर्चस्व मराठी संस्कृति के लिए खतरा बन सकता है। फडणवीस सरकार की ताजा घोषणा यह दर्शा रही है कि हिंदी का मुद्दा राज्य में विपक्षी दलों के हाथों का एक ताकतवर राजनीतिक हथियार बनता जा रहा था। न केवल विपक्ष के सभी दल इस मसले पर एकजुट और विधानसभा के मॉनसून सत्र को हंगामेदार बनाने पर आमादा थे, बल्कि ठाकरे बंधुओं को भी हिंदी विरोध की राजनीति की अपनी जानी-पहचानी जमीन वापस मिलती दिख रही थी। क्योंकि शिवसेना प्रमुख बाला साहेब ठाकरे के शुरूआती दौर में पार्टी खास तौर पर हिंदीभाषियों के विरोध के लिए जानी जाती थी। मुंबई और महाराष्ट्र में हिंदीभाषियों की निरंतर बढ़ती आबादी को शिवसेना मराठी अस्मिता के लिए खतरे के रूप में देखती थी। हालांकि बाद के दौर में, खासकर नब्बे के दशक से भाजपा के गठबंधन में शिवसेना की राजनीति भी हिंदी से हिंदू की ओर मुड़ती गई। ऐसे में निश्चित ही मराठा राजनीति से हिन्दी विरोध की उम्मीद नहीं थी। अब तक तमिलनाडु को ही हिंदी विरोध के लिए जाना जाता था, पर इधर तीखे हिंदी विरोध में कर्नाटक के साथ ही, महाराष्ट्र भी शामिल हो गया है। दुनिया की सर्वाधिक तीसरी बोली जाने वाली हिन्दी भाषा अपने ही देश में उपेक्षा एवं राजनीति की शिकार है। अब केन्द्र सरकार के साथ-साथ हिंदी समाज को ज्यादा सजग होना पड़ेगा। हिन्दी भाषी प्रांतों को अपनी राजनीतिक व आर्थिक शक्ति को इतना बल देना पड़ेगा कि कम से कम तीसरी भाषा के रूप में हिंदी को अहिंदीभाषी राज्यों में स्वीकार किया जाए। क्या हिंदी प्रदेश के नेता इससे सबक लेंगे हालांकि, जिस तरह की त्रासद भाषा-राजनीति महाराष्ट्र में हो रही है, उससे यही लगता है कि इसके लिये बनी समितियों में बैठने वाले विशेषज्ञों की राय को किनारे कर दिया जाएग और राष्ट्रीयता पर क्षेत्रीयता की जीत हासिल हो जाएगी।

महाराष्ट्र में बढ़ते हिन्दीभाषियों के अनुपात को देखते हुए देर-सबेर हिन्दी को अपनाना ही लोकतांत्रिक दृष्टिकोण है। चाहे मुंबई हो या महाराष्ट्र, कुल आबादी में हिंदीभाषियों का बढ़ता अनुपात हिन्दी के पक्ष में है। 2001 की जनगणना के मुताबिक हिंदीभाषियों की संख्या मुंबई में 25.9 प्रतिशत और मराठीभाषियों की 42.9 प्रतिशत थी जो 2011 में क्रमशः 30.2 प्रतिशत और 41 प्रतिशत हो गई। महाराष्ट्र में इसी अवधि में जहां मराठीभाषी आबादी 76 प्रतिशत से 73.4 प्रतिशत पर आ गई, वहीं हिंदीभाषियों का अनुपात 7.3 प्रतिशत से बढ़कर 9.5 प्रतिशत हो गया। इसीलिये हिंदी लादने के इस फैसले ने न केवल उद्धव और राज ठाकरे को आक्रामक रूप में सामने ले आई बल्कि 20 साल बाद उद्धव और राज ठाकरे के एक मंच पर आने की खबर ने महाराष्ट्र की सियासत में हलचल मचा दी। 5 जुलाई को होने वाली हिन्दी विजय रैली पर महाराष्ट्र के लोगों की निगाहें लगी हुई हैं, क्योंकि मराठी भाषा और संस्कृति के मुद्दे पर सुर में सुर मिलाने वाले उद्धव और राज ठाकरे को सियासी हौसला मिल गया है। जिसे महाराष्ट्र की सियासत में एक नया मोड़ माना जा रहा, लेकिन साथ ही सवाल है कि उद्धव और राज ठाकरे की सियासी केमिस्ट्री कब तक बरकरार रहेगी।

हिंदी बनाम मराठी विवाद को कई बार राजनीतिक रंग भी दिया गया है। कुछ स्थानीय दलों ने हिंदी भाषी प्रवासियों, विशेषकर उत्तर प्रदेश और बिहार से आए लोगों को निशाने पर लेकर हिंदी भाषा पर परोक्ष रूप से प्रहार किया है। इससे न केवल भाषा के नाम पर लोगों में दूरी बढ़ी है, बल्कि महाराष्ट्र की समावेशी छवि को भी आघात पहुंचा है। महाराष्ट्र के कई क्षेत्रों, विशेषकर मुंबई, ठाणे, पुणे, और नासिक में बड़ी संख्या में हिंदीभाषी समुदाय निवास करता है। ये लोग महाराष्ट्र की अर्थव्यवस्था, व्यापार, निर्माण और सेवा क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। परंतु जब इनकी भाषा को दोयम दर्जे का माना जाता है, या उनके साथ भेदभाव किया जाता है, तो यह संविधान की आत्मा एकता में अनेकता के विपरीत है। भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में हिंदी और मराठी दोनों को मान्यता प्राप्त है। हिंदी भारत की राजभाषा है और मराठी महाराष्ट्र की राजभाषा। किसी भी राज्य में भाषा का सम्मान होना चाहिए, लेकिन इसके नाम पर दूसरी भाषाओं को अपमानित करना न तो संवैधानिक है और न ही नैतिक। भाषायी सह-अस्तित्व के लिये महाराष्ट्र में मराठी को सर्वोच्च स्थान मिले, लेकिन हिंदी भाषा को भी सम्मान मिले, यह संतुलन ही स्वस्थ लोकतंत्र का आधार है।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, जनसरोकार के प्रतिक

- हेमेन्द्र क्षीरसागर

3 सितंबर 1964 को मथुरा में जन्में मध्यप्रदेश भारतीय जनता पार्टी के नवनिर्वाचित प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल वाणिज्य और कानून में जेएच गवर्नमेंट कॉलेज, बैतूल से स्नातक हैं। उन्हें संगठन निष्ठा, राजनीति और समाजसेवा के संस्कार अपने पिता विजय कुमार खंडेलवाल से विरासत में मिले। हेमंत खंडेलवाल को बैतूल में ह्लविकास पुरुषह्व कहा जाता है। विधायक रहते हुए उन्होंने कभी सुरक्षा गार्ड नहीं रखा। न ही गाड़ी पर नाम पट्टिका लगाई, सरकारी आवास लिया। वे हमेशा सादगी और सादा जीवन, उच्च विचार के मूल्यों पर चलते रहे। आज भी देर रात आमजन और पार्टी कार्यकताओं से बात कर उनकी समस्या सुलझाते हैं। उन्होंने कदापि अपने आपको एक नेता नहीं अपितु कार्यकर्ता के तौर पर माना। यथेष्ट, उनको करीब से जानने वाले उन्हें राजनीति के संत और जनसरोकार के प्रतिक मानते हैं।

स्तुत्य, भाजपा के संस्थापक सदस्यों में से एक, राष्ट्रवादी विचारधारा के प्रेरक विजय कुमार खंडेलवाल भाजपा से बैतूल सांसद रह चुके हैं। हेमंत खंडेलवाल अपने पिता के समय से ही जनसेवा के लिए समर्पित रहे। पिता के निधन से बैतूल लोकसभा सीट खाली हो गई। इस दौरान हुए उपचुनाव 2007 में भाजपा ने हेमंत खंडेलवाल को टिकट देकर चुनावी मैदान में उतारा और वे लोकसभा पहुंचे। इसके बाद 2010 से 2013 तक बैतूल के जिलाध्यक्ष रहे। 2013 से 2018 तक बैतूल से विधायक निर्वाचित हुए ।2014 से 2018 तक प्रदेश भाजपा के कोषाध्यक्ष रहे। 2021 पश्चिम बंगाल चुनाव में प्रवासी कार्यकर्ता का प्रभार मिला। 2022 उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में 15 जिलों के समन्वय प्रभारी बनाए गए। 2023 बैतूल विधान सभा से विधायक निर्वाचित हुए। वर्तमान में कुशाभाऊ ठाकरे ट्रस्ट के अध्यक्ष हैं।

कर्तव्य निष्ठा, संगठन की गहरी समझ रखने वाले गंभीर व्यक्तित्व के धनी हेमंत खंडेलवाल ने अपने राजनीतिक जीवन में हमेशा जनता की समस्याओं को प्राथमिकता दी है। क्षेत्र के विकास, सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल और किसानों के मुद्दों पर वे हमेशा मुखर और सक्रिय रहे हैं। उनके प्रयासों से बैतूल में कई विकास योजनाएं क्रियान्वित की गईं, जिनका आमजन को सीधा लाभ मिला है। ऐसे अभूतपूर्व जनसेवा से उन्होंने अपनी पहचान बनाई। साथ ही प्रदेश एवं भाजपा के सभी जिला कार्यालय निर्माण संबंधी डिजाइन, निर्माण सहित अन्य व्यवस्थाओं को बखूबी देखते रहे। शायद प्रदेश में सबसे अच्छा डिजिटल और सटीक आंकड़ों या संपर्क के मामले में उनका स्वयं का कार्यालय है। जनता जनार्दन और कार्यकताओं तक उनका सीधा संवाद उन्हें आम आदमी का खास मनाता है।

वस्तुतः आज के दौर में शुचिता की राजनीति ऐसी अनूठी मिसाल दुर्लभ है। संवाहक हेमंत खंडेलवाल जनसरोकारी जनप्रतिनिधि के साथ कुशल संगठक की निर्णायक भूमिका भाजपा प्रदेशाध्यक्ष के दायित्व को संगठन ही सेवा और सेवा ही समर्पण के भाव से अक्षरशः निर्वहन करेंगे। तभी तो राजनीति के प्रतिस्पर्धा के समय में भाजपा जैसे 14 करोड़ प्राथमिक सदस्य वाली दुनिया के सबसे बड़े राजनीतिक दल भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के रूप में उन्हें निर्विरोध निर्वाचित किया गया है। जो हेमंत खंडेलवाल के समर्पण और जनसेवा पर अपनी मुहर लगाता है। निश्चित ही आपके कुशल नेतृत्व में भाजपा प्रदेश में सबका साथ, सबका विश्वास, सबके प्रयास से अर्जित करेंगी।

आज का राशिफल

मेष तरक्की से भरा होने की उम्मीद है। शुभ ग्रह आपके पराक्रम और आत्मविश्वास में वृद्धि कर रहे हैं।

तुला आज थोड़ा सोचसमझकर काम करें। आप जोखिम लेने के मूड में हो सकते हैं।

वृषभ मल्टीनेशनल कंपनियों से जुड़े लोगों के लिए लाभ के संकेत दे रहे हैं। आर्थिक दृष्टि से दिन अच्छा है।

वृश्चिक दिन चुनौतीपूर्ण हो सकता है। उत्तराधिकार से जुड़ा विवाद गहराने की संभावना है।

मिथुन दिन लाभ के संकेत दे रहा है। विवेक से कार्य करने पर आपको मनचाहा लाभ होगा।

धनु दिन प्रतियोगिता में भाग लेने या परीक्षा से संबंधित किसी प्रयास के लिए उपयुक्त है।

कर्क आज दिन सफलता से भरा होगा। आपको करियर और प्रतिष्ठा में वृद्धि का संकेत मिल रहा है।

मकर दिन उत्साह और मनोबल से परिपूर्ण रहेगा। कार्यक्षेत्र में जो अड़चनें थीं, वह दूर होती दिखाई देंगी।

सिंह आज दिन तरक्की से भरा होगा। व्यापारिक और व्यावसायिक दृष्टि से अत्यंत लाभदायक है।

कुंभ आज ऊपर कार्यभार अत्यधिक रहेगा और आप एक साथ कई कार्यों में उलझे रह सकते हैं।

कन्या दिन तरक्की से भरा रहने की उम्मीद है। ग्रहों की शुभ दृष्टि के कारण पक्ष उभर कर सामने आएगा।

मीन आज धन और व्यवसाय दोनों दृष्टि से शुभ है। व्यवसाय में विस्तार के अवसर मिलेंगे।

विशेष

देव संस्कृति का धरोहर रामशिला पहाड

- संजय गोस्वामी

विश्व की प्राचीन धरातल और विंध्य पर्वत माला का कीकट प्रदेश की राजधानी और बुध नंदन राजा गय द्वरा स्थापित गया का राम शिला भारतीय संस्कृति का धरोहर है। असुर संस्कृति के पोषक गयासुर ने गया के चतुर्दिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान रहा है।यहां पितरों का निवास,ब्रह्माजी ,भगवान विष्णु तथा भगवान शिव का प्रिय स्थल है।गया कि सभी पहाड़ियां विभिन्न देव को समर्पित है। ब्रह्मा जी को ब्रह्मयोनि पर्वत पर प्रकृति और पुरुष का समन्वय , तथा ब्रह्मयोनि की उच्च श्रृंखला पर ब्रह्मा जी की मूर्तियां , फल्गु नदी के किनारे विष्णु पर्वत पर भगवान विष्णु का चरण , यमराज और धर्मराज को समर्पित प्रेतशीला ,,भगवान शिव को समर्पित शिवशिला, माता मंगला गौरी को समर्पित भष्मगिरि पर्वत , किरातों को समर्पित कटारी पहाड़ और भगवान राम को समर्पित राम शिला है। पर्वतों से घिरा और गुप्त गंगा (फल्गु नदी) के तट पर गया है। त्रेतायुग में भगवान राम अपने पूर्वजों को मुक्ति और मोक्ष दिलाने हेतु परिवार सहित गया आने पर निवास किए थे वह स्थल राम गया या राम शिला के नाम से ख्याति मिला है।यहां जल कुंड का निर्माण कराया जिसे रामसरोवर के नाम विख्यात है। रामशिला की श्रृंखला पर भगवान राम द्वारा शिवलिंग की स्थापना और राम कुंड का निर्माण कराया गया। रामशिला पहाड़ के तलहट्टी में दुर्लभ स्फटिक शिवलिंगस्थापित है।रामशिला पहाड़ के ऊपर 20 सीढ़ी चढ़ने पर श्रीराम मंदिर है। यहाँ पर श्री जगमोहन के चरण-चिन्ह बना बना है। मंदिर के दक्षिण में बरामदे में दो-तीन प्राचीन मूर्तियां है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1527 फ्रांसिसी सेना ने इटली के मिलानी क्षेत्र पए हमला कर पोप को मुक्त कराया. 1583 रूस के जार इवान ने आवेश में अपने बेटे की हत्या कर दी. 1608 फ्रांस के खोजी समुअल डी,चैम्पलेन ने कनाड़ा के क्यूबेक शहर की आधारशिला रखी. 1665 डच बेड़े को इंग्लैंड के बेड़े ने शिकस्त दी. 1665 ब्रिटिश बेड़े ने सेंट मालो पर बमबारी की. 1760 मराठा सेना ने दिल्ली पर कब्जा किया.1 1778 प्रसिया ने आस्ट्रिया के खिलाफ जंग का ऐलान किया. 1849 ग्युसेपी गैडराल्डी के विरोध के बावजूद फ्रांस के सैनिक रोम पहुंचने में सफल हो गए. 1881 ब्रिटेन के दबाव में तुर्की ने यूनान के साथ समझौता कया. 1896 तुर्की के सुलतान हमीद द्वितीय ने क्रीट के लोगों को प्रशासन चलाने का अधिकार दिया, 1908 बाल गंगाधर तिलक राजद्रोह के आरोप में गिरफ्तार किए गए,

दैनिक पंचांग

3 जुलाई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	कर्क	06.21 बजे से
चंद्र	कन्या में	सिंह	08.37 बजे से
मंगल	सिंह में	कन्या	10.49 बजे से
बुध	कर्क में	तुला	13.00 बजे से
गुरु	मिथुन में	वृश्चिक	15.14 ब.से
शुक्र	वृष में	धनु	17.30 बजे से
शनि	मीन में	मकर	19.35 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	21.22 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	22.55 बजे से
राहुकाल		मेष	00.25 बजे से
1.30 से 3.00		वृष	02.05 बजे से
बजे तक		मिथुन	04.03 बजे से

गुरुवार 2025 वर्ष का 184 वा दिन
दिशाशूल दक्षिण **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास आषाढ़ **पक्ष** शुक्ल
तिथि अष्टमी 14.07 बजे को समाप्त।
नक्षत्र हस्त 13.51 बजे को समाप्त।
योग परिघ 18.36 बजे को समाप्त।
करण बव 14.07 बजे तदनन्तर बालव 03.19 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 07.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 22° 57'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872394
जूलियन दिन 2460859.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना मोहर्रम
तारीख 07
विशेष मासिक दुर्गाष्टमी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	05.54 से	07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से	07.11 बजे तक
रोग	07.22 से	08.51 बजे तक	चर	07.11 से	08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से	10.19 बजे तक	रोग	08.43 से	10.15 बजे तक
चर	10.19 से	11.47 बजे तक	काल	10.15 से	11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से	01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से	01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से	02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से	02.51 बजे तक
काल	02.43 से	04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से	04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से	05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

03-07-2025 Final_03-07-2025 Final.qxd 7/2/2025 11:35 PM Page 7

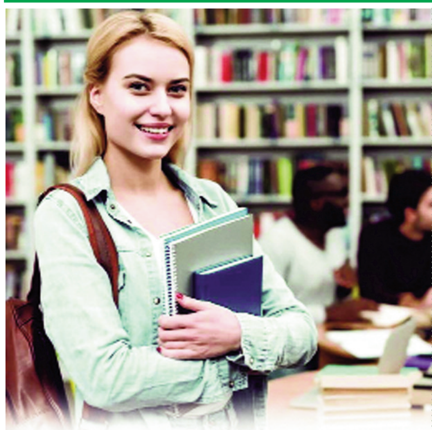

फ्रांस की सरकारी यूनिवर्सिटीज, जहां अंग्रेजी में पढ़ सकते हैं स्टूडेंट्स

फ्रांस में कोई भी इंग्लिश यूनिवर्सिटी नहीं है, लेकिन वहां कई बेहतरीन फ्रेंच यूनिवर्सिटी हैं। इन यूनिवर्सिटीज में इंग्लिश में पढ़ाया जाता है। यही वजह है कि फ्रांस आजकल इंटरनेशनल स्टूडेंट्स के लिए एक बड़ा सेंटर बन गया है। वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2025 में फ्रांस के चार इंस्टीट्यूट टॉप 100 में शामिल हैं। यहां पढ़ने के लिए स्कॉलरशिप भी मिलती है। इससे फ्रांस में पढ़ाई करना सस्ता हो जाता है। आइए फ्रांस की टॉप 5 यूनिवर्सिटी के बारे में जानते हैं, जहां इंग्लिश में पढ़ाई होती है।

यूनिवर्सिटी PSL

यूनिवर्सिटी PSL पेरिस में है। वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2025 के अनुसार, ये फ्रांस की नंबर वन यूनिवर्सिटी है। यहां रिसर्च पर ध्यान दिया जाता है। यहां हर स्टूडेंट को गाइड करने के लिए टीचर मौजूद रहते हैं। क्लास में स्टूडेंट्स की संख्या भी कम होती है। इससे हर स्टूडेंट पर ध्यान दिया जा सकता है। सबसे अच्छी बात ये है कि क्कस्रु में हर पांच में से एक स्टूडेंट विदेश से आता है, इसलिए PSL बेस्ट इंग्लिश यूनिवर्सिटी इन फ्रांस में से एक है।

इकोले पॉलीटेक्निक

इकोले पॉलीटेक्निक फ्रांस के रक्षा मंत्रालय के अंडर में आने वाला एक बड़ा इंस्टीट्यूट है। यह इंस्टीट्यूट पॉलीटेक्निक डी पेरिस का हिस्सा है। यह एक पब्लिक हायर एजुकेशन और रिसर्च इंस्टीट्यूट है। यहां नेशनल मिलिट्री से जुड़े स्कूल में पढ़ने का मौका मिलता है। यहां 40% से ज्यादा स्टूडेंट्स इंटरनेशनल हैं। इसलिए पढ़ाई के लिए इकोले पॉलीटेक्निक बहुत अच्छी जगह है।

यूनिवर्सिटी पेरिस सिटे

यूनिवर्सिटी पेरिस सिटे 2018 में पेरिस डिडेरोट, पेरिस डेस्कार्टेस और इंस्टीट्यूट डी फिजिक डु ग्लोब डी पेरिस को मिलाकर बनाई गई थी। ये फ्रांस की सबसे बड़ी मल्टीडिसिप्लिनरी यूनिवर्सिटी है। यहां आर्ट्स, ह्यूमैनिटीज, लैंग्वेज, इकोनॉमिक्स, सोशल साइंस, साइंस, टेक्नोलॉजी, मेडिसिन, डेंटिस्ट्री, फार्मेसी और नर्सिंग जैसे फील्ड में नए और आधुनिक कोर्स कराए जाते हैं। मल्टीडिसिप्लिनरी का मतलब है कि यहां कई तरह के सब्जेक्ट पढ़ाए जाते हैं।

सोर्बोन यूनिवर्सिटी

सोर्बोन यूनिवर्सिटी पेरिस के बीच में स्थित है। ये एक मल्टीडिसिप्लिनरी, रिसर्च-इंटेंसिव और वर्ल्ड-क्लास इंस्टीट्यूट है। दूसरी पब्लिक यूनिवर्सिटी की तरह, यहां भी इंग्लिश में प्रोग्राम कराए जाते हैं। इंटरनेशनल स्टूडेंट्स का यहां स्वागत किया जाता है। बडी सिस्टम नाम का एक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म है। इस प्लेटफॉर्म पर इंटरनेशनल स्टूडेंट्स को लोकल स्टूडेंट्स के साथ जोड़ा जाता है। लोकल स्टूडेंट्स को बडी कहा जाता है।

भारत में फूलों की खेती एक लंबे अरसे से होती रही है, लेकिन आर्थिक रूप से लाभदायक एक व्यवसाय के रूप में फूलों का उत्पादन पिछले कुछ सालों से ही प्रारंभ हुआ है

करें फूलों का व्यवसाय और बनें मालामाल

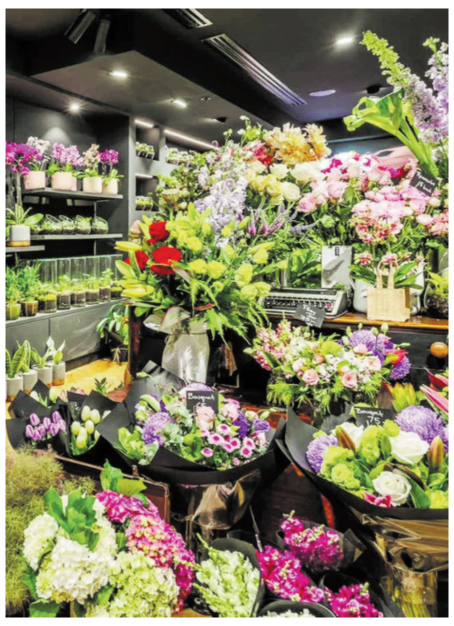

भारत में फूलों की खेती एक लंबे अरसे से होती रही है, लेकिन आर्थिक रूप से लाभदायक एक व्यवसाय के रूप में फूलों का उत्पादन पिछले कुछ सालों से ही प्रारंभ हुआ है। समकालिक फूल जैसे गुलाब, कमल ग्लैडियोलस, रजनीगंधा, कार्नेशन आदि के बढ़ते उत्पादन के कारण गुलदस्ते और उपहारों के स्वरूप देने में इनका उपयोग काफी बढ़ा है। फूल को मनुष्य के द्वारा सजावट और औषधि के लिए उपयोग में लाया जाता है। इसके अलावा घरों और कार्यालयों को सजाने में भी इनका उपयोग बहुतायत से होता है। मध्यम वर्ग के जीवनस्तर में सुधार और आर्थिक संपन्नता के कारण पुष्प बाजार के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया और फूलों की खेती को एक विशाल बाजार का स्वरूप प्रदान कर दिया है। भारत ने पुष्प उत्पादन में उल्लेखनीय प्रगति की है।

फूलों की खेती की संभावनाएं

भारतीय फूल उद्योग में गुलाब, रजनीगंधा, ग्लेड्स, एंथुरियम, कार्नेशन, गेंदा आदि फूल शामिल है। फूलों की खेती अत्याधुनिक पाली और ग्रीनहाउस दोनों में की जाती है। व्यावहारिक विविधीकरण की दृष्टि से पुष्पों की खेती का महत्व दिनों-दिन बढ़ता जा रहा है। यद्यपि पुष्पों को उगाने की कला भारत के लिए नई नहीं है तथापि, बड़े पैमाने पर वाणिज्यिक स्तर पर इनकी खेती तथा पॉली हाउसों में इनकी संरक्षित खेती भारत में अपेक्षाकृत नयी है। विपुल आनुवंशिक विविधता, विभिन्न प्रकार की कृषि जलवायु संबंधी परिस्थितियों बहुमुखी प्रतिभा सम्पन्न मानव संसाधन के कारण भारत में इस क्षेत्र में विविधीकरण के नए मार्ग प्रशस्त हैं जिनका अभी तक पर्याप्त रूप से दोहन नहीं हुआ है। विश्व व्यापार संगठन के युग में विश्व बाजार के खुल जाने के कारण पुष्पों तथा पुष्पोत्पादों का विश्व भर में स्वतंत्र रूप से आवागमन संभव है। इस संदर्भ में प्रत्येक देश को प्रत्येक देश की सीमा में व्यापार करने के पर्याप्त अवसर उपलब्ध हैं।

विश्व स्तर पर 140 से अधिक देश पुष्पों की फसलों की खेती में लगे हुए हैं। विभिन्न देशों में संयुक्त राज्य अमेरिका पुष्पों का सबसे बड़ा उपभोक्ता है। जहां प्रति वर्ष 10 बिलयन डॉलर से अधिक के पुष्पों की खपत होती है। इसके बाद उपभोग के मामले में जापान का स्थान है जहां प्रति वर्ष 7 बिलियन डॉलर से अधिक मूल्य के पुष्पों की खपत होती है। भारत का भविष्य में बेहतर स्कोप है क्योंकि उष्णकटिबंधीय पुष्पों की ओर लोगों का रुझान बढ़ रहा है और भारत जैसे देश द्वारा इसका लाभ उठाया जा सकता है क्योंकि हमारे यहां देशी वनस्पति जगत में उच्च स्तर की विविधता उपलब्ध है। पुष्प हमारे देश के समाज में गहराई से जुड़े हुए हैं और इनके बिना कोई भी समारोह पूर्ण नहीं होता है। हमारा घरेलू उद्योग प्रतिवर्ष 7-10 प्रतिशत वार्षिक की दर से बढ़ रहा है।

फूलों की किस्में

पुष्पकृषि उत्पादों में मुख्यतया खुले पुष्प, पॉट प्लांट, कट फ़ोइलेज, सीड्स बल्बस, कंद, रुटेड़ कटिंग्स और सूखे फूल व पत्तियां सम्मिलित है। प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय पुष्पकृषि में खुले गुलाब के फूलों का व्यापार, लाली, गुलदाउदी, गारगेरा, ग्लेडियोलस, जाइसोफिला, लायस्ट्रिस, नेरिन, आर्किड, अर्किलिया, अन्थुरियम, ट्यूलिप और लिलि है। गारव्रेरास, गुलनार आदि फूलों की खेती ग्रीन हाउस (हरित गृह) में की जाती है। खुले खेतो में उगाई जाने वाली फसल गुलदाउदी, गुलाब, गेल्लारड़िया, लिलि, मेरीगोल्ड, तारा, कंदाकार प्रमुख है। फूलों में रैनन क्लाउज, स्वीट, विलियम, डेहलिया, लुपिन, वेरबना, कासमांस आदि के फूल लगा सकते हैं। इसके अलावा गुलाब की प्रजातियों में चाइना मैन, मेट्रोकोनिया फर्स्ट प्राइज, आइसबर्ग और ओक्लाहोमा जैसी नई विविधताएं हैं, जो शर्तिया कमाई देती हैं। इसके साथ-साथ मोगरा, रात की रानी, मोतिया, जूही आदि झाडियों के अलावा साइप्रस चाइना जैसे छोटे-छोटे पेड़ लगा कर अच्छी कमाई की जा सकती है। महाराष्ट्र, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, हरियाणा, तमिलनाडू, राजस्थान, पश्चिम बंगाल आदि प्रमुख पुष्पकृषि केंद्र के रूप में उभरे है।

कैरियर की संभावनाएं

नर्सरी खोल कर स्वरोजगार करें तो अच्छी कमाई हो सकती है। इसके अलावा, फ्लोरल डिजाइनर, लैंडस्केप डिजाइनर, फ्लोरीकल्चर थेरैपिस्ट, ग्राउंडकीपर्स प्लांटेशन ऐक्सपर्ट के अलावा पीएचडी कर के देश की किसी भी एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी में बतौर लेक्चरर नियुक्त हो सकते हैं। फ्लोरीकल्चर हॉर्टिकल्चर की एक शाखा है, जिसमें फूलों की पैदावार, मार्केटिंग, कॉस्मेटिक और परफ्यूम इंडस्ट्री के अलावा फार्मास्यूटिकल आदि शामिल हैं।

योग्यता

जो युवा इस क्षेत्र में अपना भाग्य आजमाने चाहते हैं, उनके लिए अनुभव बेहद जरूरी है। सर्टिफिकेट, डिप्लोमा और डिग्री जैसे कोर्स के लिए 10+2 में बायोलॉजी, फिजिक्स, कैमिस्ट्री के साथ पास होना जरूरी है, लेकिन मास्टर्स डिग्री के लिए एग्रीकल्चर में बैचलर डिग्री जरूरी है। मास्टर्स डिग्री के लिए इंडियन काउंसिल ऑफ एग्रीकल्चर रिसर्च द्वारा ऑल इंडिया एंट्रेंस टैस्ट परीक्षा ली जाती है। गौरतलब है कि किसी भी यूनिवर्सिटी में फ्लोरीकल्चर (ऑनर्स) की पढ़ाई नहीं करवाई जाती, बल्कि बीएससी (एग्रीकल्चर) में एक विषय के तौर पर फ्लोरीकल्चर पढ़ाया जाता है। इस काम के लिए सवा बीघा जमीन काफी है, लेकिन जमीन पांच बीघा हो तो वारे-न्यारे हैं। इसे एक नर्सरी के तौर पर खोला जाए।

आमदनी

कृषि विशेषज्ञों का कहना है कि जागरूक किसान यदि एक हेक्टेयर गेंदा के फूल लगाते हैं तो वे वार्षिक आमदनी 1 से 2 लाख रुपए तक बढ़ा सकते हैं। इतने ही क्षेत्र में गुलाब की खेती करते हैं तो दोगुनी तथा गुलदाउदी की फसल से तकरीबन 7 लाख रुपए तक कमा सकते हैं।

कहां बेचे

दिल्ली में फूलों की सबसे बड़ी मंडी है। इस मंडी में देश-विदेश के फूल व्यापारी खरीद-फरोख्त करते हैं। लगभग सौ कंपनियां फूल उत्पादन व उनके व्यापार में 2500 करोड़ रुपए का पूंजी निवेश कर चुकी हैं। इन कंपनियों के एजेंट हर जगह उपलब्ध हैं। आप अपने खेतों में उत्पन्न फूलों को बेचने के लिए इनसे संपर्क कर सकते हैं। फूल सजावट के काम आते हैं। इससे माला, गजरा, सुगंधित तेल, गुलाब जल, गुलदस्ता, परफ्यूम आदि बनाए जाते हैं। उपरोक्त कार्य के अलावा पुष्प उत्पादक किसानों से आप थोक भाव में फूल खरीद कर मंडी में पहुंचा सकते हैं। विदेशों को निर्यात कर सकते हैं। मंडियों से खरीद कर कस्बों में वितरण कर सकते हैं। लाभ के लिए फूल व्यवसाय उत्तम है।

प्रमुख जुड़े संस्थान

इंडियन एग्रीकल्चर रिसर्च इंस्टीटयूट, नई दिल्लीआनंद एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी आनंद, गुजरातजीबी पंत यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर एंड टेक्नोलॉजी, पंत नगर, उत्तराखंडपंजाब एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी, लुधियाना, पंजाबइलाहाबाद एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी, इलाहाबादबनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, इंस्टीटयूट ऑफ एग्रीकल्चर साइंस फैकल्टी, वाराणसी, उत्तर प्रदेशहिसार एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी, हिसार, हरियाणा

कॉर्पोरेट लॉ में बनाएं करियर

कानून के क्षेत्र में लोगों को अब खूब नौकरियां मिल रही हैं। देश में अदालतें बेशक कम हों लेकिन मुकद्दमों की तादाद लगातार बढ़ती जा रही है इसीलिए दिन-ब-दिन वकीलों की मांग भी बढ़ रही है

कानून के क्षेत्र में लोगों को अब खूब नौकरियां मिल रही हैं। देश में अदालतें बेशक कम हों लेकिन मुकद्दमों की तादाद लगातार बढ़ती जा रही है इसीलिए दिन-ब-दिन वकीलों की मांग भी बढ़ रही है। देश का कानून इतना व्यापक है कि स्पैशलाइजेशन की जरूरत बढ़ जाती है, बिल्कुल मेडीकल फील्ड की तरह। आप अपनी रुचि के अनुसार किसी विशेष क्षेत्र के कानून के विशेषज्ञ के रूप में पहचान बना सकते हैं। यह क्षेत्र एडमिनिस्ट्रेटिव लॉ, कॉन्सटिट्यूशन लॉ, फैमिली लॉ, इंटरनंशनल लॉ, साइबर लॉ, लेबर लॉ, पेटैंट लॉ, एन्वायरनमेंट लॉ, कार्पोरेट लॉ आदि में से कुछ भी हो सकता है।

कैसे बनें कार्पोरेट लॉयर

यह लीगल फील्ड का उभरता स्वरूप है। बड़े बिजनेस हाऊसेज और सरकारी विभागों को भी कई जटिल कानूनी मामलों का सामना करना पड़ता है। इन्हें हल करने के लिए कार्पोरेट लॉयर्स की मांग बड़ी तेजी से बढ़ रही है। इनका काम कम्पनी के संचालन में कानूनी नियमों का पालन सुनिश्चित करना कम्पनी से जुड़े मुकद्दमों की पैरवी करना, कम्पनी के लिए कॉन्ट्रैक्ट्स तैयार करना आदि होता है। कार्पोरेट कम्पनियों में मिलने वाले आकर्षक वेतन के चलते युवा इस तरफ आकर्षित हो रहे हैं।

समय से आगे चलने और दुनियां की भीड़ से कुछ अलग कर गुजरने की हिम्मत किसी-किसी में होती है। वैश्वीकरण के फलस्वरूप बाजार की वृहत्ता में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कम्पनियां एक साथ काम कर रही हैं जिनको प्राधिकृत करने के लिए सरकार ने नियमों की रचना की है। इसमें से कुछ नियम सरकार द्वारा तथा कुछ कम्पनियों द्वारा खुद ही तय किए जाते हैं। सरकारी नियमों के अलावा कम्पनियां कर्मियों, ग्राहकों या सहयोगियों के लिए अपने भी नियम बनती हैं। ऐसे ही नियमों की गुत्थियों को समझने और उनकी प्राथमिकताओं को पूरा करने का भार कार्पोरेट लॉ के जानकारों का होता है। कार्पोरेट लॉ फर्म अपने ग्राहक की टेक्स प्लानिंग से लेकर, कर्मियों, सहयोगियों, शेयरधारकों यहां तक कि किरायों और समझौतों की संपूर्ण रूपरेखा बनाते हैं। कार्पोरेट लॉ फर्म किसी भी कंपनी की रीढ़ होती है, जिसके द्वारा किए गए काम से ही कंपनी की वार्षिक आमदनी और उपलब्धियों का आकलन किया जाता है। नियमों में पारदर्शिता और स्थिरता कंपनी का भविष्य तय करती है।

कार्पोरेट लॉ का कार्यक्षेत्र

- कम्पनी के टैक्सों का आकलन और निष्पादन
- नए संस्थानों के गठन की संरचना
- लाइसेंस समझौता बनाना
- बौद्धिक संपत्तियों को संरक्षित करना
- शेयरधारकों के लिए नियम बनाना
- विक्रय तथा वितरक समझौते की रूप-रेखा तैयार करना
- ट्रेड मार्क और कॉपीराइट नियमों का निष्पादन करना
- कर्मियों के लिए कम्पनी अधिनियमों के अनुरूप नियम बनाना
- नए व्यवसायों के लिए लाभ हानि की सलाह देना आदि।

कैसे मिलेगा प्रवेश

दसवीं के बाद लॉ की पढ़ाई शुरू की जा सकती है। कई यूनिवर्सिटीज और प्राइवेट कॉलेजों में पांच वर्षीय बी.ए. एल.एल.बी. कोर्स कराया जाता है। अगर आप ग्रेजुएट हैं, तो 3 वर्षीय एल.एल.बी. कोर्स के बाद इस क्षेत्र में करियर शुरू कर सकते हैं। एंट्रेंस एग्जाम में बैठने के लिए दसवीं में कम से कम 55 प्रतिशत अंक होने चाहिए। देश के विभिन्न नैशनल लॉ स्कूल्स में एडमिशन कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट (सी.एल.ए.टी.) के माध्यम से होता है। अन्य संस्थान लॉ कोर्सेज के लिए अलग-अलग एंट्रेंस एग्जाम्स आयोजित करते हैं। कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट में आमतौर पर इंगलिश, लॉजिकल रीजनिंग, लीगल रीजनिंग, मैथमैटिक्स और जनरल नॉलेज से जुड़े सवाल पूछे जाते हैं। अगर आप विदेश जाकर लॉ की पढ़ाई करना चाहते हैं तो वहां एडमिशन की प्रक्रिया अलग हो सकती है।

03-07-2025 Final_03-07-2025 Final.qxd 7/2/2025 11:35 PM Page 8

वैश्विक अर्थव्यवस्था की इंक्रीमेंटल ग्रोथ में भारत की हिस्सेदारी 6.7 प्रतिशत

- अकेले एसबीआई का योगदान 1.1 प्रतिशत

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत ने वित्त वर्ष 25 में वैश्विक अर्थव्यवस्था की वृद्धिशील वृद्धि में लगभग 6.7 प्रतिशत का योगदान दिया और अकेले भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की वृद्धिशील वृद्धि में 1.1 प्रतिशत की हिस्सेदारी है। एसबीआई रिसर्च की एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। रिपोर्ट में वैश्विक आर्थिक मोर्चे पर भारत के मजबूत प्रदर्शन पर प्रकाश डाला गया है, जिसने वित्त वर्ष 25 के दौरान

वैश्विक जीडीपी में कुल वृद्धि में 297 बिलियन अमरीकी डॉलर जोड़े। इसमें कहा गया है, वैश्विक स्तर पर, भारत ने वित्त वर्ष 25 में वृद्धिशील वैश्विक जीडीपी में लगभग 6.7 प्रतिशत का योगदान दिया।

वित्त वर्ष 25 में विश्व अर्थव्यवस्था में 4,118 बिलियन अमरीकी डॉलर की वृद्धि हुई और इसमें भारत की हिस्सेदारी 297 बिलियन अमरीकी डॉलर थी। इसका मतलब है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में कुल वृद्धि में भारत का योगदान लगभग 7 प्रतिशत था, जो वैश्विक विकास में अग्रणी योगदानकर्ताओं में से एक के रूप में इसके बढ़ते महत्व और ताकत को दर्शाता है। रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया है कि भारत के योगदान में से, अकेले एसबीआई ने अपनी संपत्ति के आकार के माध्यम से 44 बिलियन अमरीकी डॉलर जोड़े। एसबीआई का यह योगदान वित्त वर्ष 25 में वैश्विक जीडीपी में कुल वृद्धि का लगभग 1.1 प्रतिशत है।

112 ग्रामीण जिलों में प्रति व्यक्ति औसत आय 2000 डॉलर के पार

बढ़ेगी खरीदारी

नईदिल्ली, एजेंसी। ग्रामीण भारत में आर्थिक प्रगति के मजबूत संकेत दिख रहे हैं। एचडीएफसी सिक्योरिटीज की रिपोर्ट के अनुसार, 112 ग्रामीण जिलों में प्रति व्यक्ति औसत आय अब 2,000 डॉलर को पार कर गई है। इन इलाकों में 29.1 करोड़ लोग रहते हैं। आय वृद्धि से स्मार्टफोन, वाहन और ब्रांडेड सामान जैसे गैर जरूरी उत्पादों और सेवाओं की मांग में वृद्धि होने की उम्मीद है।

रिपोर्ट के अनुसार, महाराष्ट्र, केरल, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश जैसे राज्य अपनी मजबूत अर्थव्यवस्थाओं और विकास योजनाओं के कारण ग्रामीण उत्थान की इस कहानी का नेतृत्व कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश को छोड़कर लगभग हर राज्य में ग्रामीण प्रति व्यक्ति आय 2,000 डॉलर से अधिक है। ग्रामीण उद्योग क्षेत्र का मूल्य 2024-25 में 29 लाख करोड़ था। यह तीन वर्षों में 7.1 प्रतिशत की दर से बढ़ा है। विनिर्माण क्षेत्र में 5 फीसदी की धीमी वृद्धि रही। निर्माण (8.7 प्रतिशत), यूटिलिटी (6.9 प्रतिशत) और खनन (13.5 प्रतिशत) ने अच्छा प्रदर्शन किया।

अन्य क्षेत्रों से कम रही कृषि की वृद्धि दर- ग्रामीण सेवा क्षेत्र में प्रति व्यक्ति औसत आय अब ज्यादातर राज्यों में 3,000 डॉलर के पार है।

बैंक ऑफ बड़ौदा की रिपोर्ट

अमेरिकी फेड सितंबर से पहले ब्याज दरों में कटौती फिर से शुरू नहीं कर सकता

नईदिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ओर से सितंबर 2025 से पहले अपने सहजता चक्र (ब्याज दर घटाने के दौर) को फिर से शुरू करने की संभावना नहीं है। बैंक ऑफ बड़ौदा ने अपनी एक रिपोर्ट में यह बात कही है। यह उम्मीद हाल में जारी जॉब ओपनिंग और लेबर टर्नओवर सर्वे के आधार पर जताई गई है।

सर्वे में मई 2025 के दौरान उम्मीद से अधिक मजबूत जॉब ओपनिंग दिखी है। डेटा से पता चला है कि मई 2025 में अमेरिका में जॉब ओपनिंग बढ़कर 7.76 मिलियन हो गई। यह अप्रैल 2025 में 7.39 मिलियन थी। हालांकि, हेल्थकेयर और बिजनेस सर्विसेज सेक्टर में बड़ी गिरावट के साथ हायरिंग घटकर 5.5 मिलियन रह गई।

रिपोर्ट में बताया गया है कि मिश्रित श्रम बाजार डेटा के अनुसार नौकरी की उपलब्धता मजबूत बनी हुई है, लेकिन वास्तविक हायरिंग गतिविधि धीमी हो रही है। रिपोर्ट में यूएस फेडरल रिजर्व चेयर की टिप्पणियों पर भी प्रकाश डाला गया, जिन्होंने दोहराया कि फेड प्रतीक्षा करें और देखें मोड में रहना जारी रखेगा।

केंद्रीय बैंक ब्याज दरों पर कोई भी निर्णय लेने से पहले हाल के टैरिफ उपायों के आर्थिक प्रभाव का सावधानीपूर्वक आकलन कर रहा है। इस बीच, अमेरिकी विनिर्माण क्षेत्र में सुधार के कुछ संकेत दिखाई दिए। आईएसएम मैन्युफैक्चरिंग परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) जून में बढ़कर 49 हो गया, जो मई में 48.5 से छह महीने का उच्चतम स्तर है। सुधार के बावजूद, सूचकांक 50 अंक से नीचे बना हुआ है, जो निरंतर संकुचन को दर्शाता है। आईएसएम मैन्युफैक्चरिंग डेटा के मूल्य सूचकांक घटक में परिलक्षित मुद्रास्फीति जोखिम बना हुआ है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि निवेशकों से अब श्रम बाजार की प्रवृत्ति के बारे में अधिक जानकारी के लिए आगामी अमेरिकी रोजगार रिपोर्ट पर अपना ध्यान केंद्रित करने की उम्मीद है।

रिपोर्ट में यूके के बारे में बताया गया है कि औसत आवास मूल्य वृद्धि मई में 3.5 प्रतिशत से जून में 2.1 प्रतिशत तक धीमी हो गई। यह नरमी कमजोर मांग को इंगित करती है, संभवतः स्टांप ड्यूटी में हाल ही में हुई बढ़ोतरी के कारण। वैश्विक बॉन्ड बाजार के मोर्चे पर, रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिका और चीन को छोड़कर अधिकांश क्षेत्रों में पैदावार में गिरावट आई है। सीनेट की ओर से ट्रम्प प्रशासन के खर्च विधेयक को पारित करने के बाद यूएस 10-वर्षीय ट्रेजरी पैदावार में 1 आधार अंक की वृद्धि हुई। भारत में, वैश्विक तेल की कीमतों में गिरावट के बाद 10-वर्षीय सरकारी बॉन्ड पैदावार में 3 आधार अंकों की गिरावट आई। हालांकि, अब यह थोड़ा बढ़कर 6.30 प्रतिशत पर कारोबार कर रहा है, जो वैश्विक बांड बाजारों में हलचल का संकेत है।

सोने के गिरे भाव, 1000 से अधिक सस्ती हुई चांदी

नईदिल्ली, एजेंसी। सोने के भाव आज जहां नरम हैं वहीं, चांदी के रेट में बड़ी गिरावट दर्ज की जा रही है। आज 2 जुलाई बुधवार को 24 कैरेट सोना 173 रुपये प्रति 10 ग्राम सस्ता होकर 97257 रुपये पर खुला है। यह जीएसटी समेत एक लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के पार चला गया है। चांदी के भाव में 1063 रुपये की बड़ी गिरावट है और यह 105900 रुपये प्रति किलो पर आ गई है। जीएसटी के साथ 24 कैरेट सोना जहां 100174 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट से बिक रहा है तो चांदी 109077 रुपये किलो बिक रही है।

बिना जीएसटी सोने के भाव- आईबीजेए रेट्स के मुताबिक 23 कैरेट गोल्ड भी 172 रुपये टूटकर 96868 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव से खुला। वहीं, 22 कैरेट गोल्ड का औसत हाजिर भाव 159 रुपये गिरकर 89087 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट पर खुला। 18 कैरेट गोल्ड का भाव भी 130 रुपये सस्ता होकर 72943 रुपये प्रति 10 ग्राम पर है। जबकि, 14 कैरेट गोल्ड की कीमत 102 रुपये कमजोर होकर 56895 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गई है। इसमें जीएसटी और मेकिंग चार्ज नहीं जुड़ा है। सोने-चांदी के हाजिर भाव इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन ने जारी किए हैं। इनमें जीएसटी नहीं लगा है। हो सकता है आपके शहर में इससे 1000 से 2000 रुपये का अंतर आ रहा हो। आईबीजेए दिन में दो बार रेट जारी करता है। एक बार दोपहर 12 बजे के करीब दूसरा 5 बजे के आसपास।

इस साल कितने बढ़े सोने-चांदी के दाम- सर्राफा बाजारों में इस साल सोना करीब 21517 रुपये और चांदी 19883 रुपये महंगी हो चुकी है। 31 दिसंबर 24 को सोना 76045 रुपये प्रति 10 के रेट से खुला था और चांदी 85680 रुपये प्रति किलो से। इस दिन सोना 75740 रुपये पर बंद हुआ। चांदी भी 86017 रुपये प्रति किलो पर बंद हुई थी। वहीं, केवल जून में ही सोने के भाव में जहां, 2103 रुपये की उछाल रही वहीं, चांदी ने 9624 रुपये उछली।

तेजी से उद्यमी बन रहे इन्फ्लुएंसर

3375 करोड़ का होगा उद्योग; फिल्मी कलाकारों से ले रहे टक्कर

नईदिल्ली, एजेंसी। लाखों फॉलोअर्स, कहानियों को गढ़ने और लोगों के दिमाग में विश्वास के साथ अपनी छाप छोड़ रहे इन्फ्लुएंसर अब तेजी से उद्यमी बन रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि भारत में इन्फ्लुएंसर से संस्थापक बनने की कहानी एक स्वाभाविक विकास है। यह प्रभावशाली मार्केटिंग के अलावा नए मूल्य को भी जन्म दे सकती है। कंसल्टेंसी फर्म अर्न्स्ट एवं यंग (ईवाई) के अनुसार, इस क्षेत्र का मार्केटिंग उद्योग 2026 तक 3,375 करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है। ट्रेंडिंग ऑडियो, वायरल फिल्टर से शुरुआत करने वाले अब भारत के शीर्ष सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर अब फैशन की दुनिया में भी आ रहे हैं। ब्यूटी, फैशन और उससे भी आगे के ब्रांड के मालिक बन रहे हैं। कुशा कपिला, नितिभा कौल, नीतू बिष्ट और सनी चोपड़ा जैसे कंटेंट क्रिएटर उद्यमिता में अपना हाथ आजमा रहे हैं। ये अब कैटरीना कैफ और कृति सनोन जैसी लोकप्रिय बॉलीवुड हस्तियों के साथ प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। इन इन्फ्लुएंसर की रणनीति यह है कि फॉलोअर्स के सूक्ष्म समुदायों को आकर्षित किया जाए, जिनकी संख्या 10 लाख से एक करोड़ तक हो सकती है।

सबसे बड़ा विज्ञापन चैनल बनने के लिए प्रेरित किया

वैश्विक शोध फर्म इन्फ्लुएंसर मार्केटिंग हब के अनुसार, इन्फ्लुएंसर मार्केटिंग ने सोशल मीडिया को दुनिया का सबसे बड़ा विज्ञापन चैनल बनने के लिए प्रेरित किया है। 2024 में 247.3 अरब डॉलर के वार्षिक खर्च के साथ पेड सर्च को पीछे छोड़ दिया है। भारत प्रमुख बाजारों में तीसरे स्थान पर रहा। इन्फ्लुएंसर से उद्यमी बनना क्रिएटर इकनॉमी में एक स्वाभाविक विकास है। जो चीज उन्हें अलग बनाती है, वह है उनके दर्शकों के साथ उनका गहरा, प्रामाणिक संबंध। यह संबंध विश्वास में बदल जाता है, जो आज किसी ब्रांड को लॉन्च करते समय सबसे मूल्यवान है।

अयोध्या बाईपास का 1200 करोड़ का ठेका इस कंपनी को मिला

नईदिल्ली, एजेंसी। सीजल इंडिया को उत्तर प्रदेश में बड़ा प्रोजेक्ट मिला है। अयोध्या बाईपास बनाने की जिम्मेदारी इस इन्फ्रास्ट्रक्चर कंपनी को मिली है। एनएचएआईने कंपनी को 35 किमी लंबी बाईपास सड़क बनाने की जिम्मेदारी सौंपी है। इस अच्छी खबर का असर सीगल इंडिया के शेयरों पर भी दिखा। कंपनी के शेयर बीएसई पर मंगलवार को 271.45 पर बंद हुए, जो पिछले भाव से 17.80 यानी 7.02 प्रतिशत की तेजी दर्शाता है। आज भी इस पर निवेशकों का फोकस रहेगा। इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी सीगल इंडिया ने मंगलवार, 1 जुलाई को बताया कि उसकी सहायक कंपनी सीगल नॉर्दर्न अयोध्या बाईपास प्राइवेट लिमिटेड को एनएचएआईसे अयोध्या में एक बड़ा सड़क प्रोजेक्ट मिला है। इस प्रोजेक्ट की कुल लागत 1,199.30 करोड़ रुपये है। कंपनी को उत्तर प्रदेश में 35.40 किलोमीटर लंबा 4/6 लेन वाला उत्तरी अयोध्या बाईपास बनाना होगा।

कब शुरू होगा प्रोजेक्ट

सीगल इंडिया ने स्टॉक एक्सचेंज को बताया कि एनएचएआई ने 1 जुलाई का लेटर भेजकर 9 जुलाई, 2025 को इस प्रोजेक्ट की आधिकारिक शुरुआत की तारीख घोषित कर दी है। इसका मतलब है कि काम औपचारिक रूप से इसी दिन से शुरू हो जाएगा। यह सीगल का एनएचएआई से मिलने वाला हालिया प्रोजेक्ट नहीं है। पिछले मार्च में भी कंपनी को एनएचएआई ने पंजाब में लुधियाना का साउदर्न बाईपास बनाने का ठेका दिया था। यह 25.24 किमी लंबा 6-लेन ग्रीनफील्ड बाईपास होगा, जो लुधियाना-अजमेर इकॉनामिक कॉरिडोर का हिस्सा है। इसकी अनुमानित लागत 864.97 करोड़ थी, लेकिन ठेके की कीमत 1,063.79 करोड़ है। सीगल ने इसे 923 करोड़ में जीता था और इसे 24 महीने में पूरा करना है।

वेतन विवाद पर इंडियन ऑयल की बॉटलिंग प्लांट में प्रदर्शन

विपक्ष का तृणमूल पर सिंडिकेट राज का आरोप

नईदिल्ली, एजेंसी। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगाना जिले के बजबज स्थित इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड की एलपीजी बॉटलिंग प्लांट में वेतन संबंधी विवाद विरोध में बदल गया है। दरअसल, एलपीजी ट्रांसपोर्टरों और उनके ड्राइवरों के बीच वेतन को लेकर विवाद चल रहा था। विरोध प्रदर्शन मंगलवार की रात को शुरू हुआ। इसके कारण अस्थायी रूप से उत्पादन बाधित हुआ। साथ ही इसे लेकर राजनीतिक घमासान भी शुरू हो गया।

बीजेपी नेता और राज्य विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी ने इस घटना से संबंधित एक्स पर एक पोस्ट किया। उन्होंने आरोप लगाया कि यह घटना तृणमूल कांग्रेस के शासन में तहत बढ़ती अराजकता और सिंडिकेट राज को दर्शाती है। इसके अलावा उन्होंने दो वीडियो भी साझा किए, जिनमें प्रदर्शनकारियों को सिलेंडरों से एलपीजी छोड़ते हुए दिखाया गया, जिससे क्षेत्र में दहशत फैल गई।

अधिकारी ने विरोध प्रदर्शन का वीडियो किया शेयर - अधिकारी ने वीडियो साझा करते हुए दावा किया कि कल का विरोध प्रदर्शन, जिसमें गुस्साए श्रमिकों ने सिलेंडरों से गैस सड़कों पर छोड़ी थी, भयावह हो सकता था। अगर एक चिंगारी भी लग जाती तो बजबज

बॉटलिंग प्लांट के नजदीक बीबीआईटी कॉलेज, जगन्नाथ गुप्ता मेडिकल कॉलेज और आसपास के इलाकों में भारी तबाही हो सकती थी। उन्होंने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस के आपसी गुट लोडिंग और अनलोडिंग के ठेकों को लेकर आपस में भिड़ रहे हैं, जिससे कामगारों की जान खतरे में पड़ रही है।

कांग्रेस ने अधिकारी पर किया पलटवार

अधिकारी के आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए तृणमूल कांग्रेस के प्रवक्ता देबांग्शु भट्टाचार्य ने कहा कि यह एक औद्योगिक विवाद था और पुलिस ने समय पर कार्रवाई की। सुवेंदु अधिकारी को अपने अतीत में झांकना चाहिए। वह खुद भी सिंडिकेट चलाते थे और अब भी चलाते हैं।

कंपनी का इस विवाद से कोई सीधा लेना-देना नहीं है- इंडियन ऑयल के एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि यह विवाद वेतन को लेकर ट्रांसपोर्टर्स और उनके ड्राइवरों के बीच था। कंपनी का इससे कोई सीधा लेना-देना नहीं है। उन्होंने बताया कि अशांति के कारण शनिवार से ही उत्पादन और डिस्पैच पर असर पड़ा था। हालांकि वैकल्पिक स्रोतों से सिलेंडर आपूर्ति जारी रखी गई। अब बजबज प्लांट में उत्पादन दोबारा शुरू हो गया है। बजबज सुविधा आमतौर पर प्रतिदिन करीब 45,000 से 50,000 सिलेंडर भरती है। यह कोलकाता की एलपीजी मांग का एक महत्वपूर्ण हिस्सा पूरा करती है।

कैब कंपनियों के लिए सरकार के नए नियम

पीक ऑवर में ले सकेंगी डबल किराया

नईदिल्ली, एजेंसी। सरकार ने ओला, उबर, इनड्राइव और रैपिडो जैसी कैब कंपनियों को पीक ऑवर के वक्त किराया बढ़ाने की छूट बढ़ा दी है। पहले ये कंपनियां बेस किराए से सिर्फ डेढ़ गुना तक ही किराया बढ़ा सकती थीं। अब सरकार ने नए नियमों में उन्हें बेस किराए से दोगुना तक किराया बढ़ाने की इजाजत दे दी है। हालांकि, कम भीड़ वाले समय में किराया बेस किराए के आधे (50 प्रतिशत) से कम नहीं होगा।

राज्यों को तीन महीने का समय- केंद्र सरकार ने सभी राज्यों से कहा है कि वे इन नए नियमों को अगले तीन महीनों के भीतर लागू कर दें। सरकार चाहती है कि पीक ऑवर के समय यात्रियों पर ज्यादा बोझ न पड़े। साथ ही, ये भी सुनिश्चित करना है कि कंपनियां बहुत ज्यादा छूट देकर एक-दूसरे के साथ गलत प्रतिस्पर्धा न करें।

कैंसिल करने पर जुर्माने का नया नियम- ड्राइवर कैंसिल करे तो- अगर ड्राइवर ऐप पर राइड स्वीकार करने के बाद बिना कोई ठोस कारण बताए यात्रा कैंसिल कर देता है, तो उस पर किराए का 10 प्रतिशत या अधिकतम 100 रुपये (जो भी कम हो) का जुर्माना लगेगा। यह जुर्माना ड्राइवर और कंपनी (एग्रीगेटर) के बीच बांटा जाएगा। यात्री कैंसिल करे तो- अगर यात्री बुकिंग रद्द करता है, तो उससे भी ऐसा ही जुर्माना लिया जाएगा।

ड्राइवरों के लिए बीमा अनिवार्य- अब कैब कंपनियों को ये सुनिश्चित करना होगा कि उनके सभी ड्राइवरों के पास कम से कम 5 लाख रुपये का हेल्थ इंश्योरेंस और कम से कम 10 लाख रुपये का टर्म इंश्योरेंस हो।

बेस किराया कौन तय करेगा- अब ऑटो-रिक्शा और बाइक टैक्सी भी इन नियमों के दायरे में आ गए हैं। राज्य सरकारें अलग-अलग तरह की गाड़ियों (टैक्सी, ऑटो, बाइक टैक्सी) के लिए बेस किराया तय करेंगी। उदाहरण के लिए, दिल्ली और मुंबई में टैक्सी का बेस किराया लगभग 20-21 रुपये प्रति किमी है, जबकि पुणे में यह 18 रुपये प्रति किमी है। अगर किसी राज्य ने बेस किराया तय नहीं किया है, तो कंपनियों को खुद बेस किराया तय करके राज्य सरकार को बताना होगा।

खाली चलने का किराया नहीं- अच्छी खबर यह है कि यात्रियों से अब खाली चलने का किराया नहीं लिया जाएगा। खाली चलने का मतलब वह दूरी, जो ड्राइवर यात्री को लेने आने में तय करता है। सिर्फ एक हालत में लिया जाएगा- अगर यात्री को लेने आने की दूरी 3 किलोमीटर से कम हो। इसके अलावा,

इधर ट्रंप ने दी धमकी उधर मस्क को 12 अरब डॉलर से अधिक का लगा झटका

नईदिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क के बीच बीच तकरार बढ़ती जा रही है। 'वन बिग ब्यूटीफुल बिल' पर शुरू हुए विवाद में दोनों एक-दूसरे को धमकियां दे रहे हैं। ट्रंप ने एलन मस्क की कंपनियों की सब्सिडी में कटौती की धमकी दी। उन्होंने कहा कि ऐसा हुआ तो मस्क को अपनी दुकान बंद करनी पड़ेगी और सबकुछ छोड़कर दक्षिण अफ्रीका वापस जाना पड़ जाएगा। इस पर मस्क ने कहा, 'सब कुछ बंद कर दीजिए, मैं तैयार हूं।'

12.1 अरब डॉलर का झटका- इस बीच अमेरिकी शेयर मार्केट में एलन मस्क की कंपनी टेस्ला के शेयर 5 फीसद से अधिक टूट गए। इससे मस्क को मंगलवार को 12.1 अरब डॉलर का झटका लगा। ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स के मुताबिक एक ही दिन में एलन मस्क का नेटवर्थ 12.1 अरब डॉलर घटकर 351 अरब डॉलर रह गया।

एलन मस्क को सबसे ज्यादा सब्सिडी- डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर कहा, 'एलन मस्क को शायद इतिहास में किसी भी इंसान से ज्यादा सब्सिडी मिलती है। बिना सब्सिडी के उनको अपनी दुकान बंद करके दक्षिण अफ्रीका जाना होगा। सब्सिडी रुकी तो फिर रॉकेट लॉन्च, सैटेलाइट या इलेक्ट्रिक कार उत्पादन नहीं हो सकेगा। इतना ही नहीं ट्रंप ने सरकारी कार्यदक्षता विभाग (डीओजीई) के कामकाज की जांच की बात भी कह दी है।

मस्क बोले- सब्सिडी पर निर्भर नहीं- बता दें ट्रंप ने एलन मस्क की कंपनियों की सब्सिडी में कटौती की धमकी दी। उन्होंने कहा कि ऐसा हुआ तो मस्क को बिजनेस छोड़कर दक्षिण अफ्रीका वापस जाना पड़ जाएगा। इस पर मस्क ने कहा, 'सब कुछ बंद कर दीजिए, मैं तैयार हूं।' ट्रंप ने कहा कि टेस्ला और स्पेसएक्स जैसी कंपनियों को मिल रही सब्सिडी खत्म कर दी जाएगी। इस पर मस्क ने एक्स पर पलटवार करते हुए कहा, अभी सब कुछ बंद कर दीजिए। वे किसी सब्सिडी पर निर्भर नहीं हैं।

03-07-2025 Final_03-07-2025 Final.qxd 7/2/2025 11:35 PM Page 9

छह साल की उम्र में थामा बैडमिंटन, अब जूनियर वर्ल्ड नंबर 1 बनीं भारत की तन्वी शर्मा

नई दिल्ली, एजेंसी। पंजाब की गोल्डन गर्ल तन्वी शर्मा बैडमिंटन में जूनियर वर्ल्ड नंबर 1 बन गई हैं। तन्वी हाल ही में बीडब्लूएफ सुपर 300 यूएस ओपन 2025 में महिला एकल वर्ग में उपविजेता रहीं थी। महिला एकल के फाइनल में 16 वर्षीय तन्वी शर्मा को शीर्ष वरीयता प्राप्त अमेरिका की बेइवेन झांग के खिलाफ तीन गेम तक चले कड़े मुकाबले में हार का सामना करते हुए रजत पदक से संतोष करना पड़ा। विश्व टूर स्तर के अपने पहले फाइनल में खेल रही गैर-वरीयता प्राप्त इस किशोर खिलाड़ी को 46 मिनट में 11-21, 21-16, 10-21 से शिकस्त का सामना करना पड़ा। विश्व में 66वें स्थान पर काबिज यह युवा भारतीय शटलर जूनियर विश्व की नंबर 1 खिलाड़ी बन गई है और विश्व बैडमिंटन रैंकिंग में शीर्ष 50 में शामिल हो गई है। उसने बीडब्ल्यूएफ सुपर 300 में अपने अभियान से वैश्विक बैडमिंटन समुदाय को चकित किया जिसमें विश्व की 23वें नंबर की खिलाड़ी सहित कई उच्च रैंक वाली प्रतिद्वंद्वियों को हराकर फाइनल में प्रवेश करना शामिल था। तन्वी अगले महीने होने वाली एशियाई जूनियर चैंपियनशिप में पदक जीतने का लक्ष्य रखकर चल रही है। वह अब गुवाहाटी में भारतीय बैडमिंटन टीम के शिविर में शामिल होगी। टीम अगले महीने इंडोनेशिया में होने वाली एशियाई जूनियर चैंपियनशिप में भाग लेगी। तन्वी ने 6 साल की छोटी सी उम्र में बैडमिंटन खेलना शुरू कर दिया था। शुरू से से ही प्रतिभाशाली रही तन्वी ने प्रतिष्ठित पुलेला गोपीचंद बैडमिंटन अकादमी में चार साल से अधिक समय तक प्रशिक्षण लिया। इस दौरान उसने भारत के कुछ शीर्ष शटलरों के साथ ट्रेनिंग ली जिसने उनके कौशल को निखारा। इस दौरान तन्वी की मां ने भी बेटी के साथ कड़ी मेहनत की और शुरू में उसके खेल को आकार देने और उसकी प्रतिभा को निखारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

गुइरासी के दो गोल से डॉर्टमंड क्वार्टर फाइनल में, गार्सिया के गोल से रियल मैड्रिड भी अंतिम-8 में

लंदन, एजेंसी। सेरहो गुइरासी ने पहले हाफ में दो गोल किए, जिससे बोरूसिया डॉर्टमंड ने क्लब विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट के राउंड ऑफ 16 के मैच में मॉन्टेरी को 2-1 से हरा दिया। गुइरासी ने 14वें और 24वें मिनट में गोल किए जो डॉर्टमंड को क्वार्टर फाइनल में पहुंचाने के लिए पर्याप्त थे। इन दोनों गोल में करीम अदीमी ने उनकी मदद की। वह अपने इस क्लब की तरफ से अभी तक कुल 37 गोल कर चुके हैं। पराजित टीम की तरफ से एकमात्र गोल जर्मन बर्टेरामे ने किया। क्वार्टर फाइनल में डॉर्टमंड का सामना शनिवार को न्यू जर्सी में रियल मैड्रिड से होगा।गोंजालो गार्सिया ने क्लब विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट में अपना तीसरा गोल किया, जिससे रियल मैड्रिड ने राउंड ऑफ 16 में युवेंटस को 1-0 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। स्टार स्ट्राइकर किलियन एमबाप्पे की गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल बीमारी के कारण गार्सिया ने रियल मैड्रिड के सभी चार मैचों में शुरुआत की है।इस 21 वर्षीय खिलाड़ी ने मंगलवार को 54वें मिनट में हेडर से गोल किया जो आखिर में निर्णायक साबित हुआ। गार्सिया को 68वें मिनट में बाहर भेज दिया गया, जबकि एमबाप्पे ने क्लब विश्व कप में पदार्पण किया।

11 लोगों की मौत का मामला: भगदड़ के लिए आरसीबी जिम्मेदार

बेंगलुरु, एजेंसी। केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (कैट) ने चार जून को चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर हुई भगदड़ के लिए प्रथम दृष्टया रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को जिम्मेदार पाया। इस भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई थी। आरसीबी की पहली आईपीएल खिताबी जीत के बाद टीम द्वारा विधान सौधा से विजय परेड और स्टेडियम में प्रशंसकों के साथ जश्न के कार्यक्रम की घोषणा के बाद स्टेडियम के पास एमजी रोड और कुब्बोन रोड इलाकों में लगभग ढाई लाख प्रशंसक उमड़ पड़े थे।

कैट ने कहा, 'इसलिए प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि लगभग तीन से पांच लाख लोगों के एकत्र होने के लिए आरसीबी जिम्मेदार है। आरसीबी ने पुलिस से उचित अनुमति या सहमति नहीं ली। कैट ने अपने अवलोकन में कहा, 'अचानक उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट किया जिसके परिणामस्वरूप लोग एकत्र हो गए।

आरसीबी ने चार जून की सुबह की परेड और प्रशंसकों के कार्यक्रम के बारे में अपने सोशल

कैट ने कहा- पुलिस के पास जादुई शक्तियां नहीं हैं

मीडिया हैंडल पर पोस्ट किया था और न्यायाधिकरण ने पाया कि पुलिस विभाग के पास इतने कम समय में इतनी बड़ी भीड़ को संभालने के लिए पर्याप्त समय नहीं था।

कैट ने कहा, '04.06.2026 को समय की कमी के कारण, पुलिस उचित व्यवस्था करने में असमर्थ थी। पुलिस को पर्याप्त समय नहीं दिया गया। अचानक आरसीबी ने बिना किसी पूर्व अनुमति के उपरोक्त प्रकार का बखेड़ा किया। पुलिस कर्मी भी इंसान हैं। वे न तो भगवान हैं और न ही जादूगर और न ही उनके पास 'अलाद्दीन का चिराग जैसी जादुई शक्तियां हैं जो केवल उंगली रगड़ने से किसी भी इच्छा को पूरा कर सकती हैं।

ऋष्क्क प्रबंधन इस घटनाक्रम पर टिप्पणी करने के लिए उपलब्ध नहीं था। इससे पहले इस घटना के संबंध में आरसीबी और कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ के खिलाफ आरोप लगाए गए थे जिसके कारण ऋष्स्ट्स सचिव ए. शंकर और कोषाध्यक्ष जयराम ने इस्तीफा दे दिया था।

शिखर धवन का खुलासा

जब उसने 200 बनाए, तो मैं समझ गया मेरा करियर खत्म हो गया है

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के धमाकेदार ओपनर शिखर धवन ने पिछले साल 2024 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था जबकि बांग्लादेश के खिलाफ उन्होंने टीम के साथ अंतिम बार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर के तौर पर सफर किया था। इस दौरान उन्होंने तीन पारियों में केवल 18 रन बनाए। इसी दौरे में 24 वर्षीय ईशान किशन ने वनडे में दोहरा शतक जड़कर रिकॉर्ड बनाया और ऐसा करने वाले चौथे भारतीय खिलाड़ी बने। धवन ने खुलासा किया कि जब उन्होंने ईशान को 200 रन बनाते देखा तो उन्हें समझ आ गया था कि अब उनका करियर खत्म हो गया है।

धवन ने एक मीडिया हाउस को इंटरव्यू में कहा, मैं बहुत सारे 50 रन बना रहा था, मैंने 100 रन नहीं बनाए लेकिन मैंने बहुत सारे 70 रन बनाए। जब ईशान किशन ने 200 रन बनाए, तो मेरी अंतरात्मा ने मुझसे कहा, ठीक है बेटा यह तुम्हारे करियर का अंत हो सकता है। मेरे अंदर से एक आवाज आई। और वही हुआ। फिर मुझे याद है कि मेरे दोस्त मुझे भावनात्मक सहारा देने आए थे। उन्हें लगा कि मैं बहुत उदास हो जाऊंगा। लेकिन मैं शांत था, मैं आनंद ले रहा था।

धवन ने बांग्लादेश के खिलाफ उस मुकाबले में 3 रन बनाए और भारत ने 227 रनों की बड़ी जीत दर्ज की। यह आखिरी बार था जब बाएं हाथ का यह बल्लेबाज भारत की तरफ से खेलेगा। जब उनसे पूछा गया कि क्या टीम से बाहर किए जाने के बाद भारतीय टीम के किसी साथी ने उनसे संपर्क किया, तो 39 वर्षीय धवन ने नकारात्मक जवाब दिया और कहा कि टीम में अपनी जगह खोना उनके लिए कोई झटका नहीं है, क्योंकि वह आयु वर्ग के क्रिकेट से ही इसके आदी हैं।

धवन ने कहा, %नहीं, ऐसा नहीं होता (टीम के साथी किसी के बाहर किए जाने के बाद संदेश भेजते हैं)। शायद मैंने राहुल (द्रविड़) भाई से बात की हो। उन्होंने मुझे संदेश भेजा। हर किसी की अपनी यात्रा होती है और वे काम कर रहे होते हैं या दौरे पर होते हैं, यह बहुत सामान्य बात है। हम 14 साल से कम उम्र से इसके आदी हैं, यह पहली बार नहीं है जब मुझे बाहर किया गया या टीम में शामिल किया गया।

जब भारत ने 2013 में चैंपियंस ट्रॉफी जीती, तो उन्होंने शीर्ष स्कोरर होने के लिए प्लेयर-ऑफ-द-टूर्नामेंट का पुरस्कार जीता। उन्होंने 2015 के वनडे विश्व कप और 2017 के चैंपियंस ट्रॉफी में फिर से बल्लेबाजी चार्ट में शीर्ष स्थान हासिल किया। आईसीसी प्रतियोगिताओं में उनका औसत 65 का रहा। अपने करियर के दौरान 167 वनडे मैचों में धवन ने 44.11 की औसत से 6793 रन बनाए, जिसमें 17 शतक और 39 अर्धशतक शामिल हैं। धवन ने 34 टेस्ट की 58 इनिंग्स में 40.61 की औसत और 190 के हाइएस्ट स्कोर के साथ 2315 रन बनाए हैं जिसमें 5 अर्धशतक और 7 शतक शामिल हैं। उन्होंने टी20आई में 68 मैचों में 1759 रन बनाए जिसमें 11 अर्धशतक शामिल थे। टी20आई में धवन का हाइएस्ट 92 रहा।

एशिया कप शेड्यूल -पांच सितम्बर से यूएई में शुरू होगा टूर्नामेंट, जानें कब होगा भारत-पाकिस्तान मैच

नई दिल्ली, एजेंसी। एशिया कप 5 सितंबर को शुरू होने की संभावना है जबकि खिताबी मुकाबला 21 सितंबर को होगा। एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) ने 17 दिन की अवधि को लगभग अंतिम रूप दे दिया है और भारत शुरुआती मैच में 7 सितंबर को पाकिस्तान से भिड़ेगा। मेजबान भारत सहित सभी भाग लेने वाले देश यूएई में खेले जाने वाले टूर्नामेंट के लिए अपनी-अपनी सरकारों से मंजूरी लेने के करीब हैं।

भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश, अफगानिस्तान और यूएई भाग लेने वाले देश होंगे और बहु-राष्ट्र आयोजन ग्रुप चरण और सुपर फोर प्रारूप का पालन करने के लिए तैयार है। इसका मतलब है कि भारत बनाम पाकिस्तान मुकाबला कम से कम दो बार देखने को मिलेगा। दूसरा मुकाबला 14 सितंबर को हो सकता है।

टूर्नामेंट की तैयारियां शुरू हो गई है और आधिकारिक प्रसारक सोनी ने एक पोस्टर भी साझा किया है। एशिया कप पर नए घटनाक्रम उन सभी हितधारकों के लिए स्वागत योग्य समाचार है जो बहु-राष्ट्रीय आयोजनों में भारत-पाकिस्तान की भिड़ंत पर भरोसा कर रहे थे। हाल ही में सीमा पार तनाव ने स्थिति को थोड़ा जटिल बना दिया था, लेकिन यूएई में दोनों पक्षों के आमने-सामने होने के साथ, वैश्विक टूर्नामेंटों में इस मुकाबले का भविष्य उज्ज्वल दिखाई देता है।

बांग्लादेश, पाकिस्तान और श्रीलंका अगले तीन संस्करणों के आधिकारिक मेजबान होने जा रहे हैं और टूर्नामेंट का प्रारूप बदलता रहेगा। 2027 में एशिया कप वनडे, 2029 में वापस टी20आई और 2031 में श्रीलंका में होने वाले संस्करण के लिए वनडे प्रारूप में खेला जाएगा।

टेस्ट मैच में हार के बाद गेंदबाजो को जिम्मेदार ठहराने पर अश्विन ने पूछा सवाल, डैडी हंड्रेड कहां हैं?

नई दिल्ली, एजेंसी। रविचंद्रन अश्विन ने पहले टेस्ट में इंग्लैंड से मिली हार के बाद भारतीय गेंदबाजों की आलोचना करने वाले प्रसारकों की निंदा की है। भारत पहले टेस्ट के पांचवें दिन सिर्फ 5 विकेट ही ले सका जबकि इंग्लैंड ने 371 रन के रिकॉर्ड लक्ष्य को हासिल किया। अश्विन ने माना कि भारत की गेंदबाजी उम्मीद के मुताबिक नहीं हुई लेकिन उनका मानना है कि गेंदबाजों पर हार का पूरा दोष मढ़ देना यह गलत बात है।

अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, जब पहले टेस्ट में 370 रन का लक्ष्य हासिल कर लिया गया, तो मुझे लगा कि कमेंट्री भारतीय गेंदबाजों के बारे में अपमानजनक हो गई। मुझे लगा कि जो कहानी बनाई गई वह इस ओर इशारा कर रही थी कि भारतीय गेंदबाज मैच जीतने में कैसे विफल रहे। लेकिन थोड़ा होमवर्क करने पर कई लोगों को एहसास हो गया होगा कि इंग्लैंड में लगातार चौथी पारी में स्कोर का पीछा किया गया है।

साथ ही अश्विन ने कहा, बल्लेबाजों को जिम्मेदारी लेनी चाहिए। मैं जानता हूं कि बल्लेबाज रन बना रहे हैं। हां, हमारे पांच शतक हैं, लेकिन डैडी हंड्रेड कहां हैं? हमें इस तथ्य को स्वीकार करना होगा कि निचले क्रम से कोई योगदान नहीं रहा। हमारे तेज गेंदबाज बल्लेबाजी नहीं कर सकते, वे रन नहीं बना सकते।

आगे अश्विन ने कहा, टेस्ट में मुझे लगता है कि मेडन ओवर को काफी कम आंका जाता है। आदर्श रूप से मुझे बुमराह द्वारा उच्च इकॉनमी रेट के साथ जाने से कोई दिक्कत नहीं होगी, लेकिन अन्य को कम जाना चाहिए। मैंने एक शो देखा जिसमें किसी ने कहा कि सिराज विकेट नहीं ले पाने के कारण बदकिस्मत रहे।

मैं इस बात से सहमत हूं कि उन्होंने दूसरी पारी में अच्छी गेंदबाजी की, लेकिन इकॉनमी रेट आप इसे छोड़ नहीं सकते और उम्मीद नहीं कर सकते कि चीजें ठीक हो जाएंगी। टेस्ट में आपको पहले दिन से धीरे-धीरे अपनी गेंदबाजी को मजबूत करना होता है और इसका फल अंतिम पारी में मिलता है।

दिल्ली प्रीमियर लीग में दो नई टीमें जुड़ी, पंत सहित 10 से अधिक आईपीएल खिलाड़ी नीलामी में

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ ने मंगलवार को दूसरे सीजन से पहले दिल्ली प्रीमियर लीग में दो नई पुरुष फ्रेंचाइजी जोड़ने की घोषणा की। आउटर दिल्ली फ्रेंचाइजी को सबसे अधिक बोली लगाने वाले सविता पेंट्स प्राइवेट लिमिटेड के नेतृत्व वाले कंसोर्टियम ने 10.6 करोड़ रुपए में हासिल किया। नई दिल्ली फ्रेंचाइजी को भीमा टोलिंग एंड ट्रैफिक सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड और क्रेयॉन एडवरटाइजिंग लिमिटेड के कंसोर्टियम ने 9.2 करोड़ रुपए में खरीदा।

इससे लीग में पुरुष टीमों की संख्या 6 से बढ़कर आठ हो गई है। दो नई टीमें टूर्नामेंट के 2025 संस्करण के लिए छह मौजूदा फ्रेंचाइजी जिसमें सेंट्रल दिल्ली किंग्स, ईस्ट दिल्ली राइडर्स, नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स, पुरानी दिल्ली 6, साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज और वेस्ट दिल्ली लायंस शामिल हैं, हिस्सा लेंगी। सीजन 2 के लिए खिलाड़ियों की नीलामी 6 और 7 जुलाई को राजधानी में होगी। पुरुषों की नीलामी 6 जुलाई को होगी, उसके बाद महिलाओं की नीलामी 7 जुलाई को होगी।

दिलचस्प बात यह है कि पुरुषों की नीलामी में कई बेहतरीन खिलाड़ी शामिल होंगे जिनमें ऋषभ पंत, इशांत शर्मा जैसे नामी खिलाड़ी और प्रियांश आर्य, आयुष बडोनी, हर्षित राणा, दिग्वेश राठी, हिम्मत सिंह, सुयश शर्मा, मयंक यादव और अनुज रावत जैसे उभरते सितारे शामिल हैं। ष्ठक्क की वापसी पर बोलते हुए अध्यक्ष रोहन जेटली ने कहा, दिल्ली प्रीमियर लीग सिर्फ एक टूर्नामेंट नहीं है, यह राजधानी की गहरी जड़ें जमाए क्रिकेट संस्कृति का जश्न है। सीजन 1 में हमने जिस तरह की प्रतिभा देखी, वह वाकई आशाजनक थी और इस विस्तार के साथ हम और भी ज़्यादा खिलाड़ियों को चमकने का मंच दे रहे हैं।

उन्होंने कहा, प्रियांश आर्य, दिग्वेश राठी और कई अन्य प्रतिभाएं जरिए उभरीं और ढ्ढक्क 2025 के दौरान अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया जिससे भविष्य के सितारों के लिए लीग के महत्व को साबित किया जा सका। जुलाई में होने वाली नीलामी सीजन के लिए माहौल तय करेगी और हम यह सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहे हैं कि यह अनुभव फ्रैंचाइजी, खिलाड़ियों और प्रशंसकों के लिए समान रूप से सहज और प्रभावशाली हो। हम सीजन 2 को लीग की यात्रा में एक ऐतिहासिक क्षण बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

गौरतलब है कि डीपीएल का सीजन 2 एक बार फिर नई दिल्ली के प्रतिष्ठित अरुण जेटली स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। खिलाड़ियों की नीलामी पूरी होने के बाद मैच की तारीखों और कार्यक्रमों की घोषणा की जाएगी।

03-07-2025 Final_03-07-2025 Final.qxd 7/2/2025 11:35 PM Page 10

ओमंग कुमार की फिल्म सिला में नजर आएंगे हर्षवर्धन राणे

सनम तेरी कसस फिल्म से सबके दिलों में छा जाने वाले अभिनेता हर्षवर्धन राणे अब एक शानदार फिल्म में नजर आने वाले हैं, जिसका पोस्टर और टाइटल रिवील कर कर दिया गया है। बीते दिनों अभिनेता को इस आगामी फिल्म की तैयारी करते हुए देखा गया था।

हर्षवर्धन राणे की आगामी फिल्म का फर्स्ट लुक रिलीज कर दिया गया है। इसे अभिनेता ने अपने इंस्टग्राम पर शेयर किया है। इस पोस्टर में अभिनेता के साथ सादिया खतीब नजर आ रही हैं, जिसमें एक्टर ने सादिया को जोर से पकड़ रखा है। इसके साथ ही दोनों को घायल अवस्था में देखा जा सकता है, जिसमें वे खून से लथपथ दिख रहे हैं। इस पोस्टर को रिलीज करते हुए फिल्म निर्माताओं ने फिल्म के टाइटल का भी एलान कर दिया है। इस फिल्म का नाम है सिला।

फिल्म के बारे में

हर्षवर्धन राणे और सादिया खतीब की आगामी फिल्म सिला का निर्देशन ओमंग कुमार कर रहे हैं। इसके अलावा आपको बताते चलें कि फिल्म में निगेटिव रोल में करणवीर मेहरा नजर आएंगे। वहीं इस फिल्म की शूटिंग कल यानी 01 जुलाई से शुरू हो रही है। इस फिल्म का दर्शकों को बड़ी बेसब्री से इंतजार है। नेटिजंस कमेंट सेक्शन में लिखा रहे हैं कि पोस्टर से लग रहा है कि फिल्म शानदार साबित होगी।

हर्षवर्धन राणे का वर्कफ्रंट

हर्षवर्धन राणे के वर्क फ्रंट की बात करें तो वे फिल्म एक दीवाने की दीवानियत में नजर आएंगे। यह फिल्म इसी साल रिलीज होने वाली है। फिल्म 02 अक्टूबर 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। फिल्म का निर्देशन मिलाप जावेरी द्वारा किया गया है। फिल्म में अभिनेता के साथ सोनम बाजवा मुख्य भूमिका में नजर आएंगी।

डिजिटल डेब्यू को तैयार वाणी; पहली बार इस अंदाज में आएंगी नजर

हाल ही में अजय देवगन के साथ 'रेड 2' में नजर आईं अभिनेत्री वाणी कपूर अब अपना डिजिटल डेब्यू करने जा रही हैं। वो यशराज के नए शो में नजर आने वाली हैं, जो नेटफ्लिक्स पर रिलीज होना है। नेटफ्लिक्स इंडिया ने अपनी नई सीरीज का पोस्टर जारी कर दिया है, इसमें वाणी कपूर प्रमुख भूमिका में नजर आने वाली हैं। पोस्टर के साथ ही इसकी रिलीज डेट भी सामने आ गई है।

नेटफ्लिक्स की ओर से अपनी नई सीरीज 'मंडाला मर्डर्स' का पोस्टर जारी किया गया है। पोस्टर में वाणी कपूर के साथ सुरवीन चावला, 'गुल्लक' फेम एक्टर वैभव राज गुप्ता और अभिनेत्री श्रिया पिलगांवकर नजर आ रही हैं। पोस्टर में वाणी बंदूक ताने दिख रही हैं, जबकि सुरवीन चाहला हाथ जोड़े महिला नेता के किरदार में नजर आ रही हैं। जबकि वैभव राज गुप्ता बियर्ड लुक में आंखों पर ब्लैक चश्मा लगाए दिख रहे हैं। पोस्टर में श्रिया पिलगांवकर काफी सजी-धजी खड़ी हैं।

25 जुलाई को होगी रिलीज

पोस्टर को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा गया, 'हर वरदान में एक श्राप छिपा है। मोल चुकाने का वक्त जल्द आने वाला है।' इसके साथ ही इस सीरीज की रिलीज डेट की भी घोषणा कर दी गई है। नेटफ्लिक्स की ये नई सीरीज 25 जुलाई को रिलीज हो रही है। इसे यशराज फिल्म ने प्रजेंट किया है।

'रेड 2' में अजय देवगन के साथ नजर आई थीं वाणी

वाणी कपूर हाल ही में अजय देवगन के साथ 'रेड 2' में नजर आई थीं। वो फिल्म में अजय देवगन के किरदार अमय पटनायक की पत्नी की भूमिका में नजर आई थीं। इसके अलावा सुरवीन चावला हाल ही में रिलीज हुए नेटफ्लिक्स के ही शो 'राणा नायडू' के दूसरे सीजन में दिखी थीं। इसके अलावा वो पंकज त्रिपाठी के शो 'क्रिमिनल जस्टिस' के चौथे सीजन में भी नजर आई हैं। वहीं श्रिया पिलगांवकर हाल ही में जी5 की सीरीज 'छल कपट- द डिसेप्शन' में नजर आई थीं।

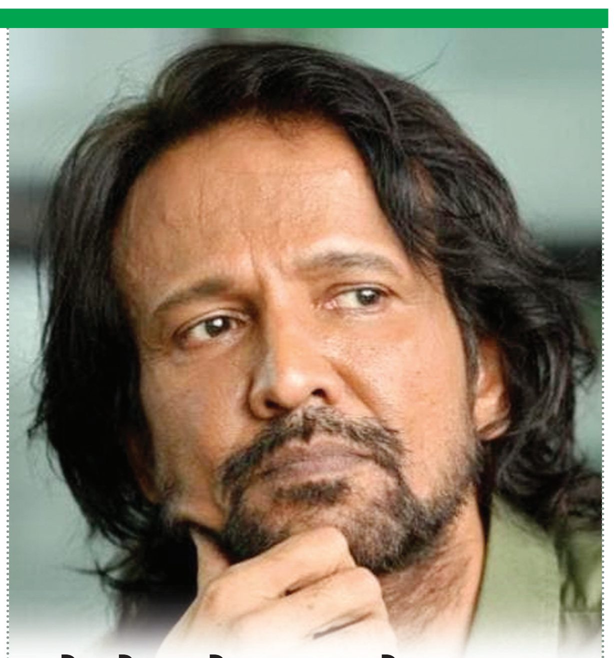

केके मेनन ने बताया को-एक्टर के साथ कैसा बर्ताव करते हैं बिग बी

अभिनेता केके मेनन इन दिनों अपने आगामी वेब शो 'स्पेशल ऑप्स 2' को लेकर चर्चाओं में बने हुए हैं। अभिनेता शो के प्रमोशन में व्यस्त हैं। इस दौरान केके मेनन ने बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन को लेकर बात की और उन्हें भगवान का बच्चा बताया। उन्होंने बिग बी के साथ काम करने के अपने अनुभव को भी साझा किया।

अमिताभ बच्चन आज भी नए कलाकार की तरह काम करते हैं

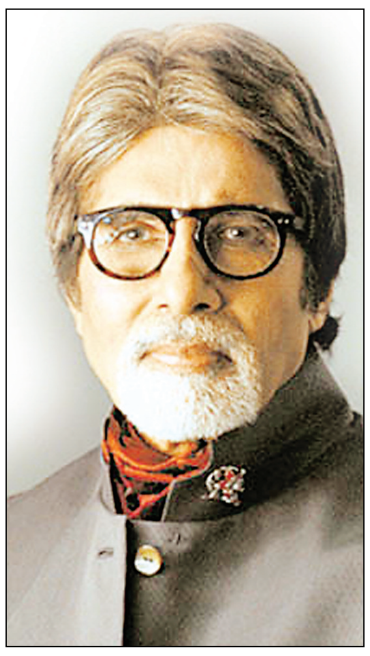

पॉडकास्ट में केके मेनन ने इस दौरान अपने शो से इतर कई मुद्दों पर बात की। बिग बी के साथ काम करने के अपने अनुभवों को साझा करते हुए केके मेनन ने उनकी तारीफ की। अभिनेता ने कहा, 'अमिताभ बच्चन भगवान के बच्चे हैं। उनकी पीढ़ी वाले कौन हैं अभी जो एक्टिव हों, लेकिन वो आज भी उतने ही सक्रिय हैं। वह आज भी प्रासंगिक हैं। वह हर सुबह उठते हैं और एक्सरसाइज करना शुरू कर देते हैं। हम इसे चमत्कार और जादू कहते हैं। मैंने सीखा है कि अगर कोई व्यक्ति जो इतना अनुभवी है, एक नए व्यक्ति की तरह काम कर रहा है, तो हम कौन हैं?'

बिग बी प्रतिभा और अनुशासन का बेहतरीन उदाहरण हैं

बिग बी के साथ स्क्रीन शेयर करने के अपने अनुभव को बताते हुए केके मेनन ने कहा कि उनसे काफी कुछ सीखने को मिला। केके ने कहा कि बिग बी अपने को-एक्टर को काफी महत्व देते हैं। उन्होंने फिल्म 'सरकार' के समय को याद करते हुए एक सीन के दौरान अमित जी ने रामगोपाल वर्मा से मेरा क्लोजअप शॉट लेने को कहा क्योंकि वो चाहते थे कि मेरे हाव-भाव कैमरे में कैद हों। उन्होंने कहा कि बिग बी एक प्रतिभाशाली और अनुशासित अभिनेता हैं। अनुशासन के बिना प्रतिभा लंबे समय तक नहीं टिकती। अमिताभ बच्चन अनुशासन के साथ प्रतिभा का एक बेहतरीन उदाहरण हैं।

11 जुलाई को रिलीज होगा 'स्पेशल ऑप्स 2'

केके मेनन जल्द ही अपने वेब शो 'स्पेशल ऑप्स 2' में नजर आएंगे। इस सीरीज में वो रॉ ऑफिसर हिम्मत सिंह का किरदार निभा रहे हैं। इस बार की सीजन एआई के बढ़ते प्रभाव से होने वाले नुकसान और साइबर अटैक पर आधारित है। इससे पहले 'स्पेशल ऑप्स' के दो सीजन आ चुके हैं और दोनों को ही लोगों ने काफी पसंद किया है। इस नए सीजन के ट्रेलर भी आते ही धमाल मचा दिया था। अब फैंस 11 जुलाई को जियो-हॉटस्टार पर रिलीज होने वाले इस शो का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

रितेश देशमुख की फिल्म राजा शिवाजी का हिस्सा बनने के लिए बहुत उत्साहित हैं विद्या बालन

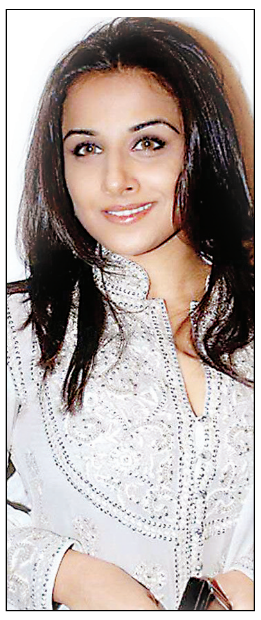

अभिनेता, निर्माता और निर्देशक रितेश देशमुख पिछले काफी समय से फिल्म राजा शिवाजी को लेकर चर्चा में हैं। वह न सिर्फ इसमें लीड रोल निभा रहे हैं, बल्कि इसके निर्देशन की कमान भी संभाल रहे हैं। अब फिल्म को लेकर एक नया अपडेट सामने आ रहा है। इसकी कास्ट और बड़ी हो गई है, क्योंकि रितेश और उनकी टीम ने एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए विद्या बालन को फिल्म में शामिल कर दिया है। विद्या एक ऐसी फिल्म का हिस्सा बनने के लिए बहुत उत्साहित हैं, जो भारतीय इतिहास के सबसे दमदार अध्यायों में से एक की कहानी कहती है। उन्होंने फिल्म के लिए फौरन हां कर दी। रितेश भी विद्या के साथ काम करने के लिए उतावले हो रहे हैं। सूत्र ने आगे बताया कि विद्या ने फिल्म के लिए अपना लुक टेस्ट पहले ही करवा लिया है और अब वह जल्द ही सेट पर शूटिंग में शामिल होंगी।

हेरा फेरी 3 पर रिलीज के बाद ही बात करूंगा

अभिनेता सुनील शेट्टी हिंदी भाषा और अपकमिंग फिल्म 'हेरा फेरी 3' पर बात की। अभिनेता ने हिंट दिया कि फिल्म को लेकर फिर से दर्शकों को मजा आएगा। कॉमेडी से भरपूर फिल्म परिवार के साथ देखने वाली है, जो बड़े-बच्चों के साथ सभी को पसंद आएगी। अभिनेता ने मजाकिया अंदाज में कहा, मैं अब फिल्म के बारे में बात रिलीज के दिन ही करूंगा। इसके साथ ही उन्होंने ओटीटी और फिल्म पर भी बात की। शेट्टी ने सिनेमाघरों को 'पापा' की संज्ञा और देते हुए ओटीटी को बच्चों की संज्ञा दी। उन्होंने बताया, कई ओटीटी प्लेटफॉर्म्स आ चुके हैं और यह अच्छी बात है। दरअसल, सिनेमाघर 'पापा' हैं और ओटीटी उनके बच्चे हैं। बच्चे हर हाल में पिता के लिए अच्छे होते हैं। वे सपोर्ट ही करते हैं। अभिनेता ने बताया कि यदि किसी चीज में बदलाव चाहिए तो उसकी शुरुआत खुद से करनी चाहिए। उन्होंने पाकिस्तानी एक्टर्स पर लगे प्रतिबंध पर भी प्रतिक्रिया दी। अभिनेता ने बताया, रिश्ते तो हमेशा ऊपर-नीचे होते ही रहते हैं। पहलगाम की बात करें तो मेरा मानना है निश्चित तौर पर बैन होना चाहिए। जब तक माहौल सही न हो जाए। बात केवल कला की नहीं है। राजनीति, खेल और एंटरटेनमेंट सभी क्षेत्रों को यह बात समझनी होगी।

सलमान खान से लेकर तापसी पन्नू तक इन स्टार्स के पास हैं खुद की टीमें

बॉलीवुड के कई स्टार्स ऐसे हैं जिन्हें एक्टिंग के अलावा स्पोर्ट्स का शौक है। कुछ लोग तो खुद खेल खेलते हैं और कुछ लोग खेल का कारोबार करते हैं। ऐसे में आज हम आपको उन स्टार्स के बारे में बता रहे हैं जो स्पोर्ट्स टीमों के मालिक हैं।

सलमान खान

सलमान खान ने साल 1988 में फिल्म बीवी हो तो ऐसी से बॉलीवुड में कदम रखा था। तब से अब तक उन्होंने बॉलीवुड में अपनी अदाकारी से कमाल दिखाया है। वह स्पोर्ट्स में भी दिलचस्पी रखते हैं। वह इंडियन स्ट्रीट प्रीमियर लीग में दिल्ली फ्रेंचाईजी के मालिक हैं।

शाहरुख खान

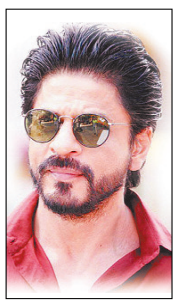

बॉलीवुड के किंग कहे जाने वाले शाहरुख खान ने साल 1992 में फिल्म दीवाना से बॉलीवुड में कदम रखा। अब तक वह बॉलीवुड को कई बेहतरीन फिल्में दे चुके हैं। वह इंडियन प्रीमियर लीग की टीम कोलकाता नाइट राइडर्स के सह-मालिक हैं।

प्रीति जिंटा

बॉलीवुड की सबसे खूबसूरत अभिनेत्रियों में शामिल प्रीति जिंटा ने साल 1998 में फिल्म दिल से से बॉलीवुड में कदम रखा था। वह इंडियन प्रीमियर लीग की टीम पंजाब किंग्स की सह-मालकिन हैं। वह अकसर मैदान पर अपनी टीम को चीयर करती नजर आती हैं।

अभिषेक बच्चन

अमिताभ बच्चन के बेटे अभिषेक बच्चन ने बॉलीवुड में साल 2000 में फिल्म रिफ्यूजी से कदम रखा था। इसके बाद से उन्होंने बॉलीवुड को कई हिट फिल्में दी हैं। स्पोर्ट्स में भी उनकी रुचि है। वह प्रो कबड्डी लीग में जयपुर पिंक पैंथर्स के मालिक हैं।

जॉन अब्राहम

जॉन अब्राहम खुद स्पोर्ट्स बहुत पसंद करते हैं। वह फुटबॉल और बास्केटबॉल पसंद करते हैं। उन्होंने 2003 में फिल्म जिस्म से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। वह इंडियन सुपर लीग की फुटबॉल टीम नॉर्थ ईस्ट यूनाइटेड एफसी के मालिक हैं।

अक्षय कुमार

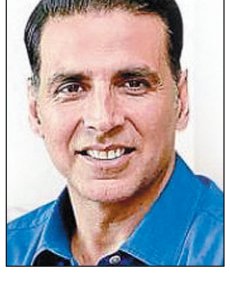

अक्षय कुमार को बॉलीवुड में खिलाड़ी के नाम से जाना जाता है। वह क्रिकेट और मार्शल आर्ट (कराटे) खेलना पसंद करते हैं। उन्होंने साल 1991 में फिल्म सौगंध से बॉलीवुड में कदम रखा। आज वह इंडस्ट्री के सबसे बड़े अभिनेताओं में शामिल हैं। वह प्रो कबड्डी लीग में बंगाल वॉरियर्स टीम के मालिक हैं।

जूही चावला

जूही चावला को क्रिकेट पसंद है। जूही चावला ने साल 1986 में फिल्म सलतनत से बॉलीवुड में कदम रखा। वह इंडियन प्रीमियर लीग की टीम कोलकाता नाइट राइडर्स की सह-मालिकिन हैं।

तापसी पन्नू

तापसी पन्नू भी स्पोर्ट्स से जुड़ी हुई हैं। उन्हें स्क्वैश और फुटबॉल खेलना पसंद है। उन्होंने साल 2013 में फिल्म चश्मे बद्दूर से बॉलीवुड में कदम रखा। वह प्रीमियर बैडमिंटन लीग में 7 एसेस टीम की मालिकिन हैं।